শর্মা হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 87 | गुवाहाटी | रविवार, 22 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वंदे भारत एक्सप्रेस : यात्रियों का पसंदीदा विकल्प पेज 3

रक्षा मंत्री ने किया देश के पहले भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव का उद्घाटन पेज 4

उप्र में कानून का राज स्थापित हुआ : योगी पेज 5

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने फिर साधा कांग्रेस पर निशाना पेज 8

हैलाकांदी में कई दुर्गा पूजा पंडालों का सीएम ने किया दौरा

राज्य में धार्मिक उत्साह के साथ मनाई जा रही है पूजा

हैलाकांदी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को हैलाकांदी में 11 दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि भी अर्पित की। सूत्रों के अनुसार, सीएम शर्मा ने सबसे पहले दोपहर 12.15 बजे हैलाकांदी के बैरव बारी पूजा में प्रवेश किया और मां दुर्गा को पुष्पांजलि अर्पित की और पूजा समिति द्वारा प्रकाशित एक स्मारिका का विमोचन भी किया। बाद में, उन्होंने लक्ष्मीशहर काली बाड़ी, नूतन पाड़ा बाणेश्वर शिव मंदिर, बारोवारी काली बाड़ी, हार्टबर्टगंज बाजार, दुर्गा बाड़ी, युवा समिति, नेताजी राइस मिल, काटलीचेरा बस स्टैंड, सिव बाड़ी और -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में सप्तमी के दिन अलग-अलग दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत

गुवाहाटी। दुर्गा पूजा का पहला दिन पूरे असम और गुवाहाटी में दुर्घटनाओं से भरा रहा और चार ऐसी घटनाएं हुईं, जिनमें चार लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। एक बड़ी सड़क दुर्घटना में, गुवाहाटी के वशिष्ठ में दो सिटी बसें आमने-सामने टकरा गईं, जिसके बाद वशिष्ठ पुलिस को बुलाया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना वशिष्ठा चरियाली के पास हुई जब वशिष्ठ मंदिर की ओर जा रही एक बस दूसरी दिशा से आ रही बस से टकरा गई। दुर्घटना के परिणामस्वरूप दोनों सिटी बसें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस बीच, किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। वशिष्ठ पुलिस जल्द ही घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि असम के चिरांग में एक दुखद सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना बासुगांव शहर के पास नेहालगांव में हुई, जब मोटरसाइकिल पर सवार दो पीड़ित पीछे से एक स्थिर टैंकर से टकरा गए। टक्कर में दोपहिया वाहन सवार और पीछे बैठे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों -शेष पृष्ठ दो पर

उद्घाटन के अगले दिन ही श्रद्धांजलि फ्लाईओवर पर हुई दुर्घटना

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के आरजी बरुवा रोड पर नवनिर्मित श्रद्धांजलि फ्लाईओवर पर पहली दुर्घटना घटित हुई। पुलिस ने आज बताया कि बीती रात नशे में धुत्त एक गाड़ी के चालक ने फ्लाईओवर के ऊपर बने एक सुंदर स्मारक को जोरदार ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को इस नवनिर्मित फ्लाईओवर का उद्घाटन राज्य के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने किया था। -शेष पृष्ठ दो पर

सूचना

एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** *परिवार की ओर से नवरात्रि, दुर्गा पूजा और विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 22 और 23 अक्तूबर को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 25 अक्तूबर के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।*

- संपादक

मैतेई समुदाय को एसटी दर्जे के खिलाफ अपील का रास्ता साफ

जनजातीय निकायों को अदालत से अनुमति

इंफाल। मणिपुर उच्च न्यायालय ने राज्य के आदिवासी संगठनों को 27 मार्च के विवादास्पद आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति दे दी है। इस आदेश के तहत राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के संबंध में सिफारिश भेजनी थी। हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की अगुवाई वाली सरकार को एसटी दर्जा देने के संबंध में सिफारिश भेजने का निर्देश दिया था। ताजा घटनाक्रम में न्यायमूर्ति अहनथेम बिमोल और न्यायमूर्ति गुणेश्वर शर्मा की खंडपीठ ने 19 अक्तूबर को आदेश पारित किया। अदालत ने आदिवासी निकायों का रास्ता साफ करते हुए कहा कि मैतेई समुदाय को एसटी दर्जा देने वाले आदेश के खिलाफ अपील की जा सकती है। पीठ ने कहा कि आवेदक की मुख्य शिकायत यह है कि अगर उन्हें मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के मामले में अपनी बात कहने या आपत्ति दर्ज कराने का मौका नहीं दिया गया तो उन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बता दें कि अपील के आदेश से पहले एकल न्यायाधीश की पीठ ने मैतेई जनजाति संघ के सदस्यों की याचिका पर विवादास्पद आदेश पारित किया था। अदालत से मांग की गई थी कि मैतेई समुदाय को एसटी सूची में शामिल करने के लिए सीएम बीरेन सिंह की सरकार को जरूरी कार्रवाई -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा समर्थक वार्ता गुट के साथ शांति समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है : डीजीपी

गुवाहाटी। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि शांति समझौता स्थापित करने के लिए यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता समर्थक गुट के साथ चर्चा अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। अल्फा के वार्ता समर्थक गुट ने पहले केंद्र सरकार द्वारा वार्ता शुरू करने के आधार के रूप में प्रस्तुत शांति समझौते के मसौदे पर अपना असंतोष व्यक्त किया था। वार्ता समर्थक गुट के महासचिव अनूप चेतिया ने इस बात पर जोर दिया कि उनका प्राथमिक लक्ष्य असम की रक्षा करना है। अवैध घुसपैठियों से और राज्य में स्वदेशी आबादी के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना। उन्होंने कहा कि उनकी कई प्रमुख मांगों को संबोधित किए बिना शांति समझौते को अंतिम रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा। चेतिया ने यह भी कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

असम में कांग्रेस अब कोई फैक्टर नहीं : अजमल

गुवाहाटी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख और इत्र कारोबारी बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि पार्टी 2024 में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस या भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेगी। यह कहते हुए कि पार्टी वर्तमान में अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है और विश्वास जताया है कि वह चुनाव में तीन सीटें जीतेगी। अजमल ने कहा कि कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाएगी क्योंकि यह अब पूरे असम में किसी भी पार्टी के लिए कोई कारक नहीं है। हालांकि, अजमल ने एक नए विकास के बारे में उल्लेख किया जिसमें पार्टी निकट भविष्य में *कुछ समायोजन* करने के बारे में सोच -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

देश को विकसित बनाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी पर : पीएम

नई दिल्ली/ग्वालियर(हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हमने अगले 25 वर्षों में देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी भारत की युवा पीढ़ी की है। हमें इस युवा पीढ़ी के सामर्थ्य पर भरोसा है और हम आशा करते हैं कि इस सपने को संकल्प में बदलकर हम सिद्धि प्राप्त करने तक नहीं रुकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज शाम ग्वालियर में सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बहुउद्देशीय खेल परिसर की आधारशिला रखी और प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों और शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वालों को पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उनके साथ रहे। सिंधिया स्कूल की स्थापना 1897 में हुई थी और यह ऐतिहासिक ग्वालियर किले के ऊपर स्थित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार प्रयास कर रही है कि देश में एक ऐसा माहौल हो, जिसमें युवा पीढ़ी के पास अवसरों की कमी ना हो। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को 10 साल होने जा रहे हैं और इस दौरान उन्होंने दीर्घकालिक योजनाएं बनाते हुए फैसले लिए हैं। प्रधानमंत्री ने सिंधिया स्कूल के 125 वर्ष पूरे होने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज ही आजाद हिंद सरकार का स्थापना दिवस भी है। उन्होंने कहा कि सिंधिया स्कूल और ग्वालियर शहर का भी अपना एक इतिहास है। ऋषि ग्वालिपा, संगीत सम्राट तानसेन, श्रीमंत महादजी सिंधिया जी, राजमाता विजयराजे जी, अटल जी और उस्ताद अमजद अली खां तक, ग्वालियर की ये धरती, पीढ़ियों को प्रेरित करने वालों का निर्माण करती रही है। उन्होंने कहा कि महाराजा माधो राव सिंधिया प्रथमजी की भी सोच तात्कालिक लाभ की नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की थी। सिंधिया स्कूल उनकी इसी दूरगामी सोच का परिणाम था। वे जानते थे कि मानव संसाधान की ताकत क्या होती है। बहुत कम लोगों को पता होगा कि माधो राव जी ने जिस भारतीय परिवहन कंपनी की स्थापना की थी, वो आज भी दिल्ली में डीटीसी के रूप में चल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत की धाक पूरी दुनिया में जम गई है। भारत अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन बनाने की योजना बना रहा है। हाल ही में मानव को अंतरिक्ष में भेजने से जुड़े प्रथम प्रशिक्षण अभियान को सफलता मिली है। इन सब से लगता है कि भारत के लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं है। आज हर क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। स्पेस और डिफेंस जैसे क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान सिंधिया स्कूल के छात्रों से 9 कार्य पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, गांव में डिजिटल लेनदेन, वोकल फॉर लोकल, नेचुरल फार्मिंग, श्रीअन्न और खेल के प्रति वे जागरूकता फैलाएं। इसके अलावा पहले भारत भ्रमण करें फिर दुनिया देखने जाएं और कोशिश करें कि किसी गरीब का हाथ थाम सकें।

इसरो ने सफलतापूर्वक की गगनयान की पहली टेस्ट फ्लाइट

श्रीहरिकोटा। महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम से जुड़े पेलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान का शनिवार पूर्वाह्न 10 बजे सफल प्रक्षेपण किया गया। रॉकेट का प्रक्षेपण पहले शनिवार सुबह आठ बजे के लिए निर्धारित था, लेकिन बाद में इसे दो बार कुल 45 मिनट के लिए टाला गया। इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने बाद में बताया कि किसी विसंगति के कारण प्रक्षेपण तय कार्यक्रम के अनुसार नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि टीवी-डी1 रॉकेट का इंजन तय प्रक्रिया के अनुसार चालू नहीं हो सका था। इसके बाद, इसरो ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि प्रक्षेपण रोके जाने के कारण का पता लगा लिया गया है और उसे दुरुस्त कर दिया गया है। प्रक्षेपण आज पूर्वाह्न 10 बजे होगा। दो घंटे की देरी और टीवी-डी1 इंजन के शुरुआत में तय प्रक्रिया के तहत चालू नहीं हो पाने के बाद पैदा हुई घबराहट के बीच इसरो के वैज्ञानिकों ने रॉकेट का सटीक प्रक्षेपण किया। यान के क्रू मॉड्यूल (जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे) एवं क्रू एस्केप (चालकदल बचाव प्रणाली) पृथक्करण का लक्ष्य हासिल करते ही श्रीहरिकोटा स्थित मिशन नियंत्रण केंद्र में सांसें थाम कर बैठे वैज्ञानिकों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया। इसरो ने घोषणा की कि टीवी-डी1 मिशन पूरी तरह सफल रहा। तय योजना के अनुसार पेलोड बाद में समुद्र में सुरक्षित तरीके से गिर गए। इसरो ने एकल-चरण तरल प्रणोदक वाले रॉकेट के इस प्रक्षेपण के जरिये मानव को अंतरिक्ष में भेजने के अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम गगनयान की दिशा में आगे कदम बढ़ाया।

राष्ट्रपति ने दुर्गा पूजा की पूर्व संध्या पर दी देशवासियों को शुभकामनाएं

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुर्गा पूजा की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम शुद्ध आचरण एवं सेवाभाव से देश की एकता के लिए कार्य करेंगे। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर, मैं देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। दुर्गा पूजा का पर्व बुराई पर अच्छाई, अज्ञान पर ज्ञान और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। दुर्गा माता की अलग-अलग रूपों में आराधना की जाती है। वे हमें विभाजनकारी और विध्वंसकारी प्रवृत्तियों से दूर रहने की शक्ति देती हैं। मेरी मां दुर्गा से प्रार्थना है कि वे हमें नैतिकता के मार्ग पर चलने और समाज की भलाई के कार्य करने की प्रेरणा दें। हम महित्य शक्ति की राष्ट्र निर्माण के कार्यों में ससम्मान भागीदारी बढ़ाने के लिए अग्रसर रहें।

मप्र विस चुनाव : भाजपा ने जारी की पांचवीं सूची, 92 उम्मीदवारों के नाम घोषित

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा शनिवार को जारी इस सूची में 92 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसमें 67 वर्तमान विधायकों में से 37 को दोबारा उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि तीन मंत्रियों समेत 29 विधायकों के टिकट काटे गए हैं। इन्हें मिलाकर भाजपा अब तक 228 सीटों पर अपने घोषित कर चुकी है। अब सिर्फ दो सीटें -गुना और विदिशा के उम्मीदवार घोषित होना शेष है। दिल्ली से शनिवार को जारी हुई सूची के अनुसार भाजपा ने विजयपुर से बाबूलाल मेवरा, जौरा से सूबेदार सिंह रजौधा सिकरवार, अम्बाह से कमलेश जाटव, भिंड से नरेंद्र सिंह कुशवाह, मेहगांव से राकेश शुक्ला, ग्वालियर पूर्व से माया सिंह, ग्वालियर दक्षिण से नारायण सिंह कुशवाह, भांडेर से घनश्याम पिरोनिया, पोहरी से सुरेश राठखेड़ा धाकड़, शिवपुरी से देवेंद्र कुमार जैन, कोलारस से महेंद्र यादव, बामोरी से महेंद्र सिंह सिसोदिया, अशोकनगर से जजपाल सिंह जज्जी, मुंगावली से बृजेंद्र सिंह यादव और बीना से महेश राय को उम्मीदवार बनाया है। इसी प्रकार, टीकमगढ़ से राकेश गिरी, जतारा से हरिशंकर खटीक, पृथ्वीपुर से डा. शिशुपाल यादव, निवाड़ी से अनिल जैन, चंदला से दिलीप अहिरिवार, बिजावर से राजेश शुक्ला, दमोह से जयंत मलैया, जबेरा से धर्मेंद्र सिंह लोधी, हटा से उमा खटीक, पवई से प्रहलाद लोधी, रेगांव से प्रतिमा बागरी, नागौद से नागेंद्र सिंह, अमरपाटन से रामखेलावन पटेल, सेमरिया से के.पी. त्रिपाठी, त्योंथर से सिद्धार्थ तिवारी, मनगंवा से नरेंद्र प्रजापति, गुढ़ से नागेंद्र सिंह, चित्रांगी से राधा सिंह, सिंगरौली से रामनिवास शाह, देवसर से राजेंद्र मेश्राम, धौहानी से कुंवर सिंह टेकाम, ब्यौहारी से शरद जुगलाल कोल और बांधवगढ़ से शिवनारायण सिंह को टिकट दिया गया है। वहीं, बहोरीबंद से प्रणय प्रभात पाण्डे, जबलपुर उत्तर से अभिलाष पांडे, सिहोरा से संतोष बरबड़े, मंडला से संपतिया उईके, बालाघाट से मौसम बिसेन, वारासिवनी से प्रदीप जायसवाल, केवलारी से राकेश पाल सिंह, लखनादौन से विजय उईके, तेंदूखेड़ा से विश्वनाथ सिंह, चौरई से लखन वर्मा, बैतूल से हेमंत विजय खंडेलवाल, टिमरनी से संजय शाह, सिवनी मालवा से प्रेमशंकर वर्मा, होशंगाबाद से डा. सीतासरन शर्मा, पिपरिया से ठाकुर दास नागवंशी, भोजपुर से सुरेंद्र पटवा, बासौदा से हरिसिंह रघुवंशी, कुरवाई से हरीसिंह सप्रे, शमशाबाद से सूर्य प्रकाश मीणा और भोपाल दक्षिण-पश्चिम से भगवान दास सबनानी को भाजपा ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

भारत को झटका, निज्जर विवाद में ट्रूडो को मिला यूएस-यूके और आस्ट्रेलिया का साथ

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच खालिस्तान समर्थक आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर जारी कूटनीतिक विवाद अब अलग मोड़ पर आ गया जिसमें पश्चिमी देशों की आलोचना से भारत को झटका लग सकता है। निज्जर हत्याकांड को लेकर जारी कूटनीतिक विवाद में अब अमेरिका आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भी कूद पड़े हैं। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और इंगलैंड ने इस मामले में कनाडा का समर्थन करते हुए भारत से आग्रह किया कि वह देश में ओटावा के अपने राजनयिक उपस्थिति को कम करने पर दबाव न बनाए। तीनों देश ने शुक्रवार को नई दिल्ली से कनाडा पर भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करने पर जोर न देने का आग्रह किया और 41 राजनयिकों को बाहर निकालने को लेकर चिंता व्यक्त की। दरअसला, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत के 41 कनाडाई राजनयिकों की इम्युनिटी (राजनयिक छूट) को रद्द करने के फैसले का दबाव झेल रहे हैं। उन्होंने इस फैसले के खिलाफ शुक्रवार को कहा कि यह वियना संधि का उल्लंघन है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हम कनाडा के राजनयिकों के भारत से प्रस्थान से चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कनाडा के आरोपों को गंभीरता से लिया है और लंदन के साथ-साथ भारत से हत्या की जांच में कनाडा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है, जबकि इससे पहले पश्चिमी शक्तियां भारत की खुले तौर पर निंदा करने में अनिच्छुक रही हैं। मैथ्यू मिलर ने कहा कि आपसी मतभेदों को सुलझाने के लिए जमीनी स्तर पर राजनयिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमने भारत सरकार से आग्रह किया है कि वह कनाडा की राजनयिक उपस्थिति में कमी पर जोर न दे और कनाडा में चल रही जांच में सहयोग करे। मालूम हो कि अमेरिकी विदेश विभाग का यह बयान इस मामले में वाशिंगटन द्वारा नई दिल्ली की अब तक की सबसे सीधी आलोचना है। उन्होंने कहा कि इस मामले से सभी देशों को चिंतित होना चाहिए। अमेरिका का यह बयान भारत के कनाडाई राजनयिकों को देश छोड़ने के दबाव के कुछ घंटे के बाद आया है। इस मामले में ऑस्ट्रेलिया ने भी कनाडा का ही समर्थन किया है। ऑस्ट्रेलिया के सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) के महानिदेशक माइक बर्गेस का कहना है कि उनके पास कनाडा के इस बयान पर विवाद करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि कनाडा के पास निज्जर की हत्या से भारत को जोड़ने के आरोप विश्वसनीय हैं। बर्गेस ने ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि कनाडाई सरकार ने इस मामले में जो कहा है, उस पर विवाद करने का मेरे पास कोई कारण नहीं है। बर्गेस कैलिफोर्निया में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में एक सम्मेलन के मौके पर बोल रहे थे, जहां फाइव आईज खुफिया साझाकरण गठबंधन के शीर्ष जासूस बैठक कर रहे थे। बता दें कि फाइव आइज दुनिया का सबसे घनिष्ठ और शक्तिशाली खुफिया जानकारी एकत्र करने और साझा करने वाला गठबंधन है जिसमें अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। यह उच्चतम स्तर के सहयोग, आपसी विश्वास और समन्वित कार्रवाई के साथ एक एंग्लोस्फीयर व्यवस्था है जिसमें इसके सदस्यों में से एक की चिंता आमतौर पर सभी पांचों की चिंता बन जाती है और वे एकजुट होकर प्रतिक्रिया देते हैं। कनाडा मामले में भी यही हो रहा है और पांचों देशों की ये प्रतिक्रिया सामने आई है जो भारत के लिए चिंता का विषय हो सकती है। कनाडा ने जून में वैंकूवर उपनगर में कनाडाई नागरिक और सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया है। भारत ने आरोपों से इनकार किया है।

एबीईएस कॉलेज में छात्रों ने लागाए जय श्रीराम के नारे तो शिक्षिकाओं ने मंच से उतारा

गाजियाबाद। एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को इंडक्शन कार्यक्रम में जय श्रीराम के जयकारे लगाने पर विद्यार्थियों को स्टेज से नीचे उतारने के मामले में संस्थान द्वारा दो शिक्षिकाओं को निलंबित कर दिया गया है। संस्थान द्वारा मामले की जांच के लिए शुक्रवार को ही तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया गया था। जांच के आधार पर दो शिक्षिकाओं पर कार्रवाई करते हुए उनको निलंबित कर दिया गया। एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम था, जिसमें छात्र ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए तो शिक्षिका ने डांटते हुए स्टेज से नीचे उतार दिया था। मामले को शनिवार

की सुबह हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ विद्यार्थियों ने धरना दिया। मामले को बढ़ता देख संस्थान द्वारा समिति द्वारा दी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर दोनों शिक्षिकाओं को निलंबित कर दिया। इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ करने के साथ धरना समाप्त किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने एक वीडियो जारी करते हुए बताया कि जय श्रीराम के नारे लगाने पर विद्यार्थी को स्टेज से उतारने के मामले में जांच समिति बनाई गई थी। पुलिस प्रशासन ने 24 घंटे में जांच की रिपोर्ट सौंपने के लिए निर्देश दिए थे। समिति द्वारा जांच की रिपोर्ट के आधार पर दोनों शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है।

पृथ्वी तक पहुंच रहा आठ अरब साल पुराना रेडियो सिग्नल

नई दिल्ली। खगोलविदों ने रेडियो तरंगों के एक रहस्यमय विस्फोट का पता लगाया है जिसे पृथ्वी तक पहुंचने में 8 अरब साल लग गए हैं। तेज रेडियो विस्फोट अब तक देखे गए सबसे दूर और ऊर्जावान विस्फोटों में से एक है। जानकारी के अनुसार, तेज रेडियो विस्फोट, या एफआरबी, अज्ञात उत्पत्ति वाली रेडियो तरंगों के तीव्र, मिलीसेकंड-लंबे विस्फोट हैं। पहला एफआरबी 2007 में खोजा गया था और तब से, ब्रह्मांड में दूर के बिंदुओं से आने वाली ऐसी सैकड़ों त्वरित, ब्रह्मांडीय चमक का पता लगाया गया है। साइंस जर्नल में गुरुवार को प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, एफआरबी 20220610ए नाम का विस्फोट एक मिलीसेकंड से भी कम समय तक चला, लेकिन एक पल के उस अंश में, इसने 30 वर्षों के दौरान हमारे सूर्य के ऊर्जावान उत्सर्जन के बराबर उत्सर्जन जारी किया। कई एफआरबी गायब होने से पहले केवल कुछ मिलीसेकंड तक चलने वाली सुपर उज्ज्वल रेडियो तरंगें छोड़ते हैं, जिससे तेज रेडियो विस्फोटों का निरीक्षण करना मुश्किल हो जाता है। रेडियो दूरबीनों ने खगोलविदों को इन त्वरित ब्रह्मांडीय चमकों

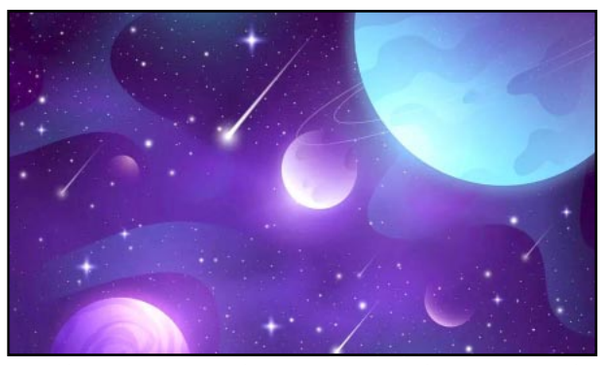

का पता लगाने में मदद की है, जिसमें पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में वजारी यामाजी देश पर स्थित रेडियो दूरबीनों की एएसकेएपी श्रृंखला भी शामिल है। खगोलविदों ने जून 2022 में एफआरबी का पता लगाने और यह निर्धारित करने के लिए एएसकेएपी का उपयोग किया कि इसकी उत्पत्ति कहां से हुई। ऑस्ट्रेलिया में मैक्वेरी विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री और अध्ययन के सहलेखक डॉ. स्टुअर्ट राइडर ने एक बयान में कहा कि एएसकेएपी के (रेडियो) व्यंजनों की श्रृंखला का उपयोग करके, हम सटीक रूप से यह निर्धारित करने में सक्षम थे कि विस्फोट कहां से हुआ था। फिर हमने स्रोत आकाशगंगा की खोज के लिए चिली में यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के बहुत बड़े टेलीस्कोप का उपयोग किया। जिसके बाद हमें यह पता चला कि अब तक पाए गए किसी भी अन्य एफआरबी स्रोत की तुलना में पुराना काफी (दूर) दूर है और संभवत: विलय वाली आकाशगंगाओं के एक छोटे समूह के भीतर है। अनुसंधान दल ने विस्फोट का पता लगाया जो दो या तीन आकाशगंगाओं के समूह के रूप में प्रतीत होता है जो विलय, परस्पर क्रिया और नए तारे बनाने की प्रक्रिया में हैं। यह खोज वर्तमान सिद्धांतों के अनुरूप है जो सुझाव देते हैं कि तेज रेडियो विस्फोट मैग्नेटर, या अत्यधिक ऊर्जावान वस्तुओं से हो सकते हैं जो सितारों के विस्फोट के परिणामस्वरूप होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि तेज रेडियो विस्फोट एक अनूठी विधि हो सकती है जिसका उपयोग आकाशगंगाओं के बीच अज्ञात रहने वाले पदार्थ को मापकर ब्रह्मांड को *वजन* करने के लिए किया जा सकता है।

पृष्ठ एक का शेष

हैलाकांदी में कई ...

अंत में रामकृष्ण मिशन दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया। सीएम शर्मा के दौरे के दौरान विभिन्न संगठनों ने उन्हें विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। वहीं दुर्गा पूजा असम के सबसे प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है। अकेले राजधानी गुवाहाटी में 542 अस्थायी दुर्गा पूजा पंडाल हैं। राज्य भर में लगभग सभी पूजा समितियों ने लोगों के लिए रचनात्मक संदेश प्रसारित करने के अलावा अपने पंडालों में अधिक लोगों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न रूपांकनों और विषयों के साथ अस्थायी दुर्गा पूजा पंडालों को डिजाइन किया है, जो दुनिया भर में चलन में हैं। भक्त इन पंडालों में भक्ति और धार्मिक उत्साह के साथ देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। गुवाहाटी में, छत्रीबाड़ी सार्वजनीन पूजा समिति ने अपने मंडपों को रेडियो, टेलीविजन और ग्रामोफोन की तरह डिजाइन किया। पांडु विश्राम शिविर को कैलाश पर्वत की तरह डिजाइन किया गया था और दूसरे ने भगवान श्री राम की 160 फुट की मूर्ति डिजाइन की थी, गीतानगर पूजा मंडप को थाइलैंड के बुद्ध विहार की तरह डिजाइन किया गया था। असम के नागांव शहर में शनि मंदिर दुर्गा पूजा संघ ने अपने दुर्गा पूजा पंडाल को सजाने के लिए 11 लाख रुपए के सिक्कों का इस्तेमाल किया है। ग्वालपाड़ा जिले में, पंडालों को चंद्रयान 3, लोटस टेम्पल और जापी की तरह डिजाइन किया गया है।

अल्फा समर्थक वार्ता ...

उन्होंने पहले केंद्र सरकार को 12 मांगें पेश की थीं, जिनमें राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में संशोधन, स्वदेशी समूहों के लिए भूमि अधिकार, छह स्वदेशी जनजातियों के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा, असम को बाढ़ घोषित करना शामिल था। राष्ट्रीय आपदा, और स्वदेशी व्यक्तियों के लिए 88 प्रतिशत सीट कोटा। विशेष रूप से, परेश बरुआ के नेतृत्व वाला अल्फा-आई गुट बातचीत की मेज पर नहीं आया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बरुआ से हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की है।

राज्य में सप्तमी के ...

की पहचान कनिष्ठ राय और कपिल राय के रूप में की गई, जो रिश्ते में चाचा-भतीजा थे। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए जिससे तनाव फैल गया। एक अन्य घटना में, असम में बारपेटा के भवानीपुर में एक बड़ी सड़क दुर्घटना में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की जान चली गई। रिपोर्टों में कहा गया है कि दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुई, जहां एक अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को कुचल दिया। पीड़िता भवानीपुर आंचलिक कॉलेज में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी थी। कथित तौर पर वह अपनी ड्यूटी के बाद घर लौट रहा था जब उसे टक्कर मार दी गई और उसकी दुखद मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि एक और दुखद दुर्घटना में, इस बार असम के हेलेम में, राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। मृतकों और घायलों की पहचान तत्काल नहीं हो पाई है। गंभीर रूप से घायल हुए तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उद्घाटन के अगले ...

ज्ञात हो कि चौराहे पर एक सुंदर स्मारक बनाया गया था, जहां फ्लाईओवर का हिस्सा गीतानगर की तरफ से आता है, जो मुख्य फ्लाईओवर को जोड़ता है। असम के नक्शे और विरासत को संजोए हुए इस स्मारक को तेज गति से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी। नतीजतन, वाहन के साथ-साथ स्मारक को भी बहुत नुकसान हुआ है। स्मारक के साथ बने छोटे पार्क की रेलिंग और पक्के हिस्से भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बताया जाता है कि वाहन तेज गति से चांदमारी की ओर से आ रहा था। हादसे के बाद पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार चालक अत्यधिक नशे की हालत में था। गिरफ्तार ड्राइवर का घर हिमाचल प्रदेश में है। पुलिस ने वाहन चालक के साथ एक अन्य बाइक सवार को भी गिरफ्तार किया है। हादसे में होमगार्ड का एक जवान और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए।

जनजातीय निकायों को ...

करने का निर्देश दिया जाए। तत्कालीन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमवी मुरलीधरन ने 27 मार्च को आदेश पारित किया था। इस आदेश के बाद कुकी जो समुदाय के निकायों ने व्यापक आपत्ति जताई। इसके बाद 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन (एटीएसयूएम) ने एक रैली आयोजित की। इस दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग में हिंसा हुई और यह जातीय हिंसा का कारण बन गया। खबरों के अनुसार, जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 180 लोगों की जान जा चुकी है। अदालत ने कहा कि मुकदमे में शामिल पक्षों की दलीलों की प्रकृति को मद्देनजर रखते हुए अपील की अनुमति दी जाती है। हाईकोर्ट के अनुसार, संबंधित रिट अपील और रिट याचिका में उपलब्ध सामग्रियों के आधार पर जांच और निर्णय लेने की जरूरत है। आवेदकों की तरफ से की गई शिकायतों पर विचार किया जाना चाहिए। आवेदकों की तरफ से मांगा गया समय देने में अदालत को कोई ऐतराज नहीं है। आदिवासी निकायों की ओर से पेश वकील कॉलिन गोंसाल्वेस ने अदालत से कहा कि अगर मैतेई समुदाय को गलत तरीके से एसटी का दर्जा दिया गया है, तो इससे रोजगार और शिक्षा में मौजूदा आदिवासी एसटी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यहां एसटी को आरक्षण मिलता है और मैतेई समुदाय प्रमुख है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से उन्नत एसटी आरक्षित सीटों में से अधिकांश पर कब्जा कर लेंगे। प्रतिवादियों की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम हेमचंद्र ने बताया कि मैतेई समुदाय का रिकॉर्ड मैतेई जनजाति के रूप में होने के बावजूद उन्हें भारत के संविधान के तहत एसटी सूची तैयार करते समय शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि मैतेई जनजातियों को पिछले कई वर्षों से संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया लेकिन एसटी सूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू करने पर विचार करने में विफल रहे। विगत 27 मार्च को पारित हाईकोर्ट के आदेश को मणिपुर में जातीय संघर्ष का तात्कालिक कारण माना जाता है। हालांकि, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हिंसा को ड्रग्स और पहाड़ों में पोस्ता की खेती के खिलाफ राज्य सरकार के अभियान से जोड़ा है। उनका दावा है कि मणिपुर में म्यांमार से आने वाले अवैध अप्रवासियों की बड़ी संख्या के कारण भी अशांति का माहौल है। बता दें कि 9 अगस्त को, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी संसद में अवैध अप्रवासी पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार में राजनीतिक अस्थिरता के कारण कई कुकी सुरक्षा के लिए मणिपुर भागने पर मजबूर हुए।

असम में कांग्रेस ...

सकती है क्योंकि राज्य में कई अन्य दल हैं। अजमल ने कहा कि अभी तक हम लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की योजना बना रहे हैं। एक नया विकास मैदान में है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हमें किसी के साथ एडजस्टमेंट करना पड़ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम किसी भी तरह से कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगे। वे चाहें तो भी हम गठबंधन के साथ आगे नहीं बढ़ेंगे। और भी कई पार्टियां हैं। एक विकास जगह है। जल्द ही आपको सूचित करूंगा। यहां तक कि भाजपा से भी कोई गठबंधन नहीं। सब कुछ गुप्त है। इसका मतलब यह निकाला जा सकता है कि ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट आने वाले लोकसभा चुनाव से पहले क्षेत्रिय दलों से संपर्क बनाने की कोशिश कर रहा है। एआईयूडीएफ ने कांग्रेस के साथ मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ा था पर पार्टी को कुछ खास फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से गठबंधन संभव नहीं। सिर्फ कांग्रेस से ही नहीं बल्कि भाजपा से भी गठबंधन असंभव है। पूरे असम में कांग्रेस अब किसी भी पार्टी के लिए कोई कारक नहीं रह गई है। इस बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाएगी अगर उसे एक भी सीट मिल जाए तो बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा कि 24 के चुनाव में एआईयूडीएफ को तीन पक्की सीटें मिलेंगी। इसके अलावा अन्य दो सीटों के लिए एक खास पार्टी से बातचीत चल रही है।

चार साल बाद पाकिस्तान लौटे नवाज शरीफ

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ चार साल बाद लंदन से शनिवार दोपहर को अपने देश लौट आए। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के प्रमुख नवाज शरीफ के स्वागत के लिए इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर पूर्व विधि मंत्री आजम तरार समेत पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। पीएमएल-(एन) के वरिष्ठ नेता इशाक डार के मुताबिक नवाज शरीफ आज ही इस्लामाबाद से लाहौर जाएंगे और शाम 05 बजे मीनार-ए-पाकिस्तान पर पार्टी की एक जनसभा को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करेंगे। इशाक डार के मुताबिक नवाज शरीफ लंदन से दुबई होते हुए इस्लामाबाद पहुंचे हैं। नवाज ऐसे समय में पाकिस्तान लौटे हैं जब देश में आम चुनाव की घोषणा कर दी गई है। पाकिस्तान में अगले साल जनवरी के अंतिम सप्ताह तक चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। फिलहाल पाकिस्तान के प्रशासनिक कामकाज की कमान कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अनवार-उल-हक काकड़ संभाल रहे हैं। पाकिस्तान के लिए उड़ान भरने से पहले दुबई एयरपोर्ट पर नवाज ने पत्रकारों से कहा कि वो अल्लाह पर सब कुछ छोड़कर पाकिस्तान जा रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश के हालात 2017 की तुलना में कहीं अधिक बिगड़ गए हैं। हमारा देश आगे बढ़ने के बजाय पीछे चला गया है।

कुत्ता भौंका तो प्राइवेट पार्ट में घुसा दी रॉड, मालकिन को भी पीटा

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक शख्स ने पड़ोस में रह रही एक महिला के साथ सिर्फ इस बात पर छेड़छाड़ कर दी क्योंकि उसका पालतू डॉग लगातार भौंक रहा था। महिला ने शख्स और उसके पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने कहा कि आरोपी शख्स ने उसे बाल पकड़ कर रोड तक घसीटा और इसके बाद उसके कपड़े फाड़ दिए। वहीं महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी शख्स ने उसके पालतू डॉग के प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला ओडिशा के भुवनेश्वर के कैपिटल पुलिस स्टेशन का है। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी का नाम चंदन नायक है जिसने पालतू डॉग पर तेज नुकीले हथियार से हमला किया। महिला ने इस पूरे घटनाक्रम की पुलिस से शिकायत की है। रिपोर्ट में महिला ने आरोपी शख्स चंदन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं महिला ने आरोपी शख्स की तुरंत गिरफ्तारी की मांग भी की है।

पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदानी पुलिसकर्मियों की दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने *पुलिस स्मृति दिवस* मनाया। इस दौरान बलिदानी पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, असम के मुख्य सचिव पबन कुमार बरठाकुर, पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह समेत अन्य उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने *पुलिस स्मृति दिवस* के महत्व पर प्रकाश डाला और देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने 21 अक्तूबर, 1959 की ऐतिहासिक घटना का जिक्र किया जब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दस बहादुर जवानों ने लद्दाख में चीनी सेना के हमले के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया। उस दिन के बाद से, हर साल 21 अक्तूबर को पूरे देश में *पुलिस स्मृति दिवस* के रूप में मनाया जाता है। *पुलिस स्मृति दिवस* परेड में पुलिस कर्मियों ने औपचारिक बंदूक फायरिंग के माध्यम से इन बलिदानियों को अपना सम्मान दिया।

वंदे भारत एक्सप्रेस : यात्रियों का पसंदीदा विकल्प

गुवाहाटी (हिंस)। देश के युवाओं और कामकाजी वर्ग में गति, आरामदायक और समय बचाने का जुनून है। आकांक्षा को पूरा करने के लिए भारतीय रेल की वंदे भारत ट्रेन सभी आयु वर्ग के यात्रियों के बीच सबसे पसंदीदा यात्रा का विकल्प बन गई है। असम में अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन से पूर्वोत्तर, विशेष रूप से असम के लोग रेल यात्रा करते समय तेज गति और आरामदायक यात्रा का अनुभव कर रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन ने उद्घाटन के बाद से प्रारंभिक स्टेशन के साथ-साथ मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों पर असाधारण ऑक्यूपेंसी दर दर्ज की है। ट्रेन संख्या 22227/22228 (न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी) वंदे भारत एक्सप्रेस, जो न्यू जलपाईगुड़ी को नॉर्थईस्ट का गेटवे - गुवाहाटी से जोड़ती है, ने दोनों दिशाओं के यात्रियों के औसत यात्रा समय को लगभग डेढ़ घंटे तक कम कर दिया है। न्यू कोचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझाड़ और न्यू बंगाईगांव के आसपास के लोगों के विभिन्न वर्गों के अलावा व्यापारियों और व्यवसायियों द्वारा स्वागत की गई यह सेवा अपने शुरूआत से ही बेहतर संरक्षण दर्ज कर रही है। गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी रूट में लोग सड़क मार्ग से यात्रा करने के बजाय वंदे भारत को प्राथमिकता दे रहे हैं। क्योंकि, गुवाहाटी से न्यू जलपाईगुड़ी तक वंदे भारत ट्रेन में केवल साढ़े पांच घंटे लगते हैं, जबकि, सड़क यात्रा में लगभग 10 घंटे लगते हैं। वंदे भारत ट्रेनों के यात्री ट्रेन में परोसे जाने वाले स्वादिष्ट आहार का आनंद ले सकते हैं। न्यू जलपाईगुड़ी - गुवाहाटी वंदे भारत ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से सुबह 06:10 बजे रवाना होती है। यात्रियों, विशेष रूप से गृहिणियों को घर पर भोजन बनाने के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यात्रा शुरू होने के बाद ट्रेन में आहार परोसा जाता है। वंदे भारत आज पूरे भारत में सबसे अधिक मांग वाली ट्रेन है। यह भारतीयों के लिए एक महत्वाकांक्षी ट्रेन है, जो अच्छी ट्रेनों की कमी से जूझ रहे थे। भारतीय रेल की इस नई ट्रेन के साथ अपनी सेल्फी अपलोड करने और वीडियो बनाने के साथ सोशल मीडिया पर विशेष रूप से युवाओं के बीच वंदे भारत के क्रेज को देखा जा सकता है। गुवाहाटी - न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत के बीच यात्रा करने वाले सभी यात्रियों में 25-34 वर्ष की आयु वर्ग के युवा (पुरुष, महिला) औसतन 27.21 फीसदी हैं। इसी तरह, 35-49 वर्ष की आयु वर्ग में, औसतन 33.03 फीसदी यात्री परिवहन के अन्य साधनों की तुलना में वंदे भारत एक्सप्रेस को पसंद करते हैं। यह आयु वर्ग इस वंदे भारत के मार्ग में यात्रा करने वाले सभी आयु वर्ग के यात्रियों में सर्वाधिक है। वरिष्ठ नागरिकों (60 आयु वर्ग) ने भी वंदे भारत एक्सप्रेस के आरामदायक और तेज गति के लिए अपनी पसंद जतायी है। सभी यात्रियों में, औसतन 7.91फीसदी यात्री इस आयु वर्ग के हैं। इस नए युग की ट्रेन ने दोनों राज्यों और विभिन्न पड़ोसी शहरों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाया है। यह ट्रेन उन रेल यात्रियों के लिए एक वरदान साबित हुई है, जो इस मार्ग पर अक्सर यात्रा करते हैं क्योंकि यह यात्रियों के लिए एक सुविधाजनक और समय की बचत करने वाला विकल्प है।

रौता थाना का ओसी गिरफ्तारी के बावजूद फरार

उदालगुड़ी (हिंस)। रौता पुलिस थाना के थाना प्रभारी कबिंद्र राभा एंटी करप्शन ब्रांच द्वारा पकड़े जाने के बाद से फरार हैं। ज्ञात हो कि रौता में एंटी करप्शन ब्रांच के एक अभियान के दौरान थाना प्रभारी राभा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वह किस प्रकार फरार हो गया, यह रहस्य का विषय है। हालांकि, भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने अभी तक इस संबंध में आधिकारिक तौर पर विवरण की घोषणा नहीं की है। इस घटना को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

छठीं वाहिनी एसएसबी ने मनाया पुलिस स्मृति दिवस

कोकराझार (हिंस)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के कार्यवाहक कमांडेंट प्रभाकर कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में वाहिनी मुख्यालय के प्रांगण तथा इसके समस्त सीमा चौकियों में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विनय कुमार मिश्रा, सहायक कमांडेंट के द्वारा गत वर्ष के दौरान राज्य पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बल के 189 शहीदों का नाम पढ़कर सुनाया गया तथा उन्होंने पुलिस स्मृति परेड पर उपस्थित सभी जवानों को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस स्मृति दिवस भारत में हर साल 21 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिन उन पुलिस कर्मियों को याद करने के लिए समर्पित है जो देश की सेवा करते हुए शहीद हुए हैं। पुलिस स्मृति दिवस पर पूरे देश में मनाया जाता है। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय तथा वाहिनी मुख्यालय के समस्त सीमा चौकियों में उपस्थित सभी अधिकारी एवं अधिनस्थ अधिकारी एवं जवानों के द्वारा पुलिस स्मृति दिवस पर विगत एक वर्षों में 189 शहीद राज्य / केंद्रीय पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को राष्ट्रीय शोक सम्मान के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही साथ समस्त सीमा चौकियों में पौध रोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया व सीमावर्ती क्षेत्र के बच्चों को हथियारों की प्रदर्शनी दिखायी गई।

नवरात्रा का सातवां दिन : पद्मावती माता मंदिर में सामूहिक गोद भराई कार्यक्रम

गुवाहाटी। मालीगांव स्थित श्री पद्मावती माता मंदिर में नवरात्री पूजन का आयोजन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया जा रहा है। आज माता की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह काला व सिर के बाल बिखरे हुए होते हैं। माता के गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला व तीन नेत्र होते है। यह तीनों नेत्र ब्रह्मांड के सदृश गोल होते है। इस अवसर पर आज (शनिवार) को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय (मालीगावं) मे पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री के सानिध्य में जिनेंद्र भगवान की पूजन के पश्चात माता का विधान कराने का सौभाग्य पवन कुमार- ममता देवी कासलीवाल परिवार (खतखती) को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात माता का अभिषेक शांतिधारा, जाप, माता का सिंगार आदि के पश्चात माता की सामूहिक गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय महिला गायक कलाकार सुमन कासलीवाल, शशी भुज, समता जैन आदि ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओ को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर चैनरूप बगड़ा, शारदा बगड़ा, आकाश बगड़ा, सोनाक्षी बगड़ा, रेखा जैन, नीलम सबलावत, कनक जैन, सरिता जैन, सुनील कुमार सेठी, देवेंद्र बाकलीवाल, भरत बड़जात्या, विनीत- बिनु जैन, सुनील पहाड़िया, रिभा जैन, कविता जैन (नलबाड़ी), ममता जैन (डिमापुर), सुरेंद्र- सुनीता सेठी आदि लोगों के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। जिसमे बड़ी संख्या मे श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्याजन किया। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख चैनरूप आकाश कुमार बगड़ा द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई है।

होजाई की दुर्गा पूजा समितियों को निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन प्रदान करेगा शरद सम्मान

होजाई (निसं)। होजाई पौर सभा के अंतर्गत सभी दुर्गा पूजा समितियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य के साथ निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, होजाई शाखा - मूर्ति, पंडाल और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने वाली 9 समितियों को पुरस्कार प्रदान करेगी। शाखा सचिव डॉ. पीयूष नंदी ने इस संवाददाता को बताया कि उपरोक्त विषय की सर्वोत्तम गुणवत्ता का मूल्यांकन और मूल्यांकन करने के लिए 5 जूरी सदस्यों की एक समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा सदस्य निष्कर्षों को रिकॉर्ड करने के लिए प्रत्येक पूजा पंडाल का दौरा करेंगे। डॉ. नंदी ने यह भी बताया कि शरद सम्मान पुरस्कार औपचारिक रूप से 29 अक्तूबर को बंगाली बारोबाड़ी दुर्गाबाड़ी, होजाई में आयोजित होने वाले विजिया सम्मेलन कार्यक्रम में प्रदान किए जाएंगे।

महाअष्टमी के दिन होजाई व लमडिंग में मां दुर्गा का आशीर्वाद लेंगे मुख्यमंत्री

होजाई (निसं)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा महाअष्टमी के दिन होजाई व लमडिंग में मां दुर्गा का आशीर्वाद लेंगे। होजाई जिला तथ्य एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री का रविवार यानी 22 अक्तूबर को 11 बजे लमडिंग की मिस्ट्रिपल्ली पूजा मंडप, जनकल्याण पूजा मंडप और लमडिंग के कालीबाड़ी पूजा मंडप के दर्शन कर मां का आशीर्वाद लेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री होजाई के कालीबाड़ी पूजा मंडप, दुर्गा बाड़ी पूजा मंडप व रामकृष्ण सेवा आश्रम के पूजा मंडप में मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लेंगे।

मुख्यमंत्री हिमंत ने सिलरचर पहुंच कर काचकंती मां का लिया आशीर्वाद

सिलचर। मुख्यमंत्री डॉ. हिंमत विश्व शर्मा ने काचकंती मां का दर्शन किया तथा विधिविधान से पूजन करके आशीर्वाद लिया। काचाकांदी मंदिर प्रबंधन एवं पूजा समिति ने शंख ध्वनि के साथ स्वागत किया। पूरा उधारबंद क्षेत्र कड़ी सुरक्षा के साथ सजाया गया। सबसे पहले वह मां काचाकांदी के मंदिर उधारबंद पहुंचे और मां की पूजा की. फिर मां दुर्गा के मंडप में जाकर माथा टेका। फिर उन्होंने सभी से अभिवादन का आदान-प्रदान किया। बड़ी संख्या में लोगों ने मुख्यमंत्री के साथ बातचीत की। मुख्यमंत्री के साथ उधारबंद के विधायक मिहिर कांति सोम, लखीपुर के विधायक कौशिक राय, सिलचर के विधायक दीपायन चक्रवर्ती, पाथरकांदी के विधायक कृष्णेंदु पाल, रातबारी के विधायक विजय मालाकार सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि असम के मुख्यमंत्री जब असम के वरिष्ठ मंत्री थे तब से दुर्गा पूजा में शिलचर आकर पदयात्रा भी करते रहे हैं।

विश्वनाथ में शारदीय दुर्गोत्सव की धूम

देवियों के अद्भुत स्वरूपों से सजा दरबार

विश्वनाथ (विभास)। शारदीय दुर्गोत्सव के आनंद में राज्यवासी के साथ विश्वनाथ चारिआलि भी पीछे नहीं हैं । इस बार विश्वनाथ विधानसभा क्षेत्र में 90 पूजा समितियां दुर्गा पूजा मनाया जा रहा है। विश्वनाथ विधानसभा के समितियों द्वारा आकर्षण साज - सज्जा के साथ का पंडालों को सजाया गया, जो आकर्षण का केंद्र बिंदु बना है। देवी के पूजा मंडल में विराजमान होते ही पुजारी ने मां का आह्वान करते हुए विधि विधान से कलश स्थापना की गई है। लोग पंडालों व देवालयों में पहुंचकर मां भगवती के समक्ष अपनी मनोकामना की आराधना करते हैं, पंडालों में विराजमान माताराणी मूर्तियां के दर्शन से आनंदमय वातावरण बना हुआ है। इस समय पूरा क्षेत्र भक्तिमय डूब गया है। आज महासप्तमी में विश्वनाथ चारिआलि शहर के सार्वजनिक धर्मशाला प्रागंण में उदीयमान सार्वजनिक श्री श्री दुर्गोत्सव पूजा समिति के पूजा पंडाल में अपराह्न 3 बजे रौनियार एकता महिला समिति विश्वनाथ संगठन, विश्वनाथ चारिआलि जिला समिति के सौजन्य में महिला श्रद्धालुओं द्वारा माताराणी के भजन कीर्तन किया गया। समिति के कार्यकारिणी सदस्या ऊषा रौनियार के संचालन में समधुर मां की गीत प्रस्तुति दी। इसके बाद माताराणी को विविध ऋतु फल व प्रसाद से भोग अर्पित किया। इस मौके पर महिला समिति के अध्यक्षा सुनैना रौनियार, उपाध्यक्ष ऊषा रौनियार, सचिव सुनीता रौनियार, सह सचिव क्रमशः ममता रौनियार, बीना रौनियार, कोषाध्यक्ष क्रमशः रानी रौनियार व पुनम रौनियार, कार्यकारिणी सदस्य सरस्वती रौनियार, मुन्नी रौनियार, ऊषा रौनियार, प्रमीला रौनियार, मीरा रौनियार, पुनम रौनियार, मंजु रौनियार, विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा और असंख्य महिला श्रद्धालु मौजूद थे। साथ ही विश्वनाथ के सबसे पुराने पूजा आउट एजेंसी पूजा मंडप केदारनाथ मंदिर प्रतिछवि सज उठा है। जिसके दर्शन के लिए दूर-दूर से जनमानस आ रहे हैं।

रोटरी स्मार्ट सिटी की ओर से शरद स्वीकृति-दुर्गा पूजा अवार्ड 2023 का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। दुर्गा पूजा के उत्साह में अतिरिक्त परत जोड़ते हुए इस महत्वपूर्ण अवसर पर विभिन्न पूजा समितियों के लिए रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी की ओर से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्लब की ओर से इस वर्ष शरद स्वीकृति - दुर्गा पूजा अवार्ड 2023 का आयोजन गिया गया है। परियोजना अध्यक्ष डॉ. मंटू पॉल ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी की ओर से आयोजित शरद स्वीकृति - दुर्गा पूजा अवार्ड 2023 को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। गुवाहाटी में आयोजित विभिन्न पंडालों का अवलोकन करने के पश्चात निर्णायक मंडली द्वारा सर्वश्रेष्ठ मूर्ति, सर्वश्रेष्ठ प्रकाश व्यवस्था और सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण-अनुकूल पंडाल को ये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन गुवाहाटी की दुर्गा पूजा समितियों के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन होंगे और हम इसे साल-दर-साल जारी रखने की योजना बना रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक मानस मजूमदार ने बताया कि पुरस्कारों की घोषणा 23 अक्तूबर को दुर्गा नवमी पूजा के दिन क्लब के सोशल मीडिया हैंडल पर की जाएगी। वहीं 29 अक्तूबर को एक कार्यक्रम के दौरान विजेता पूजा समितियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में क्लब के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

डांडिया व गरबा नृत्य का जमकर आनंद उठा रहे महानगरवासी

सोनाराम फील्ड में रोटरी स्मार्ट सिटी के गरबा उत्सव

गुवाहाटी (विभास)। गैर सरकारी संगठन रोटरी क्लब का गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में सोनाराम फील्ड में चल रहे गरबा उत्सव में डांडिया व गरबा नित्य का महानगरवासी जमकर आनंद उठा रहे हैं। परियोजना के अध्यक्ष बिनय डिडवानिया ने कहा कि नवरात्रि के मौके पर महानगर वासियों को पारंपरिक गरबा व डांडिया नृत्य पर थिरकाने के लिए बॉलीवुड के कई सितारे व गायक अपने जलवे रोजाना बिखेर रहे है। केवल यही नहीं स्थानीय कला संस्कृति को ध्यान में रखते हुए असमिया पारंपरिक गीतों का भी जमकर आनंद ले रहे हैं। इस मौके पर जानी-मानी असमिया व बोडो अभिनेत्री तथा मॉडल रीना बसुमतारी ने अपने अभिनय वाले वीडियो एल्बम को गरबा उत्सव में औपचारिक रूप से जारी किया। कार्यक्रम में प्रख्यात अभिनेत्री व मॉडल पिंकी बोरा ने भी उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रोजेक्ट संयोजक रवि अग्रवाल ने कहा कि कई प्रसिद्ध बॉलीवुड कलाकार, लोकप्रिय बैंड और पार्श्व गायिका इस नवरात्रि के दौरान सोनाराम फील्ड में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज बॉलीवुड अभिनेत्री देबिना बोनर्जी व शुभआरम बैंड ने दर्शकों का मन जीत लिया। इन कलाकारों ने उपस्थित दर्शकों के साथ जमकर डांडिया व गरबा नृत्य भी किया। वहीं रविवार को एक्टर गुरुमीत चौधरी के अलावा कोई अन्य कलाकार उपस्थित रहेंगे। छह दिवसीय इस नवरात्र डांडिया रास का समापन 24 अक्तूबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा संगठन, रोटरेक्ट क्लब ऑफ रोंगली गुवाहाटी व औरा एंटरटेनमेंट सहित पुलिस प्रशासन व मीडिया का भरपूर सहयोग मिल रहा है। रोटरी क्लब का यह कार्यक्रम एक अर्थ संग्रह आयोजन है। इस आयोजन से आय होने वाली संपूर्ण राशि को क्लब पूरे वर्ष पर विभिन्न विभिन्न सामाजिक गतिविधियों, मानव कल्याण एवं शिक्षा के क्षेत्र में व्यय करती हैं। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष शिवरतन सोनी ने गुवाहाटीवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

शारदीय नवरात्र पर नलबाड़ी राधा कृष्ण मंदिर में मना डांडिया उत्सव

नलबाड़ी। नलबाड़ी युवा महिला मंडल के तत्वावधान में स्थानीय श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर डांडिया नृत्य उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मां दुर्गा सहित मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों के श्रृंगार के साथ विशेष रूप से सजाया गया। माता राणी दुर्गा के सम्मुख मारवाड़ी सनातन समाज की मातृशक्ति एवं बच्चे बच्चियों द्वारा रात्रि 7 बजे से आयोजित डांडिया नृत्य का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिखा शर्मा एवं निशा शर्मा ने किया। इसके अलावा डांडिया नृत्य में श्रीमती रश्मी जालान, अनिता शर्मा, निशा अग्रवाल, सुनीता शर्मा, अंजु शर्मा, संचिता अग्रवाल, सुशीला शर्मा, नैनसी थर्ड, सारिका चौधरी, मामटी अग्रवाल महिलाओं सहित अनेक बच्चे बच्चियों ने डांडिया नृत्य में भाग लिया। डांडिया नृत्य कार्यक्रम में आयोजित बेस्ट पोशाक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शिखा शर्मा, द्वितीय पुरस्कार नैनसी थर्ड एवं तृतीय पुरस्कार मामटी अग्रवाल को मिला। निर्णायक जज की भूमिका रश्मी जालान ने निभाई। कार्यक्रम के अन्त में शिखा शर्मा द्वारा महिषासुर मर्दिनी *अयगिरि नन्दिनी* स्तोत्र पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विशेषकर मातृशक्ति व बच्चों की अच्छी उपस्थिति रही।

रक्षा मंत्री ने किया देश के पहले 'भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव' का उद्घाटन

- राजनाथ सिंह ने सैन्य क्षेत्र में प्राचीन रणनीतिक कौशल दिखाने के लिए लॉन्च किया प्रोजेक्ट उद्भव
- महोत्सव में सैन्य बैंड प्रदर्शन के माध्यम से किया जायेगा देश की सैन्य संस्कृति का भव्य प्रदर्शन

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में पहले भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने सैन्य क्षेत्र में प्राचीन रणनीतिक कौशल के माध्यम से स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट उद्भव लॉन्च किया। इस मौके पर लगाई गई सैन्य प्रदर्शनी का भी रक्षा मंत्री ने निरीक्षण किया। राजनाथ सिंह का कहना है कि यह दो दिवसीय कार्यक्रम देश के युवाओं को प्रेरित करेगा। रक्षा मंत्री ने पहले सैन्य विरासत महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद कहा कि इस दो दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य बातचीत, कला, नृत्य के माध्यम से सदियों से विकसित भारत की समृद्ध सैन्य संस्कृति और विरासत का जश्न मनाना है। कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने देश के प्राचीन रणनीतिक कौशल की खोज और समकालीन सैन्य क्षेत्र में एकीकरण के माध्यम से स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना और यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सहयोग से प्रोजेक्ट उद्भव भी लॉन्च किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में देश की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बलों की बेजोड़ बहादुरी और भूमिका रही है, जिसका इस 'भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव' में प्रदर्शन देश के युवाओं को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि इससे वे भारतीय सेना और उनके वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्साहित होंगे। इस मौके पर थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के अध्यक्ष, चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीआईएससी) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू और नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह मौजूद थे।

क्या है सैन्य विरासत महोत्सव - सदियों पुराने गौरवशाली सैन्य इतिहास और रणनीतिक संस्कृति के बावजूद लोग इसके विभिन्न पहलुओं से काफी हद तक अनजान हैं। यह महोत्सव 21वीं सदी में सैन्य इतिहास और विरासत के साथ सार्वजनिक जुड़ाव स्थापित करना चाहता है। इसका उद्देश्य भारतीय सैन्य संस्कृति, परंपराओं और इतिहास के अध्ययन को बढ़ावा देने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करना है। महोत्सव में सैन्य बैंड प्रदर्शन के माध्यम से सैन्य संस्कृति का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें आर्मी सिम्फनी बैंड की प्रस्तुति, ब्रास बैंड प्रदर्शन और एक सांस्कृतिक पर्व शाम शामिल है। देश के लंबे और शानदार सैन्य इतिहास का जश्न मनाने के लिए संस्कृति मंत्रालय के भारतीय विरासत संस्थान के सहयोग से एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

क्या है प्रोजेक्ट उद्भव - प्रोजेक्ट उद्भव स्वदेशी रणनीतिक विकास के केंद्र के रूप में उभरने के लिए तैयार है। यह पहल एक रणनीतिक शब्दावली और वैचारिक ढांचे को बुनने के लिए डिजाइन की गई है, जो भारत की दार्शनिक और सांस्कृतिक विरासत में गहराई से अंतर्निहित है। यह प्रोजेक्टमजबूत, प्रगतिशील और भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना को एक मंच उपलब्ध कराता है, जो न केवल देश की ऐतिहासिक सैन्य दूरदर्शिता से मेल खाती है, बल्कि समकालीन युद्ध और कूटनीति का भी समर्थन करता है। यह परियोजना भारत के रणनीतिक विचार, सैन्य इतिहास के समृद्ध, विविध और खोए हुए खजानों की खोज करने के लिए गहन अनुसंधान, चर्चा, अध्ययन की एक श्रृंखला का संकेत देती है।

दिल्ली में शहीद पुलिस कर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भारत में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। दिल्ली के न्यू पुलिस लाइन में भी श्रद्धांजलि परेड का आयोजन किया गया। यह दिन उन बहादुर पुलिसकर्मियों को याद करने और सम्मान देने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने देश के प्रति कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही पुलिस दिल्लीवासियों के लिए लगातार अपनी सेवाएं दें रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस वर्ष दिल्ली के सात जवान सहित देश के अलग अलग राज्य और अलग-अलग फोर्स के कुल 188 जवान शहीद हुए हैं। उन सभी को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि परेड में दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा और कई पूर्व आईपीएस अधिकारी पहुंचे। सभी ने शहीद स्मारक पर फूल चढ़ाए और शहीदों को याद करते हुए उनके सम्मान में दिल्ली पुलिस का झंडा भी झुका दिया। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने कहा कि जिस तरह से दिल्ली पुलिस लगातार लोगों की सेवा कर रही है वो बेहद सराहनीय है।

इस दिन का इतिहास - उल्लेखनीय है कि, आज के ही दिन 21 अक्तूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में पुलिस बल की एक टुकड़ी मातृभूमि की रक्षा के लिए तैनात थी, वहीं एक पहाड़ी पर छिपे चीनी सैनिकों के बड़े दस्ते ने उन पर अचानक आक्रमण कर दिया। देश के शत्रुओं का सामना करते हुए भारतीय पुलिस के 10 जवान उस मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए। तब से हर साल इन शहीदों एवं ड्यूटी के दैरान मारे गए अन्य सभी पुलिसकर्मियों की स्मृति में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस के मुखिया सहित तमाम पुलिसकर्मी ने भी जवानों की शहादत को याद किया।

भारत में थीं महुआ मोइत्रा और दुबई में लॉगिन हुई पार्लियामेंट्री आईडी, तृणमूल सांसद के खिलाफ एक और गंभीर आरोप

कोलकाता, (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके खिलाफ अदानी समूह के प्रतिद्वंद्वी कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से करोड़ों रुपये घूस लेकर संसद में सवाल पूछने के गंभीर आरोपों की जांच तो पहले से ही चल रही है। अब पता चला है कि उन्होंने अपनी पार्लियामेंट्री आईडी (नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर-एनआईसी पर बनाई जाती है) भी दूसरों से शेयर की। यहां तक कि जब महुआ मोइत्रा भारत में थीं, तब उनकी पार्लियामेंट्री आईडी दुबई में लॉगिन की गई थी। उल्लेखनीय है कि इस आईडी की वेबसाइट का संबंध पूरे देश की संसदीय व्यवस्था से है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर देश के सभी मंत्रियों और सांसदों की महत्वपूर्ण खुफिया जानकारियां अपलोड की जाती हैं। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस संबंध में एक बार फिर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। उन्होंने दावा किया कि नेशनल इंफोर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) ने इसकी जानकारी जांच एजेंसियों को दे दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निशिकांत दुबे ने लिखा, 'एक सांसद ने चंद पैसों के लिए देश की सुरक्षा को दांव पर लगा दिया। जब सांसद की आईडी को दुबई में खोला गया तो उस वक्त सांसद भारत में ही थीं। इस एनआईसी पर पूरी भारत सरकार है, देश के प्रधानमंत्री, वित्त विभाग, केंद्रीय एजेंसी हैं। क्या अब भी टीएमसी (तृणमूल) और विपक्षियों को राजनीति करनी है। जनता इसका फैसला करेगी। एनआईसी ने इसकी जानकारी जांच एजेंसी को दे दी है।'

हीरानंदानी ने स्वीकार किया है आरोप - वहीं, मामले के सामने आने के बाद एथिक्स कमेटी को दिए गए हलफनामे में हीरानंदानी ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्होंने मोइत्रा की पार्लियामेंट्री लॉगिन आईडी का इस्तेमाल किया है। इसके जरिए उन्होंने अदानी ग्रुप को लेकर सवाल भी अपलोड किया। उन्होंने मामले में सरकारी गवाह बनने की भी इच्छा जताई है, जिसकी वजह से महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

सांसद निशिकांत दुबे ने दर्ज कराई है शिकायत - उल्लेखनीय है कि निशिकांत दुबे पहले ही महुआ मोइत्रा पर आरोप लगा चुके हैं कि वह लोकसभा में बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी की ओर से सवाल पूछने के लिए उनसे पैसे लेती हैं। उनका कहना है कि महुआ जानबूझकर पैसे के बदले अदानी ग्रुप के खिलाफ संसद में सवाल पूछती हैं और उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को जोड़ती रही हैं। लोकसभा की एथिक्स कमेटी भाजपा सांसद की शिकायत को देख रही है। कमेटी ने निशिकांत दुबे को मौखिक तौर पर अपना बयान रिकॉर्ड करने के लिए आगामी 26 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा है। निशिकांत दुबे ने इस बाबत शिकायत दर्ज करा कर महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म करने की मांग की है।

तृणमूल की चुप्पी - खास बात यह है कि महुआ मोइत्रा की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले पर चुप्पी साध रखी है और अभी तक कोई भी रुख स्पष्ट नहीं किया है।

मुख्यमंत्री बोले, अकाल मृत्यु पुलिस आश्रित परिवारों को एक लाख रुपये का आर्थिक सहयोग दिया जाएगा

देहरादून, (हि.स.)। पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सेवा के दौरान पुलिस कर्मियों की अकाल मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को तत्काल 01 लाख रुपये आर्थिक सहयोग दिये जाने के लिए पुलिस बलिदान कल्याण कोष के लिए 02 करोड़ रुपये की धनराशि दी जायेगी। शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस लाइन, देहरादून में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुलिस एवं अर्द्ध सैन्य बलों के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उत्तराखंड के बलिदानी पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर चार घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि सेवा के दौरान पुलिस कर्मियों की अकाल मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को तत्काल 01 लाख रुपये आर्थिक सहयोग दिये जाने के लिए पुलिस शहीद कल्याण कोष के लिए 02 करोड़ रुपये की धनराशि दी जायेगी। अराजपत्रित पुलिस कर्मचारियों का निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण कराया जायेगा। अगले तीन वर्षों में पुलिस कर्मियों के आवास के लिए 100 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया जायेगा। पुलिस विभाग में मृतक आश्रितों की भर्ती संबंधी अड़चनों को दूर किया जायेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने का उत्तरदायित्व राज्यों की पुलिस बल व अर्द्धसैनिक बलों का है। अपने इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए पुलिस कर्मी अपने जीवन की आहुति को भी तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था किसी भी राज्य की सुरक्षा एवं समृद्धि का एक आवश्यक अंग है। हमारे राज्य की पुलिस भी सेवा की भावना के अनुरूप कार्य करते हुए शान्ति एवं कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए अनेकों चुनौतियों नशा, साइबर क्राइम, महिला अपराध, यातायात व्यवस्था, चारधाम यात्रा, आपदा, भूस्खलन, कांवड़ यात्रा आदि का प्रबंधन करती है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पुलिस ने इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा में आये करीब 4 करोड़ से अधिक एवं चारधाम यात्रा में अब तक पहुंचे लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा एवं दर्शन कराते हुए गन्तव्य तक सुरक्षित पहुंचाने में सराहनीय योगदान दिया है। जी-20 सम्मेलन, की राज्य में हुई तीन बैठकों में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था को उत्तराखंड पुलिस द्वारा सुनिश्चित कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 तक उत्तराखंड को नशा मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सरकार ने उत्तराखंड पुलिस के अन्तर्गत एक त्रिस्तरीय एण्टी नारकोटिक फोर्स का गठन किया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2021 से अब तक 04 हजार से ज्यादा नशे के सौदागरों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 40 करोड़ रुपये के नारकोटिक पदार्थ बरामद किए गए हैं। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजान दास, विनोद चमोली, मुन्ना सिंह चौहान, सविता कपूर, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भारत का गगनयान अभियान, इसरो ने अबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) लॉन्च किया

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज पूर्वाह्न करीब 10 बजे अपने एकल-चरण तरल रॉकेट के प्रक्षेपण के जरिये पहले क्रू मॉड्यूल परीक्षण के साथ महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान की यात्रा शुरू की। यह परीक्षण अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। इसरो का लक्ष्य तीन दिवसीय गगनयान अभियान के लिए मनुष्यों को 400 किलोमीटर की पृथ्वी की निचली कक्षा से अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। इसरो के स्पेसपोर्ट के पहले लॉन्च पैड से अबॉर्ट-1 (टीवी-डी1) को लॉन्च किया गया। इसकी सफलता मानवरहित अंतरिक्ष अभियानों के लिए वैश्विक मंच तैयार करेगी। इसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहला गगनयान कार्यक्रम शुरू होगा। इसके 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। इसमें क्रू इंटरफेस, जीवन रक्षक प्रणाली, वैमानिकी और गति में कमी से जुड़ी प्रणाली (डिसेलेरेशन सिस्टम) मौजूद हैं। नीचे आने से लेकर उतरने तक के दौरान चालकदल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे पुनः प्रवेश के लिए भी डिजाइन किया गया है।

30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे नवी मुंबई मेट्रो का उद्घाटन

- नमो महिला सशक्तिकरण अभियान भी उसी दिन करेंगे शुरू

मुंबई, (ईएमएस)। नवी मुंबई मेट्रो का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महीने में नवी मुंबई की तीसरी संभावित यात्रा आयोजित की जा रही है। पहले नवी मुंबई मेट्रो के उद्घाटन के लिए 13 और 14 अक्टूबर और फिर 17 अक्टूबर की तारीख तय की गई थी. लेकिन, प्रधानमंत्री की व्यस्तता के कारण यह योग आज तक नहीं बन पाया है। इसलिए 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के नवी मुंबई के संभावित दौरे की योजना बनाई जा रही है. जिसके तहत नवी मुंबई में राज्य सरकार के साथ-साथ विभिन्न सरकारी अधिकारी प्रधान मंत्री की संभावित यात्रा की तैयारी में शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि नवी मुंबई मेट्रो के उद्घाटन के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा उसी दिन नमो महिला सशक्तिकरण अभियान भी नवी मुंबई से शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की जगह पर आयोजित नमो महिला सशक्तिकरण अभियान के शुभारंभ पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करेंगे. इस महिला सम्मेलन में राज्य भर से विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों की एक लाख से अधिक महिलाएं शामिल हों, इसके लिए सरकारी एजेंसियां दिन-रात काम कर रही हैं। नमो महिला सशक्तिकरण अभियान के शुभारंभ और नवी मुंबई मेट्रो के उद्घाटन की तैयारी के लिए शनिवार को खारघर के गोल्फ कोर्स में सभी सरकारी अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई थी। नवी मुंबई मेट्रो के उद्घाटन की तैयारी की जिम्मेदारी पूरी तरह से सिडको प्रबंधन पर होगी। रायगढ़ जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में, महिला आर्थिक विकास निगम और महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जैसे सरकारी प्राधिकरण नमो महिला सशक्तिकरण अभियान के शुभारंभ की तैयारी करेंगे।

पिंकी ईरानी को दिल्ली हाईकोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुकेश चंद्रशेखर वसूली मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने पिंकी ईरानी को जमानत दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार 200 करोड़ रुपये से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल जबरन वसूली मामले में शुक्रवार को यह जमानत दी है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पिछले साल 30 नवंबर को पिंकी ईरानी को गिरफ्तार किया था, तब से वह हिरासत में थीं। हाईकोर्ट ने जमानत देते समय विभिन्न फेक्टरों पर विचार किया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि पिंकी ईरानी के आपराधिक इतिहास के बारे में रिकॉर्ड पर कुछ भी नहीं है। वह 52 वर्षीय महिला है और करीब एक साल से हिरासत में है। अदालत ने यह भी कहा कि मुकदमे के दौरान आरोपों का परीक्षण करने की जरूरत होगी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं या नहीं। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि पिंकी ईरानी किसी भी परिस्थिति में संबंधित अदालत की पूर्व अनुमति के बिना भारत नहीं छोड़ेंगी। हाईकोर्ट ने 5 लाख रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के दो जमानती पर जमानत देते हुए आदेश दिया कि पिंकी ईरानी मामले से परिचित किसी भी व्यक्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई प्रलोभन, धमकी देने की कोशिश नहीं करेंगी। ईओडब्ल्यू ने आरोप लगाया था कि पिंकी ईरानी ने चंद्रशेखर को बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस से मिलवाया और उगाही की गई 200 करोड़ रुपये की रकम को ठिकाने लगाने में भूमिका निभाई। ईरानी पर चंद्रशेखर को एक बिजनेस टाइकून के रूप में पेश करने और कुछ बॉलीवुड हस्तियों के साथ उनकी बैठकें कराने का आरोप लगाया।

अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथियां बदलीं, अब 7 से 10 दिसंबर तक होगा आयोजित

गोरखपुर, (हि.स.)। दिल्ली में होने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथियों में बदलाव कर दिया गया है। अब यह अधिवेशन 07 से 10 दिसंबर तक आयोजित होगा। पहले इस राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन 30 नवंबर से 03 दिसंबर के बीच प्रस्तावित था। इस अधिवेशन में देश के कोने-कोने से युवाओं की सहभागिता होती है और शिक्षा, समसामयिक, सामाजिक, राष्ट्रीय परिदृश्य एवं पर्यावरण आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा होती है। अभाविप गोरक्ष प्रांत के मीडिया संयोजक अनुराग मिश्र ने राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल के हवाले से बताया कि परिषद के 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथियों में परिवर्तन किया गया है। राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में ही होगा, लेकिन अब यह अयोजन 30 नवंबर से 03 दिसंबर की बजाय 07 दिसंबर से 10 दिसंबर 2023 के मध्य होगा। मिश्र में बताया कि अयोजन कि तिथियों में बदलाव के पीछे कई राज्यों में होने वाला चुनाव है। देश के पांच चुनावी राज्यों में अभाविप कार्यकर्ता भी मतदाता हैं और इन्हें लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करना है। इन्हें अपना मताधिकार प्रयोग सुनिश्चित करना है। यही वजह है कि अभाविप नेतृत्व ने इस पर विचार किया और राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथियों में परिवर्तन किया।

बंगाल पहुंचे जेपी नड्डा ने दुर्गापूजा पंडाल में की पूजा-अर्चना

कोलकाता, (हि.स.)। देवी दुर्गा की भव्य आराधना में डूबे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शनिवार को पहुंचे। कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरे नड्डा का पारंपरिक ढाक की थाप पर स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से वे हावड़ा के एक पूजा पंडाल में पहुंचे। उन्होंने पार्टी नेताओं सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल के पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की आरती की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग दुनिया को एक दृष्टिकोण देने में सबसे आगे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस भूमि में अच्छी शक्तियों को और अधिक ताकत मिले ताकि समाज का मंगल हो, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सफल कर सके। यहां से वे न्यू मार्केट सर्वजनिन और शोभा बाजार दुर्गा पूजा मंडप में भी पहुंचे। प्रदेश भाजपा की ओर से बताया गया है कि जनसंपर्क के तहत पार्टी अध्यक्ष अभी सूबे में कई अन्य दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा करने वाले हैं।

ड्रग तस्कर ललित पाटिल को मेफेड्रोन बनाने का फॉमूर्ला देने वाले शख्स से पुणे में पूछताछ

मुंबई, (हि.स.)। ड्रग तस्कर ललित पाटिल को मेफेड्रोन ड्रग बनाने का फामूर्ला देने वाले शख्स से पुलिस पुणे में पूछताछ कर रही है। पुलिस नासिक जिले के कई ज्वेलर्स से भी ड्रग मामले में पूछताछ करने वाली है। पुलिस के मुताबिक अब तक छानबीन में पता चला है कि ललित पाटिल को ड्रग मामले में दिसंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। उसे पुणे की येरवडा जेल में रखा गया था। उस समय ड्रग मामले में ही केमिकल इंजीनियर अरविंद कुमार प्रकाशचंद्र लोहारे भी येरवडा जेल में सजा भुगत रहा था। येरवडा जेल में ही ललित पाटिल की अरविंद लोहारे से दोस्ती हो गई और लोहारे ने ललित पाटिल को मेफेड्रोन ड्रग बनाने का फामूर्ला दिया था। फामूर्ला मिलने के बाद ललित पाटिल ने अपने भाई भूषण पाटिल के साथ नासिक में मेफेड्रोन ड्रग बनाने की कंपनी खोला था। जेल में रहते हुए ललित पाटिल ड्रग नेटवर्क का संचालन कर रहा था। यहां तक ड्रग के पैसे से ससून अस्पताल और पुलिस को मैनेज कर ललित पाटिल पिछले 9 महीने से पुणे के ससून अस्पताल में था। इसके बाद दो अक्टूबर को ललित पाटिल ड्रग के पैसे से ही डॉक्टरों और पुलिस को मैनेज कर फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने ललित पाटिल को चेन्नई के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने ललित पाटिल के नासिक स्थित मेफेड्रोन ड्रग की कंपनी पर छापा मार कर 150 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग बरामद किया था। अब तक की जांच में पता चला है कि ड्रग के पैसे ही भूषण पाटिल ने नासिक ज्वेलर्स से आठ किलो सोना खरीदा था। पुलिस इसमें से तीन किलो सोना जब्त करने में कामयाब रही है। पुलिस तलाश कर रही है कि बाकी सोना कहां छिपा रखा है। इसी वजह से पुलिसिया जांच के घेरे में नासिक के कई अन्य ज्वेलर्स के नाम आ गए हैं।

शिमला शहर में कम होगा भीड़ का बोझ, जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट के पास बसेगा 'माउंटेन सिटी'

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला शहर के बगल में जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट के पास 'माउंटेन सिटी बसाएगी। इस पर 1373 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए भू-अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित हिमाचल प्रदेश आवास एवं शहरी विकास प्राधिकरण (हिमुडा) के निदेशक मंडल की बैठक में हिमुडा को शिमला में भीड़भाड़ को कम करने के दृष्टिगत शिमला के निकट जुब्बड़हट्टी हवाई अड्डे के पास नये शहर माउंटेन सिटी की स्थापना के लिए भूमि अधिगृहित करने को मंजूरी प्रदान की गई। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 1373 करोड़ रुपए है। परियोजना से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और उन्नत भूकंप रोधी तकनीक का उपयोग करते हुए सुदृढ़ बुनियादी ढांचे के साथ एक अत्याधुनिक शहर का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनता में अपनी उपस्थिति और सेवा बढ़ाने के दृष्टिगत हिमुडा को नवीनतम निर्माण तकनीकों को अपनाने और सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का लाभ उठाने के लिए कहा। उन्होंने रिकॉर्ड-कीपिंग को सुव्यवस्थित करने और भौतिक दस्तावेजीकरण पर निर्भरता कम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मैनेजमेंट बुक्स (ई-एमबी) को अपनाने के निर्देश दिये। सरकार के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से निविदा प्रक्रिया में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने हिमुडा को सतत एवं समावेशी शहरी विकास की दृष्टि से आगे बढ़ने के निर्देश दिए। उन्होंने फ्लैट के आकार में सुधार करने और इसे उपयोगकर्ता के और अधिक अनुकूल बनाने को कहा। मुख्यमंत्री ने हिमुडा की सभी परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हिमुडा को प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से कार्य कर अपनी परियोजनाओं में नवीन पहल करनी चाहिए। उन्होंने हिमुडा के अधिकारियों को कर्मचारियों के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित करने तथा क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जो भविष्य में राज्य में आवास और शहरी विकास को आकार प्रदान करेंगे। हिमुडा ने राज्य के आवंटनकताओं के प्रति उदार रवैया अपनाया है जिन्हें बकाया भुगतान के संबंध में विवादों का सामना करना पड़ रहा है। निदेशक मंडल ने एकमुश्त निपटान (ओटीएस) नीति को मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत लोगों को लंबित भुगतान बकाया को काफी कम दर पर निपटाने का अवसर प्राप्त होगा। इससे न केवल जनता का वित्तीय बोझ कम होगा, अपितु हिमुडा को समुचित संसाधन भी उपलब्ध होंगे, जिन्हें जनता की भलाई के लिए भविष्य की गतिविधियों में पुनर्निवेशित किया जाएगा। निदेशक मंडल ने हिमुडा को एकमुश्त निपटान नीति (वन टाईम सेटलमेंट पॉलिसी) के तहत भवनों की एटीक को भी नियमित करने का प्रावधान करने के निर्देश दिए। बोर्ड ने निर्देश दिए कि एटीक को लेकर प्रदेश सरकार ने जो निर्णय लिया है उसके अनुरूप हिमुडा भी अपनी नीति बनाए।

कर्मचारियों ने चेताया, पुरानी पेंशन बहाल नहीं हुई तो 2024 में सरकार के खिलाफ करेंगे मतदान

बलिया, (हि.स.)। मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ व पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच के प्रदेश व्यापी आह्वान पर शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय के सामने महात्मा गांधी के चित्र के समक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद एवं कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ से जुड़े सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से मौन धरना दिया। जहां अपनी मांगों का ज्ञापन प्रधानमंत्री को भेजने के लिए जिलाधिकारी को सौंपा। उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ ने प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर कलेक्ट्रेट को बंद कर दिया। जिलाधिकारी कार्यालय के सामने एकत्रित होकर कर्मचारियों व शिक्षकों ने मुंह पर सफेद पट्टी बांध ली। दोपहर एक बजे से तीन बजे तक सभी कर्मचारी मौन धारण किए रहे। इसके बाद 22 सूत्री मांगों के समर्थन में सभा की और मांगों का ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा। धरना सभा को संबोधित करते हुए कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कौशल कुमार उपाध्याय ने कहा कि कलेक्ट्रेट कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली के साथ-साथ अपने 22 सूत्री मांगों के लिए 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक "वर्क फार रुल" का आंदोलनात्मक कार्यक्रम चलाया। अब चेतावनी के रूप में कलेक्ट्रेट कार्यालय को बंद कर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। चेताया कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी गई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल भी किया जाएगा। संयुक्त मंच के संयोजक व राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंत्री वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि हमें एनपीएस को लेकर कोई सुझाव या संसोधन मंजूर नहीं है। पूरे देश में पुरानी पेंशन बहाल होना चाहिए। इसलिए आज हम सभी देश मौन व्रत धारण कर पुरानी पेंशन बहाली के लिए केंद्र सरकार का ध्यानाकर्षण कर रहे हैं। यदि 2024 के चुनाव से पूर्व पुरानी पेंशन बहाल नहीं हुई तो सपरिवार सरकार के विरुद्ध हम सभी मतदान करने के लिए तैयार हैं।

सभा में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी, सिनियर बेसिक शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री सुशील पांडेय कांन्ह जी, विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश राय, महासचिव अवनीश कुमार पाण्डेय, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, जिला मंत्री राजेश पाण्डेय संजय भारती, अशोक कुमार केशरी आदि थे।

उप्र में कानून का राज स्थापित हुआ : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में उन सभी पुलिस कर्मियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है, जिन्होंने कर्तव्य पालन करते हुए बलिदान देकर अमर हो गये हैं। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड में मुख्यमंत्री योगी ने कहा वर्ष 2022-23 में कर्तव्य की बेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों में प्रदेश पुलिस बल के तीन बहादुर पुलिस कर्मी शामिल हैं। हमारे जांबाज पुलिस कार्मिकों का यह सर्वोच्च बलिदान हमें निरंतर कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा एवं दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। शहीद पुलिसजनों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करता हूं कि हमारी सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। पुलिसजन ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मान कर प्रदेश में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कानून व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त रखा। पिछले छह वर्षों के दौरान प्रयागराज का दिव्य और भव्य कुंभ, लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2019, त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2021, विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022, नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 को शांतिपूर्ण संपन्न कराने में प्रदेश पुलिस बल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। यही नहीं प्रदेश पुलिस वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान भी जनता की सहायता के लिए सदैव तत्पर रही है। इससे पहले उन्होंने परेड को सलामी दी। इस दौरान उन्हें शोक पुस्तिका सौंपी गयी। इसके बाद डीजीपी ने शोक पुस्तिका में दर्ज अमर शहीदों के नाम पढ़े। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। सीएम योगी ने कार्यक्रम में शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हे सम्मानित भी किया।

डेढ़ लाख से अधिक पुलिस कर्मियों की हुई भर्ती - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि एक नवंबर 2022 से 30 सितंबर 2023 के

बीच कर्तव्य पालन के दौरान शहीद पुलिस कर्मियों के साथ केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों, अन्य प्रदेश के अर्ध सैन्य बलों, भारतीय सेना में कार्यरत एवं मूलरूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले 140 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 38 करोड़ 96 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गयी है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के जनपद या विभिन्न इकाइयों में नियुक्त पुलिस कार्मिकों की सुख-सुविधा के लिए शासन ने 3 करोड़ 50 लाख, कल्याण के लिए चार करोड़, कार्यरत और रिटायर्ड पुलिस कार्मिकों और आश्रितों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति के 301 दावों के निस्तारण के लिए 45 लाख 50 हजार, पांच लाख से अधिक की चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 63 मामलों 3 करोड़ 87 लाख रुपये प्रदान किए गए हैं। इसी तरह 103 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अग्रिम रूप में 4 करोड़ 9 लाख, जीवन बीमा योजना के तहत बीमित 370 मृतक पुलिस कार्मिकों के आश्रितों को 10 करोड़ 12 लाख, 112 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों द्वारा कराए गए कैशलेस उपचार में एक करोड़ 11 लाख, पुलिस कार्मिकों के 158 मेधावी बच्चों को शिक्षा निधि के माध्यम से 77,5000 की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है। वहीं अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित पुलिसकर्मी को सम्मानित करने एवं उनका मनोबल बढ़ाने के लिए गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2023 और स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2023 पर विशिष्ट सेवाओं के लिए पांच अधिकारी और कार्मिकों को राष्ट्रपति का पुलिस पदक, 125 अधिकारियों और कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान किया गया। इसके साथ ही गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 1154 कार्मिकों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 942 कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया गया। पांच राजपत्रित और राजपत्रित पुलिसकर्मियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक प्रदान किए गए। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा 85 और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह तथा 408 पुलिसकर्मी को सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुलिस कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का प्रशंसा चिन्ह डीजी कमेंडेशन डिस्क, 40 प्लैटिनम, 104 गोल्ड और 777 सिल्वर राजपत्रित और राजपत्रित पुलिसकर्मियों को प्रदान किए गए।

गौतमबुद्धनगर में यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे में पांच की मौत, तीन घायल

गौतमबुद्धनगर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर दुख जताया है। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 01 बजे हुई। रबूपुरा थाना क्षेत्र स्थित जेवर की ओर जीरो प्वाइंट से 25 किलोमीटर दूरी पर एक कार (डीएल थ्री सीसी 7136) में पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस टक्कर से कार अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई और तीन बच्चे घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को कैलाश अस्पताल पहुंचाया। मृतकों में दिल्ली के जेजे कॉलोनी फेस-3 निवासी उपेंद्र बैठा (38), बिजेंद्र बैठा (36) एवं उनकी पत्नी कांति देवी (30), बेटी ज्योति (12) और सुरेश (45) हैं। घायलों में उपेंद्र का बेटा सूरज, बिजेंद्र के पुत्र आयुष और आर्यन का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक वैन में सवार होकर सभी दिल्ली से झारखंड जा रहे थे तभी यमुना एक्सप्रेस-वे पर यह हादसा हुआ। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अक्तूबर से बदल जाएगा कुशीनगर-दिल्ली की फ्लाइट का शिड्यूल, अब पूरे सप्ताह होगी उड़ान

कुशीनगर, (हि.स.)। कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से दिल्ली के लिये उड़ान सेवा प्रदान कर रही स्पाइस जेट कम्पनी ने विंटर शिड्यूल में उड़ान का समय परिवर्तित कर दिया है। नया शिड्यूल 29 अक्तूबर से लागू होगा। उड़ान छह दिन के बजाए अब पूरे सप्ताह होगी। बदले शिड्यूल में कंपनी ने इस रूट पर अब 90 के बजाए 78 सीटर विमान उड़ाने का फैसला किया है। बदले शिड्यूल के अनुसार कुशीनगर से उड़ान संख्या एसजी 2988 अपराह्न में 3.05 बजे टेक आफ कर दिल्ली एयरपोर्ट पर 5.00 बजे लैंड करेगी। पूर्व में यह उड़ान सुबह के 8.35 बजे थी, जबकि दिल्ली से उड़ान सुबह के 6.15 बजे थी। वहीं दिल्ली से उड़ान संख्या एसजी 2987 अपराह्न 1.00 बजे टेक आफ 2.40 पर कुशीनगर एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। नए शिड्यूल में पूरे सप्ताह उड़ान का प्राविधान होने पर यात्री खुश हैं किंतु टाइमिंग को लेकर नाखुशी भी जता रहे हैं। एयरपोर्ट निदेशक आर पी लंका ने बताया कि शिड्यूल विमानन कंपनी तय करती है।

विद्युत पोल में मोटर साइकिल भिड़ने से युवक की जलकर हुई मौत

कानपुर, (हि.स.)। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में इन्द्रानगर रोड के सीएनजी पेट्रोल पंप के पास शनिवार को विद्युत पोल में मोटर साइकिल भिड़ने से आग गई। हादसे में आग से जलकर मोटर साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे आक्रोशितों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस किसी तरह मामले को शांत कराकर आवागमन को शुरू कराया। सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर विकास कुमार पांडेय ने बताया कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के केसा कॉलोनी निवासी सचिन वर्मा (28) मकड़ी खेड़ा में नौकरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार सुबह वह घर से मोटर साइकिल लेकर निकला और रास्ते में कल्याणपुर में उसकी मोटर साइकिल अचानक विद्युत पोल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज हुई कि मोटर साइकिल में आग लग गई।

शहीद हुए पुलिस कर्मियों की वीरता की गाथा सुनकर नम हुई हर आंख

मुरादाबाद, (हि.स.)। डा. भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी जनपद मुरादाबाद के प्रांगण में स्थित शहीद स्मृति स्तम्भ पर शनिवार ह्वपुलिस स्मृति दिवसह्व का आयोजन किया गया। पुलिस स्मृति दिवस पर सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वालों को श्रद्धाजलि दी गई। वर्ष 1959 में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए शहीद हुए पुलिस कर्मियों की वीरता की गाथा सुनकर हर आंख नम हो गई। अपर पुलिस महानिदेशक अकादमी अमित चंद्रा ने कहा कि ऐसे वीर साथियों का शौर्य, साहस एवं आत्मोसर्ग आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य परायणता की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने बताया कि आज के दिन 292 जांबाज पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। इस मौके पर अपर पुलिस महानिदेशक अकादमी अमित चंद्रा, अपर पुलिस महानिदेशक पीटीसी मुरादाबाद, पुलिस महानिरीक्षक पीएसी, मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी, मुरादाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा सहित अन्य अधिकारी द्वारा विगत वर्ष में ड्यूटी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुलिस संस्मरण दिवस : डीजीपी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

शहीद होने वाले पुलिसकर्मी हमेशा ही कर्तव्यपथ पर बेहतर करने की देते हैं प्रेरणा: डीजीपी

रांची, (हि. स.)। झारखंड पुलिस की ओर से शनिवार को डोरंडा स्थित जैप ग्राउंड में पुलिस संस्मरण दिवस मनाया गया। जैप वन ग्राउंड में डीजीपी अजय कुमार सिंह सहित तमाम पुलिस अधिकारियों ने एक साल के भीतर देश की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया। इस मौके पर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि शहीद होने वाले पुलिसकर्मी हमेशा ही कर्तव्यपथ पर बेहतर करने की प्रेरणा देते हैं। आज के दिन सिर्फ और सिर्फ शहीदों को याद करना चाहिए। उनके परिवार वालों की मदद कैसे की जाए इस दिशा में भी सोचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 1959 को भारत के लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में चीनी सेना के आक्रमण में सीआरपीएफ अधिकारी कर्म सिंह अपने 20 साथियों के साथ शहीद हुए थे। इसके बाद से हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस संस्मरण या स्मृति दिवस मनाया जाता है । इस दौरान पिछले एक साल में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती है। इस वर्ष नक्सलियों से लोहा लेते हुए झारखंड में चार जवान और एक अफसर शहीद हुए थे। 14 अगस्त की रात नक्सलियों के द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में कोबरा बटालियन के सब इंस्पेक्टर अमित तिवारी और सिपाही गौतम शहीद हो गए जबकि 11 अगस्त को सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल निशांत शहीद हो गए थे। इस वर्ष झारखंड पुलिस को सबसे ज्यादा नुकसान कोल्हान में उठाना पड़ा है। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर पांचों वीर शहीदों को याद कर नमन किया गया। मौके पर सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता, एडीजी अभियान संजय आनंद लटकर, आईजी अभियान एबी होमकर शहीद कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

सीआइपी निदेशक डॉ बासुदेव दास हटाए गए, डॉ तरुण को सौंपा प्रभार

रांची, (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सीआईपी के स्थायी निदेशक डॉ. बी दास को उनके पद से हटा दिया है। मेल भेज कर उनको प्रभार संस्थान के सीएमओ (एसएजी) डॉ. तरुण कुमार को सौंपने का निर्देश दिया गया था। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डॉ. दास ने प्रभार डॉ. तरुण कुमार को दे दिया। डॉ. दास वर्ष 2020 के फरवरी माह में स्थाई निदेशक के रूप में चयनित हुए थे। किन कारणों से उनसे प्रभार वापस लिया गया, इसका कोई उल्लेख पत्र में नहीं है। हालांकि लगभग ढाई वर्ष पूर्व नर्सिंग पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर कुछ शिकायतें मंत्रालय को मिली थीं। लेकिन अभी उसकी आरंभिक जांच ही चल रही है। ऐसे में उनको जांच पूर्ण होने के पहले ही पद से हटाने को लेकर संस्थान में चर्चा का बाजार गर्म है। वहीं सीएमओ (एसएजी) डॉ. तरुण कुमार कुछ माह पूर्व ही दिल्ली मंत्रालय, एयरपोर्ट हेल्थ आगेर्नाइजेशन आदि में लंबी सेवा देने के बाद इटकी में खोले जा रहे नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के प्रभारी के रूप में भेजे गए हैं। वर्तमान में उनको सीआईपी में पदस्थापित किया गया है। कुछ माह पहले ही डॉ. दास ने ही उनको प्रभारी प्रशासकीय पदाधिकारी बनाया था।

हाई कोर्ट ने दुमका सिविल कोर्ट के फैसले को पलटा, सामूहिक दुष्कर्म के तीन दोषियों हुई थी सजा

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने दुमका सिविल कोर्ट के एक फैसले को पलट दिया है। हाई कोर्ट ने दोषियों की फांसी की सजा को पलटते हुए दोबारा ट्रायल करने का आदेश दिया है। दरअसल, दुमका सिविल कोर्ट ने गैंगरेप के तीन आरोपितों को वर्ष 2020 में दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। साथ ही 25-25 हजार का जुमार्ना लगाया था। सिविल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखने के लिए हाई कोर्ट में डेथ रेफरेंस याचिका दाखिल की गयी थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की डेथ रेफरेंस याचिका खारिज कर दी। साथ ही तीनों के खिलाफ दोबारा ट्रायल शुरू करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जिस कोर्ट ने तीनों आरोपितों को दोषी करार दिया था, उस कोर्ट में ट्रायल न किया जाये, बल्कि दूसरे कोर्ट में इस मामले का ट्रायल किया जाये। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक पंकज कुमार ने पक्ष रखा। हाई कोर्ट ने इस मामले के लिए अधिवक्ता कुमार वैभव को अमेकस क्यूरी (न्याय मित्र) के रूप में नियुक्त किया था। अधिवक्ता कुमार वैभव ने आरोपितों की ओर से केस लड़ने के लिए कोई फीस नहीं ली। मामले की सुनवाई जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की खंडपीठ में हुई।

कांग्रेस कार्यालय में प्रथम मुख्यमंत्री श्रीबाबू की मनायी गयी जयंती

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिला कांग्रेस कार्यालय बंजरिया पंडाल में शनिवार को जिलाध्यक्ष ई शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह जी के 136वीं जयंती मनायी गयी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि श्री बाबू आधुनिक बिहार के निमार्ता थे। 21 अक्टूबर, 1887 को बिहार के मुंगेर जिले में जन्मे श्रीबाबू स्वतंत्रता आंदोलन के प्रखर सेनानी थे।बिहार के लोग उन्हे समाजिक न्याय के पुरोधा और आधुनिक बिहार के शिल्पकार के रूप में याद करते है। बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उनके कृतित्व से उनके कार्यकाल को बिहार का स्वर्णकाल कहा जाता है। उनके शासनकाल में उद्योग, कृषि, शिक्षा, सिंचाई और स्वास्थ्य सहित विकास के कई उल्लेखनीय कार्य बिहार में हुए। राज्य का प्रथम बरौनी ऑयल रिफायनरी, खाद कारखाना सिंदरी और बरौनी हटिया में भारी उद्योग निगम की स्थापना,स्टील प्लांट बोकारो और बरौनी डेयरी की शुरूआत उनके कालखंड में हुआ। गंगोत्री से गंगासागर के बीच रेल सड़क पुल और राजेंद्र पुल का निर्माण भी उन्होने कराया। भागलपुर के सबौर और रांची में एग्रीकल्चर कॉलेज, कोसी प्रोजेक्ट का निर्माण श्रीबाबू के शासनकाल में ही हुआ। बिहार के विकास का आलम ये था कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जब राज्यों में प्रगति की समीक्षा की, तो बिहार उसमें अव्वल आया। बिहार की राजनीति में उनके तमाम ऐसे किस्से हैं, जो आज भी लोगों की जुबां पर रहते हैं। मौके पर कांग्रेस नेता श्री विजयशंकर पाण्डेय, मुमताज अहमद, अखिलेश्वर प्रसाद यादव उर्फ भाई जी, शैलेन्द्र सिंह, संजीव सिंह उर्फ टुन्नी सिंह, डॉ० कुमकुम सिन्हा, किरण कुशवाहा, मुनमुन जयसवाल, सतेन्द्र नाथ तिवारी, विजयकांत त्रिपाठी, राजेश कुमार,ओसैदूर रहमान खान, रमेश श्रीवास्तव, अजीत कुमार,नेयाज अहमद खां, चुमन जयसवाल,नीरज शर्मा,रंजन शर्मा, मनीष तिवारी, आशीष रंजन, प्रियरंजन कुमार सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

बिहार में उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए गए : मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष शनिवार को उद्योग विभाग, सूचना प्रावैधिकी विभाग तथा पर्यटन विभाग ने अपने-अपने विभागों से संबंधित प्रस्तुति दी। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। सीएम ने कहा कि हमलोगों ने ऐसी पॉलिसी बनायी है कि यहां अधिक से अधिक निवेश हो सके। साथ ही यहां रोजगार के अवसर भी सृजित हों। हमलोगों का उद्देश्य है कि जो भी नीतियां बनायी जाए उससे निवेशकों को अधिक से अधिक प्रोत्साहन मिले और यहां उन्हें उद्योग-धंधे स्थापित करने में किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो। जो भी नीतियां बनायी गई हैं उसका अनुश्रवण और संचालन ठीक ढंग से करते रहें। सीएम ने कहा कि कोरोना काल के दौरान भी हमलोगों ने बिहार के बाहर काम करने वाले लोगों को यहां आकर अपना काम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। कई लोगों ने बिहार आकर स्वरोजगार स्थापित किया। कई जगहों पर जाकर उन कार्यों को हमने देखा है। लोगों के हित में हमलोग लगातार काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के ध्येय से 2023 में प्राप्त करेंगे दो करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि उनका मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के आदर्श लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत धन की कोई कमी नहीं है। इस योजना के तहत अतिरिक्त धनराशि के लिए वित्त मंत्रालय से संपर्क किया गया है, इसे जल्द ही स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। उनका मंत्रालय इस वर्ष के अंत तक दो करोड़ लखपति दीदियों का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ग्रामीण गरीबों के जीवन में परिवर्तन के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में काफी प्रगति की है। नौ वर्ष की उपलब्धियों पर विवरण पत्र जारी किया है। यह ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के योजनाओं और पिछले वर्षों में मंत्रालय के अंतर्गत हुई प्रगति के संबंध में जानकारी देने में सहायक होंगे। गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में लखपति दीदी योजना की घोषणा की थी। 2014 से अब तक डीएवाई-एनआरएलएम (दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के तहत 7.33 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) में सम्मिलित किया गया है। बैंकों द्वारा स्वयं सहायता समूहों को वितरित ऋण की राशि 7.22 लाख करोड़ से अधिक है। यह प्रशंसनीय है कि 2014 के बाद से गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का प्रतिशत घटकर 1.88 प्रतिशत हो गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय का लक्ष्य अब दिसम्बर 2023 तक दस करोड़ स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दीदियों तक पहुंचना और कम से कम दो करोड़ दीदियों को लखपति दीदी बनाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पिछले नौ वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में 3.21 करोड़ घरों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। इन पिछले नौ वर्षों में लाभार्थियों को घर निर्माण के लिए 2.48 लाख करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सात लाख 44 हजार किलोमीटर लंबी सड़क बन चुकी है एवं एक लाख 62 हजार से अधिक ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसम वाली सड़कों से जोड़ा गया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना (मनरेगा) के तहत पिछले नौ वर्षों के दौरान 26 सौ 44 करोड़ मानव दिवस सृजित किए गए हैं। 6.63 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि केंद्रीय हिस्सेदारी के रूप में जारी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल भंडारण पहल के रूप में 67 हजार से अधिक अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय विकास और कल्याण गतिविधियों से देश के समग्र विकास रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्रालय की परिकल्पना और मिशन आजीविका के अवसरों को बढ़ाकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके एवं विकास के लिए बुनियादी ढांचे को विकसित करते हुए गरीबी उन्मूलन के लिए एक बहुआयामी रणनीति के माध्यम से ग्रामीण भारत का टिकाऊ और समावेशी विकास करना है।

संपादकीय

मंत्रिमंडल विस्तार के लाग लपेट

नजर बांधने का इंतखाब अच्छा, तेरे नाम पे ये पैगाम अच्छा। बिलासपुर दौरे पर हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने सियासी सुख की दरकार को पूरा करने का आश्वासन दिया और इस तरह मंत्रिमंडल विस्तार के लाग लपेट से हट कर जिला का नाम आया। बिलासपुर से मंत्रिमंडल का रास्ता यूं तो शिमला से दूर नहीं है, फिर भी राजनीति के अपने घुमाव व पेंच रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री की ओर से आया संकेत क्षेत्रीय राजनीति के आयाम को पैगाम दे रहा है। ये सुर्खियां जितनी सहजता से विधायक राजेश धर्माणी के सफर से मुखातिब होती हैं, उतनी ही आसानी से आगामी लोकसभा चुनाव की राजनीतिक तैयारियों को इंगित करती हैं। हिमाचल की सत्ता के अगले मुकाम पर सरकार अपने काम पर रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव तफतीश करेंगे कि अंततः कांग्रेस चली कितने कोस। लोकसभा चुनाव की दूरियों को पाटने के लिए दरियां नहीं, दिल मिलाने होंगे और इसी की शुरुआत में बिलासपुर की खनक पूरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की नब्ज पर हाथ रख रही है। यह कोई अचंभा भी नहीं कि मंत्रिमंडल की उदारता में बिलासपुर का चेहरा नजर आ रहा है, लेकिन सियासत के संतुलन का इंतखाब कोशिश कर रहा है। कहना न होगा कि अकेले हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए मंत्रिमंडल में जगह सुनिश्चित करके चुनावी पारी पूरी हो जाएगी, बल्कि साथ लगते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक सूनापन कब से रूठा पड़ा है। बेशक हमीरपुर की वकालत में बिलासपुर का सिक्का काम आएगा, लेकिन सरकार में पहले से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के दर्जे में यह संसदीय क्षेत्र, हिमाचल व केंद्र की सत्ता का मर्ज भी बन रहा है। यह इसलिए भी क्योंकि राज्य से एकमात्र केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को यहीं से पंजा लड़ाना है या इसलिए भी क्योंकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को भी अपना कद आजमाना है। जिस मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की सियासी जिद्द पारंगत हुई उससे मुलाकात न भी सही, लेकिन मंत्रिमंडल में छाए शिमला संसदीय क्षेत्र को राजनीति औकात बतानी और बनानी है। सरकार के अपने प्लस हो सकते हैं, लेकिन मंत्रिमंडल के माइनस में अटकी कांगड़ा की सांसों की फितरत बीमार मरीज से भिन्न नहीं है। यहां मसला राजनीतिक परंपराओं का है और सत्ता के प्रतिनिधित्व का भी। यह इसलिए भी क्योंकि मुख्य संसदीय सचिवों की सत्ता में पारी पर, अदालती आशंकाएं निर्णायक मोड़ पर खड़ी हैं और अगर फैसला प्रतिकूल असर ले कर आता है, तो राज्य सरकार में क्षेत्रीय भागीदारी का ईनाम फिर से प्रश्न खड़े करेगा। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना में दाल बांटने के मुहूर्त का किसी को कोई अनुमान नहीं, फिर भी लोकसभा के चुनावों ने राजनीतिक पांत तो बिछा दी है। सत्ता में मंत्री और सत्ता के कैबिनेट रैंक में बंटे ओहदों की भरपूर चमक के बावजूद, जिलों के अपने बागीचों में उगती रही सियासी धूप को नजरअंदाज करने का नकारात्मक पक्ष हमेशा रहेगा। ऐसे में बिलासपुर तक पहुंच रहा कैबिनेट विस्तार क्या कांगड़ा जिला तक भी पहुंचेगा। क्या फिर से राजनीतिक वरिष्ठता को मंत्रिमंडल विस्तार स्वीकार करेगा या नई पौधशाला से कुछ नए चेहरों को प्राथमिकता मिलेगी। जो भी हो, होना है तो लोकसभा चुनाव से पूर्व ही विस्तार करना होगा, वरना खेत में पहले ही भाजपा नामी चिडिया मौजूद है। यहां घात-प्रतिघात की सियासत के लिए वर्तमान दौर नाजुक समझा जा रहा है और यह भी कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह के लिए अपनी सरकार के मुआयने में लोकसभा चुनाव काफी कुछ सिद्ध करेंगे। कांग्रेस वैसे भी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के सामने नए विचार, नए आकार और अस्तित्व के प्रसार के साथ चुनौती बढ़ा रही है, तो हिमाचल में सत्ता के दम पर यही चुनाव समीक्षा करेगा। बहरहाल राजेश धर्माणी के समीप मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को स्पष्टता से देखने की वजह अगर मजबूत होती है, तो आगे चलकर यही पैगाम कांगड़ा के कुछ चेहरों को खुश कर सकता है, लेकिन उस स्थिति में शायद हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के अन्य नेताओं के लिए सत्ता की ओर से रेड सिग्नल मिल चुका होगा।

हिमाचल की सत्ता के अगले मुकाम पर सरकार अपने काम पर रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव तफतीश करेंगे कि अंतत: कांग्रेस चली कितने कोस। लोकसभा चुनाव की दूरियों को पाटने के लिए दरियां नहीं, दिल मिलाने होंगे और इसी की शुरुआत में बिलासपुर की खनक पूरे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की नब्ज पर हाथ रख रही है। यह कोई अचंभा भी नहीं कि मंत्रिमंडल की उदारता में बिलासपुर का चेहरा नजर आ रहा है, लेकिन सियासत के संतुलन का इंतखाब कोशिश कर रहा है। कहना न होगा कि अकेले हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के लिए मंत्रिमंडल में जगह सुनिश्चित करके चुनावी पारी पूरी हो जाएगी, बल्कि साथ लगते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक सूनापन कब से रूठा पड़ा है। बेशक हमीरपुर की वकालत में बिलासपुर का सिक्का काम आएगा, लेकिन सरकार में पहले से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के दर्जे में यह संसदीय क्षेत्र, हिमाचल व केंद्र की सत्ता का मर्ज भी बन रहा है। यह इसलिए भी क्योंकि राज्य से एकमात्र केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को यहीं से पंजा लड़ाना है या इसलिए भी क्योंकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को भी अपना कद आजमाना है। जिस मंडी में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की सियासी जिद्द पारंगत हुई उससे मुलाकात न भी सही, लेकिन मंत्रिमंडल में छाए शिमला संसदीय क्षेत्र को राजनीति औकात बतानी और बनानी है। सरकार के अपने प्लस हो सकते हैं, लेकिन मंत्रिमंडल के माइनस में अटकी कांगड़ा की सांसों की फितरत बीमार मरीज से भिन्न नहीं है।

कुछ अलग

एमएसपी की चुनावी बढ़ोतरी

भारत सरकार के कृषि मूल्य आयोग ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाया है। गेहूं रबी के मौसम की मुख्य फसल होती है। 2023-24 के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी 150 रुपए कर गेहूं के दाम 2275 रुपए प्रति क्विंटल तय किए गए हैं। यह अभी तक की सबसे अधिक वृद्धि है, क्योंकि यूपीए सरकार के दौरान 2006-07 और 2007-08 में लगातार दो साल फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन तुलना में वे कम थीं। यह एमएसपी वृद्धि महज किसानों के कल्याण और उनकी आर्थिक स्थिति के मद्देनजर नहीं है। इससे किसानों की आमदनी दोगुनी होने लगेगी, ऐसे कोई आसार नहीं हैं। दरअसल बुनियादी व्यवस्था में ही खोट है, क्योंकि किसान की फसल एमएसपी पर नहीं खरीदी जाती। सरकारी खरीद का लाभ बेहद सीमित है। उसका फायदा 10-12 फीसदी किसानों को भी नसीब नहीं है, लिहाजा किसान कृषि की मंडियों में ही फसल बेचने को विवश है। वहां कई तरह की कटौतियों के बाद किसान के हाथ एमएसपी तक नहीं लगता। फसल बेचना उसकी मजबूरी है, लिहाजा किसान कम दाम पर भी फसल बेचने को विवश है। यही सवाल कई दशकों से किसानों के सामने 'यक्ष' की तरह मौजूद है। मोदी सरकार के 10 साल भी गुजर जाएंगे, लेकिन एमएसपी का सवाल अनुत्तरित रहेगा। वैसे उसने एक समिति का गठन कर रखा है, जिसमें कुछ किसान प्रतिनिधि भी शामिल हैं, लेकिन वह समिति क्या कर रही है, उनका विमर्श किस निष्कर्ष तक पहुंचा है, क्या एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की सिफारिश पर सहमति बन चुकी है, लेकिन लंबा समय बीतने के बावजूद कुछ भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। अभी एमएसपी की घोषणा करने के आर्थिक के साथ-साथ राजनीतिक, चुनावी आयाम भी हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले एमएसपी में यह आखिरी बढ़ोतरी है। इसके अलावा, पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया जारी है। नवम्बर में मतदान होंगे और 3 दिसंबर को जनादेश घोषित किए जाएंगे। इन राज्यों में मध्यप्रदेश और राजस्थान में गेहूं रबी मौसम की प्रमुख फसल है। एमएसपी में बढ़ोतरी की गई है, जाहिर है कि किसानों के वोट बैंक पर निगाहें रही होंगी। वैसे मोदी सरकार ने अपने साढ़े नौ साल के कार्यकाल में गेहूं का एमएसपी 875 रुपए क्विंटल बढ़ाया है, जबकि यूपीए सरकार के दौरान यह बढ़ोतरी 770 रुपए क्विंटल की गई थी। धान का एमएसपी भी मौजूदा सरकार ने 873 रुपए क्विंटल बढ़ाया है, जबकि यूपीए सरकार के 10 साला कालखंड में यह वृद्धि 760 रुपए की गई थी। वैसे ऐसी तुलनाएं ही गलत हैं, क्योंकि मुद्रा के अवमूल्यन और मुद्रास्फीति को भी ध्यान में रखना होता है।

आंख के बदले आंख विश्व को अंधा बना देगी, गांधी जी के इस कथन पर भी विचार होना चाहिए

'आंख के बदले आंख' सिद्धांत कितना प्रासंगिक

प्रताप सिंह पटियाल

रूस-यूक्रेन की जंग व इजरायल के साथ हमास जैसे चरमपंथी संगठन के सशस्त्र संघर्ष ने विश्व को कई सबक सिखा दिए हैं। गत सात अक्तूबर 2023 को जब इजरायल की आवाम अपना 'योम किप्पुर' नामक पर्व मना रही थी, तब फिलिस्तीन के गाजापट्टी से संचालित होने वाले चरमपंथी संगठन 'हमास' ने इजरायल पर खौफनाक हमले को अंजाम देकर पूरी दुनिया को चौंका दिया।

'आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत', यह पंक्ति बेबीलोन के राजा हाम्बुराबी (1790 ई. पूर्व) के कानून का एक अंश है। एक विशाल पत्थर के स्लैब पर अंकित हाम्बुराबी की कानून संहिता को सन-1901 में ईरान के 'सुसा' शहर में खोजा गया था तथा मौजूदा वक्त में यह स्टेल पेरिस के 'लौवर' संग्रहालय में संरक्षित है। प्रखर राष्ट्रवाद के लिए प्रसिद्ध इजरायल की सेना अपने दुश्मनों के साथ आंख के बदले आंख के सिद्धांत पर काम करती है। लेकिन 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी', यह कथन 'महात्मा गांधी' का है। महात्मा बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे महापुरुषों के आध्यात्मिक ज्ञान की विरासत, अहिंसा के मंत्र, सत्य के सिद्धांत सदियों से भारतीय सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। मगर प्रश्न यह है कि जब पड़ोस में आतंक का तर्जुमान पाकिस्तान हो, दूसरी तरफ शातिर चीन तथा अन्य मुल्क वक्त की नजाकत को देखकर रंग बदलने में माहिर हों तथा विदेशों में शरण लेकर भारत को खंडित करने का ख्वाब देख रहे चरमपंथी संगठन मौजूद हों, तो शांति का मसीहा बनकर नैतिकता का पाठ व अहिंसा के सिद्धांतों की दुहाई देना कितना प्रासंगिक है। रूस-यूक्रेन की जंग व इजरायल के साथ हमास जैसे चरमपंथी संगठन के सशस्त्र संघर्ष ने विश्व को कई सबक सिखा दिए हैं। गत सात अक्तूबर 2023 को जब इजरायल की आवाम अपना 'योम किप्पुर' नामक पर्व मना रही थी, तब फिलिस्तीन के गाजापट्टी से संचालित होने वाले चरमपंथी संगठन 'हमास' ने इजरायल पर खौफनाक हमले को अंजाम देकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। हमास ने इजरायल पर हमला करके पचास वर्ष पूर्व की उस तारीख को ताजा कर दिया जब मिस्र व सीरिया की सेनाओं ने मिलकर छह अक्तूबर 1973 को इजरायल पर योम किम्पूर

पर्व के अवसर पर हमला किया था। इजरायल के वर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू उस योम किप्पुर जंग में इजरायली सेना का हिस्सा बनकर लड़े थे। इजरायली सेना के शदीद पलटवार के बाद 26 अक्तूबर 1973 को सीजफायर का ऐलान हुआ। युद्ध के बाद मिस्र व इजरायल में मुजाकरात का दौर शुरू हुआ। एक तवील अर्से के बाद पूर्व सैन्य अधिकारी रहे मिस्र के राष्ट्रपति मुहम्मद अनवर अल सादत ने सन-1977 में इजरायल का दौर किया। सन-1978 में मु. अनवर अल सादत तथा इजरायली प्रधानमंत्री 'मेनाकेम बेगिन' के बीच मिस्र-इजरायल नामक शांति संधि हुई। लेकिन कट्टरपंथ की उल्फत में डूबे कई मुल्कों को वो शांति संधि नागवार गुजरी। आखिर छह अक्तूबर 1981 के दिन मिस्र की राजधानी काहिरा में सैन्य परेड के दौरान आतंकियों ने राष्ट्रपति मो. अनवर अल सादत को कत्ल कर दिया था। भावार्थ यह है कि मैदाने जंग में दुश्मन को धूल चटाकर हमेशा फातिम योद्धा का किरदार निभाने वाले मुल्क इजरायल के साथ युद्ध तथा शांति संधि दोनों इंतसार पैदा करते हैं। किसी भी देश पर अचानक हमला होने की स्थिति में वहां की खुफिया एजेंसियों की चूक पर सवाल उठते हैं। देश की सुरक्षा में खुफिया विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इजरायल देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा खुफिया एजेंसी 'शिन बेट' तथा देश के बाहर की कमान सन-1949 में स्थापित 'मोसाद' संभालती है। जोखिम भरे मिशनों को खुफिया तरीके से अंजाम देने में माहिर मोसाद दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खुफिया एजेंसियों में शुमार करती है। मोसाद के खुफिया सैन्य मिशनों का एक शानदार इतिहास रहा है। 27 जून 1976 को इजरायल की राजधानी तेल अवीव में फ्रांस की ऐयरबस का कुछ आतंकियों ने अपहरण करके उसे युगांडा के एंतेबे हवाई अड्डे पर उतार दिया था, जिसमें ज्यादातर इजरायली नागरिक सवार थे। चार जून 1976 को इजरायल के 'एलिट ग्रुप' के कमांडो ने आपरेशन 'थंडरबोल्ट' को अंजाम देकर एंतेबे हवाई अड्डे पर सात आतंकियों सहित युगांडा के पचास सैनिकों को भी हलाक करके उस जहाज को रिहा करा लिया था। उस कमांडो मिशन में इजरायल के वर्तमान प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बड़े भाई कर्नल 'जोनाथन नेतन्याहु' शहीद हो गए थे। गौर करने वाली बात है कि इजरायल का सियासी नेतृत्व करने वाले ज्यादातर सियासतदानों का सैन्य क्षेत्र का जमीनी अनुभव रहा है। लिहाजा इजरायल से प्रत्यक्ष युद्ध की हिमाकत कोई भी देश नहीं करता। इसीलिए आतंकी संगठनों की सरपरस्ती हो रही है। 14 मई 1948 को इजरायल ने खुद को एक आजाद मुल्क घोषित कर दिया था। वजूद में आने के एक दिन बाद ही अरब देशों ने इजरायल पर हमला बोल दिया था। तब यूएनओ ने मध्यस्थता करके युद्ध को शांत कर दिया था। दुश्मन देशों से घिरे इजरायल की आवाम पर अत्याचारों की एक लम्बी दास्तान है। मगर जिस प्रकार इजरायल ने खुद को हर क्षेत्र में सक्षम किया है वो एक मिसाल है। हमास के हमले से भारत की सियासी हरारत भी बढ़ चुकी है। मजहब के कई रहनुमां हैवानियत को शर्मसार करने वाले हमास के आतंकियों को इंकलाबी चेहरे बता रहे हैं। मजलूमों को मारने का हश्र क्या होता है, हमास की इस हरकत का अंजाम फिलिस्तीन की आवाम भुगत रही है। शहर शमशान में तब्दील हो रहे हैं। अलबत्ता मजहबी नारे लगाकर बेगुनाह लोगों का कत्ल करने वाले आतंकियों को इजरायली सेना जहन्नुम की परवाज पर भेजकर ही दम लेगी। स्मरण रहे प्रतिशोध भरा इंतकाम जुल्म से भी बद्तर साबित होता है। लाशें रोती नहीं, मगर उन्हें सुपुर्दे खाक करने वाले चीत्कार के साथ मातम मनाते हैं। नया शहर कितना भी आबाद हो, परंतु पीछे छूटने वाले आशियाने बेचैन करते हैं। इसलिए यूएनओ को युद्ध के कहर से शरणार्थी बन रहे लोगों का दर्द समझना होगा। बहरहाल जब बात राष्ट्र के स्वाभिमान की हो तो बेगुनाहों का रक्त बहाने वाली मानसिकता पर 'आंख के बदले आंख व दांत के बदले दांत' के सिद्धांत को अपनाना पड़ता है, मगर आंख के बदले आंख विश्व को अंधा बना देगी, गांधी जी के इस कथन पर भी विचार होना चाहिए। फिलिस्तीन-इजरायल से भारत के बेहतर रिश्ते हैं। अतः वैश्विक शांति के लिए दहशतगर्दी की किसी भी सूरत में हिमायत नहीं होनी चाहिए।

विधानसभा चुनाव और विपक्षी एकता

विपक्षी गठबंधन इंडिया बनने से पहले ही बिखरने के कगार पर आ गया है। गठबंधन के दलों में आपसी मतभेद अब खुल कर सामने आते जा रहे हैं। इस बात की पहले ही आशंका थी कि विपक्षी दलों का यह बेमेल गठबंधन बगैर सिद्धान्तों, पारदर्शिता और नीति के आगे नहीं बढ़ पाएगा। गठबंधन के सामने भाजपा से निपटने की असली चुनौती सीटों का तालमेल है। इस मुद्दे पर गठबंधन की बैठकों में चर्चा तक नहीं हो पाई। इस मुद्दे पर बिखराव की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि विपक्षी इंडिया ने गठबंधन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा से मुकाबला करने के लिए खड़ा किया है। इससे पहले पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में गठबंधन की कमजोर नींव खिसकती नजर आ रही है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस और सपा की बात नहीं बन पाई है, जिसे लेकर दोनों दलों के रिश्ते तल्खियों तक पहुंच गए। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की सख्त टिप्पणी के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने पलटवार किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम कमलनाथ ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस की दूसरी सूची आने पर सभी कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है और हमें जितनी उम्मीद थी उससे भी कहीं ज्यादा सीटों पर हम चुनाव जीतेंगे। अखिलेश यादव से जुड़े एक सवाल पर कमलनाथ ने कह दिया, अरे छोड़िए अखिलेश, वखिलेश। इससे समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस से नाराज हो गए हैं। उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से सीट की चाहत थी जो पूरी नहीं हुई। इसके साथ ही यह भी कह रहे हैं कि गठबंधन के रूपरेखा को वह शायद समझ नहीं पाए। बीते दिनों उन्होंने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को निशाने पर लेते हुए चिरकुट नेता बोल दिया। अब एमपी चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे कमलनाथ ने भी अखिलेश को इसी लहजे में जवाब दिया। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा एक भी सीट नहीं दिए जाने से नाराज समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखे लहजे में कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को अपने छोटे नेताओं को उनकी पार्टी के बारे में टिप्पणी करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। सपा प्रमुख ने कहा कि यदि उन्हें पता होता कि इंडिया गठबंधन बस राष्ट्रीय स्तर के लिए है तो उनकी पार्टी के नेताओं ने मध्य प्रदेश की बैठक में शामिल होने के लिए कांग्रेस का फोन नहीं उठाया होता। सीतापुर में उन्होंने कटाक्ष भरे स्वर में कहा कि मैं भ्रमित हो गया था। यादव ने कहा कि यदि यह गठबंधन केवल संसदीय चुनाव के लिए है तो उनकी पार्टी इसे स्वीकार करती है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि जब 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सीटों के बंटवारे पर चर्चा होगी तो कांग्रेस के लिए मुश्किल होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में गठबंधन केवल केंद्र के लिए होगा तो इस पर उस वक्त चर्चा की जाएगी और जिस तरह समाजवादी पार्टी के साथ बर्ताव किया गया, यहां उन्हें भी वैसा ही बर्ताव नजर आयेगा। आगामी मध्य प्रदेश चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि यदि मुझे पहले दिन पता होता कि विधानसभा स्तर पर कोई गठजोड़ नहीं होगा तो हमारी पार्टी के नेता बैठकों में नहीं जाते। हमने उन्हें सूची नहीं दी होती कि सपा मध्य प्रदेश में किन-किन और कितनी सीटों पर चुनाव लडना चाहती है और न ही हम उनका फोन उठाते। समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने 22 और उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए। पार्टी अब तक कुल 31 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। यादव ने कहा कि यदि प्रदेश स्तर पर कोई गठबंधन नहीं है तो हम इसे स्वीकार करते हैं और अपनी पार्टी के उम्मीदवार घोषित करते हैं। इसमें हमने क्या गलत किया है। भाजपा इंडिया में शामिल दलों की एकता को लेकर खिल्ली उड़ाने में पीछे नहीं रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के अन्य नेता इंडिया गठबंधन को पहले ही भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का गठबंधन बताते हुए तंज कस चुके हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की बयानबाजी पर कहा कि दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती, ऐसा कहीं होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को एक साल तक धोखे में रखा। जिन शब्दों का प्रयोग उन्होंने (अखिलेश यादव) किया है, उससे उनके मन की स्थिति को समझा जा सकता है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस, सपा और आप तीनों लड़ रहे हैं। ये किस बात का गठबंधन है? जनता आश्चर्य के साथ इस गठबंधन को देख रही है कि आज जब ये आपस में लड़ रहे हैं तो इनके हाथों में देश का भविष्य कैसे होगा? इतना ही नहीं विपक्षी एकता गठबंधन को तृणमूल की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी मुश्किल में डाल दिया। अब इस मामले से तृणमूल ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा को कोसने में पीछे नहीं रही हैं। हालांकि इस मुद्दे पर विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक से मात खा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख को देखते हुए विपक्षी दलों को याचिका वापस लेने को मजबूर होना पड़ा था। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने विपक्षी एकता की अच्छी किरकिरी करा दी है। इससे भाजपा को विपक्ष के भ्रष्टाचार को लेकर फिर से चुनावी मुद्दा मिल गया है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी सांसद महुआ के मामले की जांच कर रही है। कमेटी का कहना है कि उसे उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। दर्शन हीरानंदानी ने माना है कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के लिए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को रिश्वत दी थी। एथिक्स कमेटी के प्रमुख विनोद सोनकर ने कहा कि हमें दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। आरोप बहुत गंभीर हैं। कमेटी निशिकांत दुबे की शिकायत पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। जरूरत पड़ी तो महुआ मोइत्रा को भी बुलाया जाएगा। भाजपा के निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि मोइत्रा ने अदाणी समूह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से संसद में सवाल पूछने के लिए रिश्वत ली थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे पत्र में भाजपा सांसद ने तृणमूल नेता पर संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन, सदन की अवमानना और आपराधिक साजिश का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव के कांग्रेस पर लगाए गए आरोप और तृणमूल सांसद मोइत्रा के मामले से पहले विपक्षी गठबंधन के दल डीएमके नेता उदयगिरी द्वारा सनातन धर्म पर दिए गए बयान को लेकर भाजपा के निशाने पर रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस सहित दूसरे बचाव की मुद्रा में आ गए।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख को देखते हुए विपक्षी दलों को याचिका वापस लेने को मजबूर होना पड़ा था। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने विपक्षी एकता की अच्छी किरकिरी करा दी है। इससे भाजपा को विपक्ष के भ्रष्टाचार को लेकर फिर से चुनावी मुद्दा मिल गया है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी सांसद महुआ के मामले की जांच कर रही है। कमेटी का कहना है कि उसे उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। दर्शन हीरानंदानी ने माना है कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के लिए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को रिश्वत दी थी। एथिक्स कमेटी के प्रमुख विनोद सोनकर ने कहा कि हमें दर्शन हीरानंदानी का हलफनामा मिला है। आरोप बहुत गंभीर हैं। कमेटी निशिकांत दुबे की शिकायत पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। जरूरत पड़ी तो महुआ मोइत्रा को भी बुलाया जाएगा।

दृष्टिकोण

छिलकों की छाबड़ी : उसका सम्मानित होना...

राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त और कला, साहित्य, मीडिया एवं सामाजिक सेवा के लिए समर्पित एक संस्था ने पिछले दिनों उन्हें सृजनशीलता, परिपक्वता, शालीनता, कार्यशीलता, कार्यदक्षता, संवेदनशीलता और अपने समस्त कार्यों में समर्पण के लिए सम्मानित कर दिया। संस्था ने यह कामना की कि वे समाज में आदर्श स्थापित करते रहें। इस सम्मान से वे अंदर तक हिल गए। एक आम व्यक्ति जिसकी बात बात को खुराफात समझा जाता हो, में इतने गुण कैसे हो सकते हैं। भारी भरकम शब्द हमेशा परेशान करते हैं, ख़ास तौर पर वर्तमान माहौल में, जब सम्मान के लिए चौहत्तर तिकड़म लड़ाए जाते हैं। महत्त्वपूर्ण बात यह हुई कि संगठन वालों ने उन्हें गीता की एक प्रति भी भेंट की। मोमेंटो तो लकड़ी जैसी दिखती प्लास्टिक का बना हुआ था, प्रशस्ति पत्र और गीता दोनों पतले पॉलिथीन में पैक रही, जिसे पर्यावरण के लिए अब बुरा नहीं माना जाता। संस्था पर्यावरण रक्षक नहीं थी, उनका असली कर्तव्य तो सम्मान बांटते रहना है। हमारे समाज में गीता की बातें अभी भी बहुत शौक से की जाती हैं गांधी की तरह। लेकिन जैसे ही इनसान उनके बताए रास्तों पर दौडऩे बारे सोचता है, अनेक पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक किंतु, परंतु और कदाचित के कांटे उगने लगते हैं। बंदा, गांधी को त्यागकर, असामाजिक गलियों में शरण लेने लगता है। गीता, अन्य बेचारी पुरानी किताबों के साथ रखी रहती है। उसका एक श्लोक 'कर्मण्ये वाधिकारस्ते...' अधूरा याद है, वह भी इसलिए कि युवावस्था में, महाभारत सीरियल ने बार बार सुनाकर रटवा दिया। अगर इस श्लोक को जीवनसात कर लिया जाए तो फल की चिंता नहीं रहेगी, लेकिन अब ऐसा कौन कर सकता है। अब तो बढिया, स्वादिष्ट, रंगीन परिणाम प्राप्ति के लिए उचित कर्म करने के लिए कोचिंग लेने और देने का समय है। जब तक तन और मन वांछित फल प्राप्त कर, चख न लिया जाए, नींद हराम रहती है। कई बार तो दूसरों की नींद भी बर्बाद कर दी जाती है। सोशल मीडिया सारा वक्त चबा जाता है, समय नहीं बचता, तभी तो बंदा गीता अच्छी तरह से पढ़ नहीं पाता, ठीक से समझ नहीं पाता और कायाकल्प से बच जाता है। शालीनता, कर्तव्य परायणता, मानसिक शांति, सच और झूठ का ज्ञान, आत्मबल जैसी प्रवृतियों से दूर रहता है और आज के ज़माने के काबिल बना रहता है। गीता समझ ली तो जीवन में परेशानी बढ़ती जाएगी। शालीनता आ गई तो अशालीनता जीने नहीं देगी। कर्तव्य परायणता से ज़्यादा ज़रूरी स्मार्ट वर्किंग है। मानसिक शान्ति प्राप्त हो गई तो दुनिया अवांछित लगेगी। सच और झूठ का ज्ञान हो गया तो भ्रम उग आएगा। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार तो अब हमारे चारित्रिक गुण हो चुके हैं। काम वासना, मनोरंजन का हिस्सा है। क्रोध को तो योग वाले भी आवश्यक नैसर्गिक वृति मानते हैं।

देश दुनीया से

अफगानिस्तान का सिने-इतिहास और फिल्मों की दुनिया

अफगा हमारा पड़ोसी देश है, जिससे हमारा बहुत पुराना संबंध है। अफगान के विषय में फिल्मी जानकारी पहली बार एक फिल्म के माध्यम से हुई। फिल्म का नाम है, 'एस्केप फ़्रॉम तालिबान' 2003 की उज्जवला चटर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म सत्य घटना पर आधारित है। सुस्मिता बनर्जी ने एक अफगान से विवाह किया और वे वहां बस गई। फिर छः साल उनके साथ लोमहर्षक घटनाएं हुई और वे किसी तरह वहां से बच निकलीं। मगर बच नहीं पाईं 2013 में उन्हें मार डाला गया। फिल्म में मनीषा कोइराला, नवाब खान, विनीत मलिक, पृथ्वी जुत्सी एवं अली खान ने बहुत अच्छा अभिनय किया है। इसी फिल्म में पहली बार अफगान का लोकेशन देखा। मगर यह फिल्म अफगानिस्तान की नहीं थी और हम बात कर रहे हैं अफगान सिने-इतिहास की। अमीर हबिबुल्लाह खान ने 1901-1919 तक अफगानिस्तान पर शासन किया और उन्होंने ने ही इस देश का फिल्म से परिचय कराया, मगर यह परिचय दरबार तक सीमित था। आम जनता तब तक इसे न देख सकी। जनता के लिए यह 1923-24 में ही सुलभ हुआ जब पहली बार 'मैजिक बॉक्स' या 'मैजिक लालटेन' के माध्यम से मूक फिल्म दिखाई गई। अफगानिस्तान में बहुत बाद में 1946 में जाकर पहली फिल्म 'लव एंड फ़्रेंडशिप' का प्रोडक्शन हुआ। एक सूत्र के अनुसार 1949 में पहली अफगान फिल्म भारत में बनी और इसके बाद काबुल में कुछ केंद्र भारतीय फिल्म दिखाने लगे। शाह अमानोल्ला ने 1966 में अमेरिका की सहायता से अफगान फिल्म सिनेमेटिक सेंटर स्थापित किया और इस तरह अफगानिस्तान में सुसंगठित तरीके से फिल्म बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ। मगर 1978 में कम्युनिस्ट तख्तापलट के बाद अमेरिकी सहयोग पूरी तरह रुक गया तथा रूस की सहायता प्राप्त होने लगी। सरकारी फिल्म सेंटर स्थापित होने के साथ वहां डॉक्यूमेंट्री बननी शुरू हुई। शूटिंग के बाद की प्रक्रिया के लिए रील भारत, इंग्लैंड, सोवियत यूनियन भेजी जाती। फिल्में फारसी (दारी) अथवा पश्तो भाषा में बन रही थीं। 1970 में एक बार सरकार ने सिनेमा-त्रयी दिखाई। इसमें 'तलबगार', 'शब ए जुमा' तथा 'द स्मगलर्स' तीन फिल्में 'द टाइम्स' शीर्षक के अंतरगत दिखाई गईं। तीनों फिल्मों को बनाने वाले तथा अभिनेता भिन्न थे। पहली 'तलबगार' (स सूटर) 39 मिनट लम्बी फिल्म में एक दुष्ट आदमी एक लड़की का शादी के लिए हाथ पाने हेतु तमाम जतन करता है मगर उसका छल लड़की के परिवार के सामने खुल जाता है। 31 मिनट की दूसरी फिल्म एक आदमी तथा उसकी होने वाली पत्नी के परिवार के बीच एक डिनर के इंतजाम को लेकर चलने वाले नाटक से संबंधित है। तीसरी फिल्म इनमें सबसे लंबी थी और जैसा कि नाम है यह एक स्मगलर गैंग के बारे में है, जो एक बड़ा प्लान बना रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय पुलिस उसे असफल कर देती है। इन फिल्मों की विशेषता थी कि ये अफगानिस्तान सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रड्यूस की गई थीं। आठवें दशक में इंजीनियर लतीफ, हुमायूं मोरोवत, सदीग बारमाक, अहद जोवन जैसे सिने-निर्देशक अफगानिस्तान में हुए। इंजीनिरिंग की पढ़ाई करने के कारण लतीफ को यह नाम मिला। उनका असली नाम अब्दुल लतीफ अहमदी है। 1950 में काबुल में जन्मे लतीफ अफगानिस्तान का सर्वाधिक प्रसिद्ध सिने-निर्देशक है। वे निर्देशन के अलावा लेखन तथा सिनेमाटोग्राफ़र हैं। उनकी 'परिंदे है महाजिर' तथा 'सबूर, द सोल्जर' फिल्म को नामांकन मिला था।

फिल्म का नाम है, 'एस्केप फ़्रॉम तालिबान' 2003 की उज्जवला चटर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म सत्य घटना पर आधारित है। सुस्मिता बनर्जी ने एक अफगान से विवाह किया और वे वहां बस गई। फिर छः साल उनके साथ लोमहर्षक घटनाएं हुई और वे किसी तरह वहां से बच निकलीं। मगर बच नहीं पाईं 2013 में उन्हें मार डाला गया। फिल्म में मनीषा कोइराला, नवाब खान, विनीत मलिक, पृथ्वी जुत्सी एवं अली खान ने बहुत अच्छा अभिनय किया है। इसी फिल्म में पहली बार अफगान का लोकेशन देखा। मगर यह फिल्म अफगानिस्तान की नहीं थी और हम बात कर रहे हैं अफगान सिने-इतिहास की। अमीर हबिबुल्लाह खान ने 1901-1919 तक अफगानिस्तान पर शासन किया और उन्होंने ने ही इस देश का फिल्म से परिचय कराया, मगर यह परिचय दरबार तक सीमित था। आम जनता तब तक इसे न देख सकी। जनता के लिए यह 1923-24 में ही सुलभ हुआ जब पहली बार 'मैजिक बॉक्स' या 'मैजिक लालटेन' के माध्यम से मूक फिल्म दिखाई गई।

किसी भी विवाद को शांतिपूर्वक तरीके से नहीं सुलझा पा रहा संगठन', भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने यूएनएससी को घेरा

संयुक्त राष्ट्र ।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की ओपन डिबेट चल रही है। इस दौरान संवाद के माध्यम से शांति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें विवादों की रोकथाम और शांतिपूर्ण समाधान के लिए क्षेत्रीय, उपक्षेत्रीय और द्विपक्षीय व्यवस्थाओं के योगदान पर चर्चा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान पर जमकर हमला किया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र कोई भी विवाद शांतिपूर्वक सुलझा नहीं पा रहा है।

पाकिस्तान कर रहा दुरुपयोग – भारत की स्थायी प्रतिनिधि कंबोज ने कहा, 'मैं यह कहने के लिए बाध्य हूं कि पाकिस्तान एक बार फिर सुरक्षा परिषद के अगस्त फोरम का दुरुपयोग करने पर उतर आया है। उनकी टिप्पणियां निराधार हैं और इसलिए उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग हैं।

दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही – रुचिरा कंबोज ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है। हमारे लिए बहुपक्षीय संस्थानों में विश्वास का पुनर्निर्माण कैसे किया जाए, इस पर ईमानदार बातचीत करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर किसी भी विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करने का आह्वान करता है। हमने पहले भी कई उदाहरण देखे हैं, जहां द्विपक्षीय चर्चाएं अधिक प्रभावी रही हैं। भारत की स्थायी प्रतिनिधि कंबोज ने कहा कि बातचीत से किसी भी समाधान का हल खोजा जा सकता है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय व उप-क्षेत्रीय संगठनों का समर्थन करते हैं। शांति लाने के लिए इन संगठनों को क्षेत्रीय ताकतों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करने के लिए पुर्नविन्यास करने की आवश्यकता है। संभावित क्षेत्रीय साझेदारों के साथ-साथ राज्यों की क्षमताओं का निर्माण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'हमें संसाधनों और अच्छी तरह से परिभाषित जनादेशों के साथ अफ्रीकी नेतृत्व वाले शांति अभियानों का समर्थन करने की भी आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र की मुख्य निकाय को बनाया अप्रभावी – रुचिरा कंबोज ने कहा, 'इनमें से कोई भी बात मायने नहीं रखती अगर हम कहते कि हम संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने में असमर्थ हैं क्योंकि इसकी मुख्य निकाय को ही अप्रभावी बना दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'जब तक हम व्यापक सुधार नहीं करते और इस परिषद को व्यवस्थित नहीं करते, हमें विश्वसनीयता के निरंतर संकट का सामना करना पड़ता रहेगा। इसलिए सुधार करने की आवश्यकता है। भारत का मानना है कि विश्वास के बिना एकजुटता नहीं हो सकती।

न्यूज ब्रीफ

हमास-इजराइल युद्ध के बीच इस बड़े बैंकिंग समूह की कर्मचारी ने किया यहूदी विरोधी पोस्ट, कंपनी ने निकाला

यरुशलम । आतंकी संगठन हमास के इजराइल पर सात अक्तूबर को सुबह अचानक किए गए हमले के बाद दोनों के बीच संघर्ष जारी है। इन हमलों में अभी तक साढ़े पांच हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइल-हमास के बीच का युद्ध विनाशकारी हो चुका है। इन सबके बीच एक सिटी बैंक की एक महिला कर्मचारी की नौकरी चली गई। दरअसल, उस पर यहूदी विरोधी पोस्ट करने का आरोप लगा है। सिटीग्रुप ने सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्ट डालने के मामले में अपनी पर्सनल बैंकर नोजिमा हुसैनोवा को हटा दिया है। इस पोस्ट में हिटलर द्वारा यहूदियों के नरसंहार का एक तरह से समर्थन किया गया था। गाजा में हालिया घटनाओं के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराने वाले इस पोस्ट की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। हुसैनोवा ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'समझा जा सकता है कि हिटलर इन सबसे क्यों मुक्ति चाहता था।' इस ट्वीट का मतलब निकाला जा रहा है कि नोजिमा उस प्रसंग का जिक्र कर रही थी, जिसमें हिटलर ने यहुदी समाज को चुन चुन कर मारने का आदेश दिया था। उनके यह ट्वीट करते ही सोशल मीडिया पर आलोचना होने लगी। वहीं, लोग सिटी बैंक पर भी भड़ास निकालने लगे। एक यूजर ने कहा कि क्या यही आपके कर्मचारी का रवैया यहुदी समाज के लिए हैं। जब लोग सोशल मीडिया पर नोजिमा को निशाना बनाने लगे तो बैंक भी हरकत में आया और जवाब में लिखा कि हम उचित कार्रवाई कर रहे हैं। बैंक इस तरह की हेट स्पीच का समर्थन नहीं करता है। बाद में सिटी बैंक ने बताया कि उन्होंने यहुदी समाज के खिलाफ टिप्पणी करने वाली महिला कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया है। जब सिटी बैंक ने अपनी महिला कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया तो सोशल मीडिया पर लोगों ने बैंक की कार्रवाई की तारीफ की।

फाइजर के कोरोना टीके में मिला कैंसर वाला वायरस डीएनए, हेल्थ कनाडा की रिपोर्ट में खुलासा

ओटावा। हेल्थ कनाडा की एक रिपोर्ट के मुताबिक फार्मा कंपनी फाइजर के कोरोना टीके में कैंसर पैदा करने वाले सिमियन वायरस 40 (एसवी40) डीएनए सीक्वेंस मिला है। हालांकि, फाइजर ने इस डीएनए के बारे में पहले कोई खुलासा नहीं किया था। रिपोर्ट में पुष्टि के बाद वैज्ञानिकों के बीच बहस भी शुरू हो गई है। कुछ का कहना है कि इस डीएनए में कैंसर पैदा करने की क्षमता है तो कुछ अन्य का मानना है कि इससे कोई खतरा नहीं है। स्थानीय मीडिया को लिखे ई मेल में हेल्थ कनाडा ने कहा, हम प्रायोजकों से अपेक्षा करते हैं कि वे जानकारी दाखिल करते वक्त प्लास्मिड (जैसे कि एसवी40 एन्हांसर) के भीतर किसी भी जैविक रूप से कार्यात्मक डीएनए अनुक्रम की पहचान करें। हालांकि, प्रारंभिक फाइलिंग के समय फाइजर प्लास्मिड का पूरा डीएनए सीक्वेंस प्रदान किया गया था, प्रायोजक ने विशेष रूप से एसवी40 सीक्वेंस की पहचान नहीं की थी। नियामक ने कहा, वैज्ञानिकों केविन मैककर्नन और डॉ. फिलिप जे. बर्खोल्ट्स ने सार्वजनिक रूप से इस साल की शुरुआत में टीकों में एसवी40 एन्हांसर की उपस्थिति का मुद्दा उठाया था।

महिला सहकर्मी से अवैध संबंध की मांग, पीएम मेलोनी के पूर्व साथी गिआम्ब्रुनो का रिकॉर्डिंग वायरल

रोम । इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी के साथी एंड्रिया गिआम्ब्रुनो से जुड़ा एक रिकॉर्डिंग वायरल हो रहा है। जिसके बाद से ही पत्रकार एंड्रिया गिआम्ब्रुनो को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रिकॉर्डिंग में एंड्रिया गिआम्ब्रुनो को महिला सहकर्मी पर अभद्र टिप्पणियां करते हुए सुना गया। आपको बता दें इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी 10 साल के लंबे रिश्ते बाद साथी एंड्रिया गिआम्ब्रुनो से अलग हो गई है। रिकॉर्डिंग के मुताबिक जियाम्ब्रुनो एक महिला सहकर्मी से अवैध संबंधों में शामिल होने की बात कर रहे हैं। यहां तक कि उन्हें यह बोलते हुए सुना गया कि क्या वह इसमें शामिल होना चाहती हैं टेलीविजन पत्रकार जियाम्ब्रुनो को हाल के सप्ताहों में उनकी लैंगिकवादी टिप्पणियों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। बता दें कि जियाम्ब्रुनो एक सामचार चैनल में बतौर एंकर के तौर पर कार्यरत हैं। जियाम्ब्रुनो को ऑफ एयर प्रसारित उनके हालिया शो के वीडियो अंशों में उन्हें अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए सुना गया है। पिछले महीने मेलोनी ने पत्रकारों से कहा था कि जियाम्ब्रुनो की टिप्पणियों पर उनका मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए और भविष्य में वह उनके व्यवहार के बारे में सवालों का जवाब नहीं देंगी।

गाजा में 100 ठिकानों पर बमबारी

हमास का नौसेना कमांडर ढेर, रक्षा मंत्री बोले- पट्टी पर नियंत्रण की योजना नहीं

यरुशलेम ।
इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया है। इसमें उसके टनल और हथियारों के डिपो शामिल हैं। इजराइल के हवाई हमले में हमास का एक और शीर्ष कमांडर मबदुह शालबी भी मारा गया है। इजराइल ने साफ कर दिया है कि गाजा पट्टी में हमास के नेतृत्व और उसके सैन्य क्षमता को पूरी तरह से खत्म करने के बाद उसका अभियान पूरा हो जाएगा। रक्षामंत्री योव गैलेंट ने कहा कि गाजा पट्टी पर नियंत्रण की उसकी कोई योजना नहीं है। इजराइली सेना ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी अभियान चलाकर 5 बच्चों समेत 13 फलस्तीनियों को मार गिराया। शालाबी समुद्र के रास्ते इजराइल के खिलाफ आतंकी हमलों में शामिल था। उसे हमास के एक ऑपरेशनल कमांड सेंटर में निशाना बनाया गया। वहीं, गाजा पट्टी में जमीनी हमले से पहले इजराइली सेना ने लेबनान से लगने वाली सीमा पर अपने सबसे बड़े शहर किर्यत शमोना को खाली करने का आदेश दिया है। इजराइल को हिज्बुल्ला की तरफ से हमले की आशंका है। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि गाजा पर हमले के लिए तीन चरणों की रूपरेखा तैयार की गई है। पहला चरण वर्तमान सैन्य अभियान है जिसका उद्देश्य हमास के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है। दूसरा चरण कम आक्रामक होगा, इसमें जहां-तहां से उठने वाले प्रतिरोध को खत्म किया जाएगा।

अल कुद्स अस्पताल खाली कराने की अपील – इजराइली मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने शुक्रवार को उत्तरी गाजा स्थित अल कुद्स अस्पताल को खाली करने की तत्काल अपील की। उनका कहना है कि अल-अहली अस्पताल जैसी एक और दुखद घटना रोकने के लिए यह अपील की गई है। अस्पताल में 400 से अधिक मरीज और लगभग 12000 विस्थापित नागरिक रहते हैं। सोसाइटी का कहना है कि इजराइली हमले के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

हमास को जानवरों की तरह मारेंगे – इजराइल के कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री एवी डाइचर ने कहा कि हमास समूह ने जानवरों की तरह व्यवहार किया है। उनका देश युद्ध के दौरान और उसके बाद भी हमास के आतंकियों को जानवरों की तरह निशाना बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमास जैसे समूहों के खिलाफ लड़ने के लिए औचित्य की आवश्यकता नहीं है जिसने ऐसा व्यवहार किया है जैसे कोई जानवर किसी दूसरे जानवर का शिकार करने के लिए करता है। हम युद्ध रोकने नहीं जा रहे हैं। किसी को भी छोड़ेंगे नहीं।

युद्ध में मृतकों की संख्या 5,500 के पार – इजराइल और हमास के युद्ध में दोनों तरफ के अब तक 5,500 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाजा से स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइली हमले में 4,137 फलस्तीनियों की मौत हुई है और 12,500 से अधिक घायल हुए हैं।

पाकिस्तान पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने वतन वापसी की, चार साल बाद पाकिस्तान की जमीन पर रखा कदम

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को चार सालों के निर्वासन के बाद वापस पाकिस्तान लौट आएं हैं। बीते चार सालों से वह लंदन में रह रहे थे और वहीं अपनी बीमारी का इलाज करा रहे थे। पूर्व कानून मंत्री सीनेटर आजम तरार और पार्टी नेताओं सहित पीएमएल-एन सुप्रीमो की कानूनी टीम उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद है। तरार ने कहा कि नवाज के आगमन पर उनसे राजनीतिक और कानूनी मुद्दों पर सलाह ली जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वीआईपी लाउंज में जाएंगे। इससे पहले, पाकिस्तान के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ को ले जाने के लिए बुक किए गए विशेष विमान को देश में उतरने की अनुमति दे दी थी। इस बीच, विपक्षी दलों ने उनकी वापसी के लिए किए जा रहे विशेष इंतजाम की आलोचना की थी। वर्ष 2020 में मिली जमानत के बाद से ही शरीफ ब्रिटेन में रह रहे थे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज को उम्मीद है कि उन्हें पाकिस्तान लौटते ही जेल नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पहले ही उन्हें अस्थायी राहत दे दी है। तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में भी कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी निलंबित कर दी है। पार्टी नेताओं ने शरीफ को पाकिस्तान लाने के लिए निजी विमान किराये पर लिया है।

गाजा की सहायता के लिए बना रहे हैं योजना

जल्द दिखेगा विकास, अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन की टिप्पणी

वाशिंगटन ।
इजराइल और हमास के बीच दो सप्ताह से युद्ध जारी है, जिसमें अब तक करीब 4000 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री ने कहा कि गाजा में सहायता सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने इसके लिए इजराइल और मिस्र की सरकारों के साथ काम भी किया है।

सहायता पहुंचाने के लिए योजना करेंगे विकसित – अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह युद्ध को लेकर मैं विभिन्न देशों की यात्रा पर था। इस दौरान गाजा में सहायता पहुंचाना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक था। सहायता पहुंचाने के लिए हम एक योजना विकसित करेंगे। योजना पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इजराइल दौरे के दौरान मुहर लगाई थी। अमेरिका, मिस्र और इजराइल के साथ-साथ मध्य पूर्व मानवीय मुद्दों के लिए विशेष दूत डेविड सैटरफील्ड के साथ काम कर रहा है। जल्द ही आपको इसमें विकास दिखेगा।

कतर सरकार को कहा धन्यवाद – इसके अलावा, हमास द्वारा अमेरिका के दो बंधकों को छोड़ने के मामले में भी ब्लिंकन ने टिप्पणी की। उन्होंने बंधकों को छुड़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कतर सरकार का शुक्रिया अदा किया। ब्लिंकन ने कहा कि इजराइल में अमेरिकी दूतावास की टीम जल्द ही शिकागो के रहने वाले दो अमेरिकी बंधकों- मां और बेटी से मुलाकात करेगी, जिन्हें सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल से बंधक बना लिया था। उन्होंने कहा कि कई देशों के लगभग 200 अन्य बंधकों में अभी भी 10 अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। ब्लिंकेन ने कहा कि हमास को सभी बंधकों को रिहा करना चाहिए।

युद्ध में अमेरिका के यह चार उद्देश्य – इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इस युद्ध में हमारे चार मुख्य उद्देश्य हैं। पहला कि हम इजराइल के साथ हैं। दूसरा- किसी और देश में युद्ध के कारण संघर्ष न हो। तीसरा- अमेरिकी नागरिकों सहित इजराइली बंधकों की रिहाई हो।

बाइडन सरकार करने जा रही एच1बी वीजा कार्यक्रम में बदलाव, क्या होगा इसका असर

वॉशिंगटन ।
अमेरिका की बाइडन सरकार विदेशी कर्मचारियों को यूएसए में काम करने के लिए जारी किए जाने वाले एच1बी वीजा कार्यक्रम में बदलाव करने जा रही है। यह बदलाव विदेशी कर्मचारियों की क्षमता को बेहतर करने, विदेशी छात्रों को ज्यादा लचीलापन मुहैया कराने और गैर अप्रवासी कामगारों को काम के बेहतर हालात देने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। नए नियमों को आगामी 23 अक्तूबर को यूएस सिटिजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेस द्वारा फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित कर दिया जाएगा।

क्यों हो रहे बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एच1बी वीजा की तय संख्या यानी कि 60 हजार की सीमा में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। फिलहाल अमेरिकी सरकार ने नियमों में बदलावों पर लोगों की प्रतिक्रिया और सुझाव मांगे हैं। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने बताया कि प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य पात्रता आवश्यकताओं को बेहतर करना, कार्यक्रम दक्षता में सुधार करना, नियोक्ताओं और कर्मचारियों को ज्यादा फायदा और लचीलापन प्रदान करना और अखंडता उपायों को मजबूत करना है। बता दें

कि एच1बी वीजा कार्यक्रम की मदद से अमेरिकी नियोक्ता, अमेरिकी कर्मचारियों के सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए, अपनी व्यवसायिक जरूरतों को पूरा करने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए विदेशी कुशल कर्मचारियों को नियुक्त कर सकता है।

किए गए हैं ये बदलाव

अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी के सचिव एलेजांदरो एन मेयरकास ने एक बयान में बताया कि जो बाइडन-कमला हैरिस प्रशासन की प्राथमिकता वैश्विक टैलेंट को आकर्षित करना, मौजूदा कर्मचारियों पर पड़ रहे बोझ को कम करना और इमीग्रेशन सिस्टम में धोखाधड़ी को रोकना है। अभी जो प्रक्रिया है, उसमें एक उम्मीदवार कई नामांकन कर सकता है, ऐसे में उसके ही चुने जाने की संभावना बढ़ जाती है।

इजराइल-यूक्रेन के लिए बाइडन ने अमेरिकी संसद से मांगे 105 अरब डॉलर, बोले- यह समय टर्निंग पॉइंट

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल और यूक्रेन को आर्थिक मदद देने के लिए कांग्रेस से 105 अरब डॉलर की मदद देने की अपील की है। बाइडन ने ओवल ऑफिस से देश को संबोधित किया और इस दौरान कहा कि यह अमेरिकी इतिहास का टर्निंग पॉइंट का समय है। बाइडन ने कहा कि इस रकम से रूस के क्रूर हमले से जूझ रहे यूक्रेन और हमास के बर्बर हमले से जूझ रहे इजराइल को मदद मिलेगी। साथ ही गाजा पट्टी में मानवीय मदद दी जा सकेगी।

इजराइल यूक्रेन को होगी फंडिंग – यूएस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट डायरेक्टर शालांदा यंग ने अमेरिकी स्पीकर पैट्रिक मैकहेनरी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उक्त फंड की मांग की गई है। पत्र के अनुसार, इस फंड में से इजराइल को 14.3 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी जाएगी और 61.4 अरब डॉलर यूक्रेन को दिए जाने हैं। साथ ही गाजा पट्टी में राहत सामग्री के लिए भी 9.15 अरब डॉलर, 7.4 अरब डॉलर ताइवान और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुरक्षा के लिए, और 13.6 अरब डॉलर अमेरिका मैक्सिको सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए मांगे गए हैं।

पत्र में यंग ने लिखा कि दुनिया देख रही है और

अमेरिकी लोग नेताओं से उम्मीद कर रहे हैं कि वह एकजुट हों और इन मुद्दों पर साथ आएं। वहीं बाइडन की अपील के बाद सीनेट के बहुमत के नेता चक शूमर ने भी इस पैकेज की तारीफ की और कहा कि वह कोशिश करेंगे कि यह पैकेज जल्द पास हो जाए।

हथियारों की सप्लाई में खर्च किया जाएगा अधिकतर फंड – चक शूमर ने कहा कि यह विधेयक बेहद महत्वपूर्ण है और इसके लिए सदन में जारी हंगामे को शांत होने का इंतजार नहीं किया जा सकता। सीनेट के डेमोक्रेट सांसद इस अपील पर तेजी से कदम बढ़ाएंगे और हम उम्मीद कर रहे हैं कि रिपब्लिकन सांसद भी इस विधेयक को जल्द से जल्द पास कराने में मदद करें। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेन को दिए जाने वाले 61 अरब डॉलर में से आधे से ज्यादा रकम हथियार और गोला बारूद मुहैया कराने में इस्तेमाल होगी। वहीं बचे हुए फंड को आर्थिक और लॉजिस्टिक और शरणार्थियों के कल्याण के काम पर खर्च किया जाएगा। इजराइल को दिए जा रहे पूरे फंड का इस्तेमाल रक्षा सौदों पर खर्च किया जाएगा।

सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की तैयारी – रिपोर्ट के अनुसार, 13 अरब डॉलर सीमा सुरक्षा, सीमा पर पेट्रोलिंग को बेहतर करने, इमीग्रेशन जजों और शेल्टर और डिटेंशन सेंटर्स पर खर्च किए जाएंगे। एक अरब डॉलर फेंटानिल तस्करी से निपटने में खर्च किए जाने की योजना है। वहीं 9 अरब डॉलर फलस्तीन, इजराइल और यूक्रेन में हिंसा प्रभावित लोगों की मानवीय मदद के लिए खर्च किए जाएंगे। ताइवान और हिंद प्रशांत की सुरक्षा के लिए मांगे गए सात अरब डॉलर के फंड से इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के उपाय किए जाएंगे। तीन अरब डॉलर यूएस सबमरीन के निर्माण, दो अरब डॉलर विदेशी सेना की वित्तीय मदद के लिए खर्च किए जाएंगे।

राजनयिकों के भारत छोड़ने पर अमेरिका ने जताई चिंता

कहा- विवाद सुलझाने के लिए मिशन की मौजूदगी जरूरी

वॉशिंगटन ।
अमेरिका ने कनाडाई राजनयिकों के भारत छोड़ने पर चिंता जताई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बायन में कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि भारत राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करेगा। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हम कनाडा के राजनयिकों के भारत छोड़ने से चिंतित हैं। हमने भारत सरकार से कनाडा की राजनयिक उपस्थिति में कमी पर जोर नहीं देने और कनाडाई जांच में सहयोग करने का आग्रह किया है।

विदेश विभाग के अधिकारी मिलर ने कहा कि मतभेदों को सुलझाने के लिए संबंधित देश में राजनयिकों की उपस्थिति जरूरी होती है। हम उम्मीद करते हैं कि भारत राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करेगा, जिसमें कनाडा के राजनयिक मिशन के मान्यता प्राप्त अधिकारियों को मिले विशेषाधिकार भी शामिल हैं।

भारत की चेतावनी पर कनाडा ने वापस बुलाए अपने 41 राजनयिक – खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर जारी विवाद में भारत के कड़े रुख के बाद कनाडा को अपने 62 में से 41 राजनयिकों व उनके परिजनों को वापस बुलाना पड़ा है। अब नई दिल्ली स्थित कनाडा उच्चायोग में सिर्फ 21 राजनयिक रहेंगे। हालांकि, कनाडाई राजनयिकों की संख्या 10 अक्तूबर तक कम करनी थी। कनाडा ने निजी बातचीत में भारत को मनाने की कोशिश की, पर बात नहीं बनी। कनाडा के पीएम जस्टिन त्रूदो ने कहा, इस कार्रवाई से भारत-कनाडा में लाखों लोगों के लिए सामान्य जीवन कठिन हो गया है। वहीं, विदेश मंत्री मेलनी जोली ने ओटावा में कहा, चंडीगढ़, मुंबई व बंगलूरू के वाणिज्य दूतावासों में

वीजा से जुड़ी सभी तरह की व्यक्तिगत सेवाएं बंद की जा रही हैं। इन दूतावासों के सभी कनाडाई कर्मचारियों को दिल्ली उच्चायोग भेजा गया है, क्योंकि वहां कर्मचारियों की खासी कमी है। जोली ने आरोप लगाया, भारत की कार्रवाई राजनयिक संबंधों पर वियना संधि का उल्लंघन है। कनाडा मामले को आगे बिगाड़ना नहीं चाहता, लिहाजा जवाबी कार्रवाई नहीं की जाएगी। जोली ने कहा, भारत के राजनयिक छूट खत्म होने से राजनयिकों और उनके परिवारों के लिए खतरे की आशंका थी। लिहाजा, हमने उनकी सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करते हुए 20 अक्तूबर से पहले उन्हें भारत से निकाल अलग-अलग मिशनों में तैनात कर दिया है।

भारत की दो टूक...किसी भी नियम का नहीं किया उल्लंघन – कनाडा की ओर से राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के उल्लंघन वाले आरोप के जवाब में विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को दो टूक कहा कि दिल्ली और ओटावा में राजनयिक उपस्थिति में समानता की बात कर भारत ने किसी अंतरराष्ट्रीय नियम का उल्लंघन नहीं किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, राजनयिक क्षमता की समानता को लागू करने की भारत की मांग वियना संधि के अनुच्छेद 11.1 के अनुरूप है। भारत में कनाडाई राजनयिकों की अधिक संख्या और हमारे आंतरिक मामलों में निरंतर हस्तक्षेप के कारण नई दिल्ली व ओटावा में राजनयिक उपस्थिति में 'समानता' की मांग की गई है।

वीजा देने में होगी देरी – कनाडा के नागरिकता, आव्रजन और शरणार्थी मामलों के मंत्री मार्क मिलर ने कहा, राजनयिक तनाव की वजह से दोनों देशों के रिश्तों की खटास का थोड़ा असर जरूर पड़ेगा। कनाडा भारत से अस्थायी व स्थायी निवासी आवेदनों को स्वीकार करता रहेगा, पर वीजा आवेदनों में अब पहले से अधिक समय लगेगा। राजनयिकों की वापसी के बाद आव्रजन और वीजा का काम देखने वाले कर्मचारियों की संख्या 27 से घटकर महज पांच रह गई है। कनाडा में अभी 16.89 लाख भारतीय रहते हैं।

राष्ट्र हमेशा पुलिस कर्मियों की बहादुरी साहस और सर्वोच्च बलिदान का ऋणी रहेगा : उप राज्यपाल

श्रीनगर (हिंस)। पुलिस स्मृति दिवस पर जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को शहीद स्मारक सशस्त्र पुलिस परिसर, जेवान में पुलिस एवं सीएपीएफ के बलिदानी कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उपराज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र हमेशा पुलिस कर्मियों की बहादुरी, साहस और सर्वोच्च बलिदान का ऋणी रहेगा, जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस दौरान जवानों द्वारा शस्त्र उलटे किए गए और शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान आफताब मलिक अध्यक्ष जिला विकास परिषद श्रीनगर, उपराज्यपाल

के सलाहकार राजीव राय भटनागर, आरके गोयल अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग, पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह और नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बलिदानी पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने फिर साधा कांग्रेस पर निशाना

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एकबार फिर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां आपसी सिर फुटव्वल और अनिर्णय की स्थिति है। शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे शेखावत ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि कांग्रेस में जिस तरह का आपसी द्वंद्व चल रहा है। वहां नेताओं के सिर फुटव्वल के चलते जिस तरह से अनिर्णय की स्थिति है। वहां सूची जारी होने से पहले भारतीय जनता पार्टी सूची जारी करेगी। आज भाजपा ने दूसरी सूची जारी कर दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूर्व विधायकों और वर्तमान विधायकों को एक बार फिर मौका दिया है। जोधपुर की सूरसागर विधानसभा सीट में पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र

जोशी जी को टिकट दिया है। भाजपा ने कार्यकर्ता के नाते उन्हें मौका दिया है। यह भाजपा है, जहां कार्यकर्ताओं को इस तरह मौका देकर पार्टी काम करने के लिए प्रतिनिधित्व के अवसर प्रदान करती है। शेखावत ने कहा कि हम सब मिलकर देवेंद्र जोशी जी को जीताने का काम करेंगे। पोखरण सीट पर प्रताप पुरी को टिकट देने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि पोखरण से प्रताप पुरी पिछली बार मात्र 700-750 वोटों के अंतर से चुनाव हार गए थे। पिछले 5 साल निरंतर उन्होंने धरातल पर रहकर भाजपा के लिए संघर्ष किया। प्रभावी विपक्ष पोखरण में दिखाई दिया। इस बार प्रचंड बहुमत से पोखरण में हम जीतेंगे। विद्यानगर से विधायक नरपत सिंह राजवी से जुड़े प्रश्न पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजवी जी चित्तौड़गढ़ से पूर्व में दो बार विधायक रहे हैं। पार्टी में उचित समझते हुए वहां से उनको अवसर प्रदान किया है। यह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है।

बीकानेर में कांग्रेस की छह सीट पर अभी भी करना होगा इंतजार

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर पश्चिम, बीकानेर पूर्व, नोखा, लूणकरनसर, खाजूवाला और श्रीडूंगरगढ़ से कांग्रेस के उम्मीदवार अब तक तय नहीं हो सके हैं। बीकानेर पश्चिम से डॉ. बीडी कल्ला, डॉ. राजू व्यास, राजकुमार किराडू, अरुण व्यास सहित कई दावेदार हैं। फिलहाल नाम घोषित नहीं होने से ये चर्चा बनी हुई है कि टिकट बदलेगा या नहीं? वहीं बीकानेर पूर्व से भाजपा की सिद्धि कुमारी और बीकानेर पश्चिम से जेठानंद व्यास की टिकट तय होने के बाद कांग्रेस अपनी रणनीति बदल सकती है। यहां कांग्रेस को भाजपा दावेदारों के नाम का इंतजार था। कांग्रेस यहां बड़ा दाव चल सकती है। वहीं नोखा से पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी की पत्नी सुशीला डूडी के नाम पर काफी चर्चा हो रही है। खाजूवाला से विधायक और वर्तमान में प्रदेश के बड़े नेताओं में शामिल गोविन्दराम मेघवाल का नाम भी अब तक नहीं आया है। यहां भी शायद भाजपा दावेदार का इंतजार हो रहा है। लूणकरनसर और श्रीडूंगरगढ़ में भी पार्टी ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। कोलायत से कांग्रेस ने एक बार फिर भंवर सिंह भाटी को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पहले से उनका नाम तय माना जा रहा था क्योंकि ऊर्जा मंत्री के रूप में सक्रिय रहे भाटी के सामने कोई मजबूत टिकट दावेदार नहीं था।

गिरफ्तार दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जल्द हो सकती है निलंबन कार्रवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार हुए दो आईएएस अधिकारियों को जल्द ही निलंबित कर सकती है। दोनों आईएएस के खिलाफ कार्रवाई को लेकर फाइल शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पहुंच गई है। हरियाणा रोजगार कौशल निगम रिश्वत मामले में आईएएस विजय दहिया को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 10 अक्तूबर की शाम को गिरफ्तार किया था। निगम में बिल पास करवाने की एवज में एंटी करप्शन ब्यूरो ने एक महिला पूनम चोपड़ा को पकड़ा था। आरोपी महिला पूनम चोपड़ा से रिश्वत के पांच लाख रुपए भी बरामद हुए थे। इसके बाद एसीबी ने 12 अक्तूबर की शाम हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एमडी आईएएस जयवीर आर्य को पंचकूला से गिरफ्तार किया था। जयवीर आर्य को एसीबी की टीम ने तीन लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। दोनों अधिकारी इस समय अंबाला जेल में हैं। एसीबी ने दोनों अधिकारियों की गिरफ्तारी को लेकर लिखित रिपोर्ट सरकार के पास नहीं भेजी। इस पर मुख्य सचिव ऑफिस की ओर से इस बारे में पत्र लिखकर नाराजगी जताई गई थी। राज्य के कार्मिक विभाग ने भी इस बारे में लिखित में जवाब मांगा था। एसीबी के द्वारा लिखित में कोई जानकारी नहीं देने के कारण सरकार अधिकारियों के सस्पेंशन को लेकर कोई फैसला नहीं कर पाई थी। हरियाणा के कार्मिक विभाग ने एसीबी से इस मामले में पूछा है कि आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी के बारे में सरकार को समय रहते क्यों नहीं बताया गया। सरकार के पास लिखित में कोई जानकारी नहीं होने के कारण दोनों अफसरों के निलंबन की कार्रवाई नहीं की जा सकी है, जबकि कानूनन नियम यह है कि किसी भी गवर्नमेंट ऑफिसर व कर्मचारी के 48 घंटे तक जेल में रहने पर उसे तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जाता है। रिश्वत मामले में फंसे हरियाणा के दो आईएएस के निलंबन पर रविवार तक फैसला हो सकता है। दोनों अफसरों से जुड़ी केस फाइलों को एसीबी ने मुख्यमंत्री कार्यालय में पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री दो दिवसीय नूंह दौरे पर हैं। शनिवार की देररात मुख्यमंत्री चंडीगढ़ लौटेंगे। इसके बाद ही दोनों सीनियर आईएएस के भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइल पर वह फैसला लेंगे।

पिछले पांच साल में हरियाणा में सात पुलिसकर्मी हुए बलिदान : डीजीपी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हरियाणा राज्य के गठन से लेकर अब तक 83 पुलिस कर्मियों ने राज्य और इसके नागरिकों की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए हैं। पिछले पांच वर्षों में देशभर के 1250 से अधिक पुलिस कर्मी तथा हरियाणा में सात पुलिसकर्मी बलिदान हुए हैं। पुलिस महानिदेशक ने शनिवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान *पुलिस शहीद स्मारक* पर पुष्प चक्र अर्पित कर भारतीय पुलिस बल के 188 जवानों के बलिदानों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज हम भारतीय पुलिस सेवा के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं जिन्होंने देश की कानून-व्यवस्था को कायम रखने, देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। आज का दिन हरियाणा पुलिस और भारतीय पुलिस सेवा के उन वीर

सपूतों के अदम्य साहस और कर्तव्य-परायणता को समर्पित है जिसके चलते हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। पुलिस महानिदेशक कपूर ने बताया कि पुलिस बलों पर देश की सीमाओं की सुरक्षा करने के साथ-साथ देश की आन्तरिक सुरक्षा का दायित्व होता है ताकि देश के भीतर और सीमाओं पर शान्ति कायम रहे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी अथवा कर्मचारी के शहीद होने पर आश्रित परिवार को नौकरी के अलावा पेंशन तथा एक करोड़ 30 लाख रुपए की राशि उपलब्ध करवाई जाती है। इसके अतिरिक्त, पुलिस विभाग में अनुबंधित आधार पर कार्यरत कर्मचारी की दुर्घटना मृत्यु होने पर आश्रित परिवार को 50 लाख रुपए प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि 21 अक्तूबर 1959 से लेकर अब तक देश के 36 हजार 214 पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि 90 के दशक में शहीद पुलिस कर्मियों की संख्या एक हज़ार से अधिक थी। इसी प्रकार वर्ष-2015 में यह संख्या 701 थी जो अब वर्ष-2023 में घटकर 188 तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि पुलिस अपना काम बेहतर तरीके से कर रही है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) ममता सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर) ओपी सिंह, आईजी एवं पुलिस आयुक्त पंचकूला सिबास कविराज, पंचकूला के उपायुक्त सुशील सारवान सहित कई अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

विधायक ने सरपंचों को दिया जनविश्वास रैली का निमंत्रण

नारनौल (हिंस)। नांगल चौधरी के विधायक डॉ. अभय सिंह यादव ने शनिवार को विनायक गार्डन नांगल चौधरी में नांगल चौधरी और निजामपुर ब्लॉक के सरपंचों के साथ विस्तृत चर्चा कर जनविश्वास रैली का निमंत्रण दिया। उन्होंने अनुरोध किया कि 10 दिसंबर रविवार को दौंगड़ा अहीर में होने वाली जनविश्वास रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें और इस रैली को कामयाब करने में वह अपना पूर्ण सहयोग दें। उन्होंने कहा कि नांगल चौधरी हलका उनकी राजनीति का उद्गम स्थल है और इस हलके की वजह से ही उन्हें 10 साल क्षेत्र की सेवा करने का अवसर मिला है। भाजपा सरकार द्वारा समस्त जिले में करवाए गए कामों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार के स्तर पर क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने पिछले 9 साल में भरपूर पैरवी की है। उन्होंने सरपंचों से कहा कि प्रस्तावित जन विश्वास रैली उनकी राजनीति का एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा। अत: उनसे अनुरोध किया कि एक परिवार की तरह सभी सरपंच इस कार्य में मेहनत करें तथा नांगल चौधरी हलके की उपस्थिति प्रभावी रूप से रैली में दर्ज करवाएं। उन्होंने यह भी बताया की 25 अक्तूबर से वे अपना ग्राम ग्रामीण संपर्क अभियान शुरू करेंगे। इसके तहत प्रत्येक गांव में जनसभा के माध्यम से लोगों से उक्त रैली में भाग लेने की अपील करेंगे। सरपंचों ने विधायक को आशवस्त किया कि जन विश्वास रैली को हर तरह से सफल बनाने के लिए वह भरपूर प्रयास करेंगे। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, नांगल चौधरी पंचायत समिति के अध्यक्ष कर्मपाल यादव, निजामपुर पंचायत समिति के अध्यक्ष विनोद यादव व पंचायत समिति नांगल चौधरी व निजामपुर के सदस्य सहित अनेक सरपंच मौजूद रहे।

पंजाब सरकार ने आठ ट्रांसपोर्ट कंपनियों के 39 परमिट किए रद्द

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए राज्य की आठ ट्रांसपोर्ट कंपनियों के 39 परमिट रद्द कर दिए हैं। इनमें अकाली दल अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल परिवार की ऑर्बिट कंपनी भी शामिल है। परिवहन विभाग के अनुसार जिन कंपनियों के परमिट रद्द किए गए हैं उनमें डबवाली ट्रांसपोर्ट के 13, ऑर्बिट के 12, जुझार बस सर्विस के 7 और न्यू दीप बस कंपनी के 3 परमिट शामिल हैं। इस मामले में आरटीए सचिव बठिंडा ने फिरोजपुर, पटियाला और जालंधर के आरटीए सचिवों को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि जो परमिट रद्द किए गए हैं।

राजस्थान विस चुनाव : भाजपा की दूसरी सूची में 83 और कांग्रेस की पहली सूची में 33 के नाम

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को 83 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी। इसके कुछ देर बाद ही कांग्रेस ने 33 प्रत्याशियों की अपनी पहली बहुप्रतिक्षित सूची जारी की। भाजपा की सूची में साफ हो गया है कि वसुंधरा राजे झालरापाटन से ही चुनाव लड़ेंगी। हालांकि नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीट बदल दी गई है। उन्हें चूरू की बजाए तारानगर से टिकट दिया गया है। वे पहले भी तारानगर से चुनाव लड़ चुके हैं। कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए उदयपुर के पूर्व राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ को नाथद्वारा से टिकट दिया गया है। कांग्रेस की सूची में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सरदारपुरा और सचिन पायलट को टोंक से टिकट दिया गया है। पायलट अभी टोंक से ही विधायक हैं। भाजपा ने 12 दिन पहले 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। इसमें सात सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया गया था। केन्द्रीय भाजपा नेतृत्व की ओर से शनिवार को जारी की गई 83 उम्मीदवारों की सूची में रायसिंहनगर (अजा) सीट से बलवीर सिंह लूथरा, अनूपगढ़ (अजा) सीट से संतोष बावरी, सांगरिया से गुरदीप सिंह शहपीणी, पीलीबंगा (अजा) से धर्मेन्द्र मोची, नोहर से अभिषेक मटोरिया, बीकानेर पश्चिम से जेठानन्द व्यास, बीकानेर पूर्व से सिद्धी कुमारी, लूणकरणसर से सुमित गोदारा, नोखा से बिहारीलाल विश्नोई, तारानगर से राजेंद्र राठौड़, चूरू से हरलाल सहारण, रतनगढ़ से अभिनेश महर्षि, सूरजगढ़ से सन्तोष अहलावत, धोद (अजा) से गोवर्धन वर्मा, नीमकाथाना से प्रेमसिंह बाजौर, श्रीमाधोपुर से झाबर सिंह खर्रा, चौमूं से रामलाल शर्मा, फुलेरा से निर्मल कुमावत, आमेर से सतीश पूनियां, मालवीय नगर से कालीचरण सराफ, सांगानेर से भजन लाल शर्मा, बगरू (अजा) से कैलाश चन्द वर्मा, चाकसू (अजा) से रामवतार बैरवा को टिकट दिया गया हैं। इसी तरह मुण्डावर से मंजीत धर्मपाल चौधरी, थानागाजी से हेम सिंह भड़ाना, अलवर शहर से संजय शर्मा, डीग-कुम्हेर से डॉ. शैलेश सिंह, धौलपुर से डॉ. शिवचरण कुशवाहा, खंडार (अजा) से जितेन्द्र गोठवाल, मालपुरा से कन्हैयालाल चौधरी, पुष्कर से सुरेश सिंह रावत, अजमेर उत्तर से वासुदेव देवनानी, अजमेर दक्षिण (अजा) से अनिता भदेल, नसीराबाद से रामस्वरूप लांबा, ब्यावर से शंकर सिंह रावत, जायल (अजा) से डॉ. मन्जू बाघमार, नागौर से डॉ. ज्योति मिर्धा, मेड़ता (अजा) से लक्ष्मणराम मेघवाल (कलरू), मकराना से सुमिता भींचर, परबतसर से मानसिंह किनसरिया, नावां से विजय सिंह चौधरी, जैतारण से अविनाश गहलोत, सोजत (अजा) से शोभा चौहान, पाली से ज्ञानचंद पारख, बाली से पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, सुमेरपुर से जोराराम कुमावत, सूरसागर से देवेन्द्र जोशी, पोकरण से महंत प्रतापपुरी महाराज, सिवाना से हमीर सिंह भायल, चौहटन (अजा) से आदूराम मेघवाल, आहोर से छगन सिंह राजपुरोहित, जालोर (अजा) से जोगेश्वर गर्ग, सिरोही से ओटाराम देवासी, पिण्डवाड़ा-आबू (अजजा) से समाराम गरासिया, रेवदर (अजा) से जगसीराम कोली, गोगुंदा (अजजा) से प्रतापलाल गमेती, झाड़ौल (अजजा) से बाबूलाल खराड़ी, उदयपुर ग्रामीण (अजजा) से फूल सिंह मीणा, उदयपुर से ताराचंद जैन, सलूम्बर (अजजा) से अमृतलाल मीणा, धरियावद (अजजा) से कन्हैयालाल मीणा, आसपुर (अजजा) से गोपीचंद मीणा, घाटोल (अजजा) से मानशंकर निनामा, गढ़ी (अजजा) से कैलाश चंद्र मीणा, चित्तौड़गढ़ से नरपत सिंह राजवी, निम्बाहेड़ा से श्रीचन्द कृपलानी, बड़ी सादड़ी से गौतम सिंह डाक, प्रतापगढ़ (अजजा) से हेमंत मीणा, कुम्भलगढ़ से सुरेन्द्र सिंह राठौड़ को भाजपा से टिकट मिला है।

पराली जलाने वाले 35 किसानों पर प्रशासन ने लगाया जुर्माना

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के टोहाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में फसल अवशेष में आगजनी घटना होने पर संबंधित व्यक्तियों पर 87 हजार 500 रुपए जुर्माना किया गया है। टोहाना, गांव कन्हड़ी, समैन, अमानी, सिब्बलवाला, डांगरा, हैदरवाला, फतेहपुरी, लालौदा, पारता, जमालपुर शेखां, गाजुवाला, धारसुल कलां, इन्दाछुई, चन्दडकलां, जापतेवाला, नन्हेड़ी, रताथेह के 35 किसानों पर धान की पराली में आगजनी करने पर यह जुर्माना लगाया गया है।

टोहाना के एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने शनिवार को बताया कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। किसान धान के अवशेष से बेल और गांठ बनाने का काम कर रहे हैं। कुछ किसानों ने पराली जलाने का काम किया है। उन पर कृषि विभाग ने जुर्माना लगाया है। उन्होंने किसानों से कहा कि वह पराली न जलाकर उसका प्रबंधन करें। इसके लिए सरकार भी उन्हें प्रोत्साहन दे रही है। एसडीएम ने कहा कि उपायुक्त एवं जिलाधीश के आदेशानुसार दंड प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा 144 के तहत धान कटाई के बचे हुए अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। फसलों के अवशेष जलाना भारतीय दंड संहिता की धारा 188 आईपीसी एवं संगठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 का उल्लंघन है व पराली में आग लगाने वाले किसानों पर सख्त कानूनी कार्रवाई, चालान, एफआईआर की जा सकती है।

मेरी माटी मेरा देश ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

जयपुर/जोधपुर (हिंस)। नेहरू युवा केंद्र जोधपुर की ओर से मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का ब्लॉक स्तरीय आयोजन आज चामू एवं देचू में किया गया। नेहरू युवा केंद्र जोधपुर के जिला युवा अधिकारी राजेश चौधरी ने बताया कि इसके अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चामू एवं आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय देचू में अमृत कलश यात्रा का आयोजन कर स्थानीय मिट्टी का संग्रहण किया गया। कार्यक्रम में वीरांगना रंभा देवी का सम्मान शॉल एवं माल्यार्पण द्वारा किया गया। बालिका ओमी ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में स्वीप के अंतर्गत मतदाता जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजयवर्द्धन आचार्य, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सिंह कुंपावत, एसीबीईआ बाबूलाल शर्मा, प्रधानाचार्य काना राम चौधरी, प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह भाटी व बीएसएफ के सहायक कमांडेंट प्रेम सहित बीएसएफ के जवान, शिक्षक व विद्यार्थि मौजूद रहे।

हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह ने कोर्ट में निजी पेशी से मांगी छूट

चंडीगढ़ (हिंस)। यौन उत्पीड़न के मामले में जांच का सामना कर रहे हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह ने शनिवार को चंडीगढ़ की अदालत में आवेदन करके निजी पेशी से छूट मांगी है। संदीप सिंह ने इस केस से जुड़े सभी दस्तावेज भी मुहैया करवाने की मांग की है। महिला कोच के आरोपों के बाद संदीप सिंह के खिलाफ पिछले साल 31 दिसंबर को चंडीगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस चालान पेश कर चुकी है। अदालत ने आरोप तय करने के लिए इस केस की सुनवाई शुरू कर दी है। शनिवार को इस केस की सुनवाई के दौरान महिला कोच की तरफ से वकील दीपांशु बंसल तथा समीर सेठी कोर्ट में पेश हुए। संदीप सिंह ने कोर्ट में आवेदन करते हुए कहा है कि उसे निजी पेशी से छूट दी जाए। संदीप सिंह के इस आवेदन पर पीड़िता की तरफ से अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। अदालत ने दूसरे पक्ष को जल्द से जल्द जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। उसके बाद अदालत इस मामले में कोई फैसला करेगा। आरोपी संदीप सिंह ने अदालत के सामने सीआरपीसी की धारा-157 के तहत मामले से जुड़े सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए अप्लाई किया है। अदालत ने पुलिस को सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए आदेश दिया है। आरोपी को यह दस्तावेज मिलने के बाद वह अपना पक्ष अदालत में रखेगा। अब संदीप सिंह केस की अगली सुनवाई चार नवंबर को होगी।

सवाई जयपुर अवॉर्ड्स 2023 का आयोजन 22 आज

जयंती पर सिटी पैलेस में 26 विभिन्न श्रेणियों में दिए जाएंगे पुरस्कार

जयपुर (हिंस)। सवाई भवानी सिंह की जयंती के अवसर पर प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार समारोह *सवाई जयपुर अवॉर्ड्स 2023* का आयोजन 22 अक्तूबर की शाम को सिटी पैलेस के प्रीतम निवास चौक में होगा। इन पुरस्कारों में 31 हजार रुपए नकद, शॉल, एक गंगा जली, प्रशस्ति पत्र और श्रीफल शामिल है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिए जाने वाले पुरस्कार हैं। इसमें राजा दूल्हा राय अवॉर्ड उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओं के लिए, राजा काकिल देव अवॉर्ड आर्किटेक्चर एवं हेरिटेज संरक्षण के लिए, राजा पजवन देव अवॉर्ड मेडिसिन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, राजा भगवंत दास अवॉर्ड जयपुर के पारंपरिक शिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, राजा मान सिंह प्रथम अवॉर्ड बहादुरी के लिए, मिर्जा राजा जय सिंह प्रथम अवॉर्ड सशस्त्र बलों में विशिष्ट सेवा के लिए, मिर्जा राजा राम सिंह प्रथम अवॉर्ड पारिस्थितिकी संतुलन एवं पर्यावरण में सुधार के लिए, महाराजा विशन सिंह अवॉर्ड ट्रेवल, टूरिज्म एवं संग्रहालय विकास में उल्लेखनीय कार्य के लिए, महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय अवॉर्ड एस्ट्रोनॉमी एवं संबंधित विज्ञान के क्षेत्र में, महाराजा सवाई ईश्वरी

सिंह अवॉर्ड पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, महाराजा सवाई माधो सिंह प्रथम अवॉर्ड राजस्थान की इमेज को भारत और विदेश में विकसित करने और बढ़ाने के लिए, महाराजा सवाई प्रताप सिंह अवॉर्ड साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, महाराजा सवाई जगत सिंह अवॉर्ड आर्ट, पेंटिंग एवं स्कल्पचर के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय अवॉर्ड फोटोग्राफी एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, महाराजा सवाई माधो सिंह द्वितीय अवॉर्ड थियेटर, फिल्म एवं टेलीविजन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त भी अवॉर्ड दिए जाएंगे। इनमें महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय अवॉर्ड- खेल में उत्कृष्टता के लिए, महारानी मरूधर कंवर अवॉर्ड- एमएसएमएस द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट और जेपीसीटी में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए, महारानी किशोर कंवर अवॉर्ड- परफॉर्मिंग आर्ट के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, राजमाता गायत्री देवी अवॉर्ड- महिला उत्कृष्टता के लिए, महाराजा सवाई भवानी सिंह अवॉर्ड- व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए, राजमाता पद्मिनी देवी अवॉर्ड- राज परिवार के प्रति वफादारी एवं उत्कृष्ट अनुशासित सेवाएं प्रदान करने के लिए, प्रिंसेस दीया कुमारी अवॉर्ड- किसी भी क्षेत्र में अचीवर, महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह अवॉर्ड- स्पोर्ट्स में यंग अचीवर को उल्लेखनीय योगदान के लिए, प्रिंसेस गौरवी कुमारी अवॉर्ड- किसी व्यक्ति या संस्थान द्वारा सोशल इंपैक्ट के लिए उल्लेखनीय स्टार्ट-अप, नवाचार और आविष्कार की शुरुआत के लिए, महाराजा लक्ष्यराज प्रकाश ऑफ सिरमौर अवॉर्ड- किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए और द रॉयल फैमिली ऑफ जयपुर अवॉर्ड- विभिन्न अवसरों पर जयपुर राज परिवार को प्रदान की गई असाधारण सेवाओं के लिए दिया जाएगा।

ब्लू जेट हेल्थकेयर का आईपीओ अगले हफ्ते ओपन होगा: 25 से 27 अक्टूबर तक कर सकेंगे अप्लाय, 25 प्रतिशत रिटर्न मिलने की उम्मीद

मुंबई।

ब्लू जेट हेल्थकेयर लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 25 अक्टूबर को को ओपन होगा। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 840.27 करोड़ जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 अक्टूबर तक बोली लगा सकेंगे। 1 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 43 शेयर के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 329-346 प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 346 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,878 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 559 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 193,414 इन्वेस्ट करने होंगे।

840.27 करोड़ के फ्रेश शेयर जारी करेगी कंपनी

इस इश्यू के लिए कंपनी 840.27 करोड़ के फ्रेश शेयर जारी करेगी। यह पूरी तरह से फ्रेस आईपीओ है, जिसके लिए कंपनी 24,285,160 शेयर जारी करेगी। कंपनी के प्रमोटर या अन्य निवेशक अपने शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए नहीं बेच रहे हैं।

35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व

आईआरएम एनर्जी लिमिटेड के आईपीओ का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है।

इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 24.57 प्रतिशत रिटर्न

ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 24.57 प्रतिशत यानी 85 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्राइस के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड 346 के लिहाज से इसकी लिस्टिंग (346+85=431) 431 के प्रीमियम के साथ हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने रूस से खरीदा करीब 12 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल, सऊदी अरब से आयात लगभग 22 फीसदी घटा

नई दिल्ली। सितंबर में रूस से भारत का मासिक कच्चा तेल आयात 11.8 फीसदी बढ़कर लगभग 15.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) हो गया है। साथ ही, सऊदी अरब से आयात लगभग 22 फीसदी घटकर 5,27,000 बीपीडी हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के अप्रैल-सितंबर में कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी एक साल पहले के 17 फीसदी से बढ़कर लगभग 40 फीसदी हो गई है। आयात में अफ्रीका की हिस्सेदारी आधी होकर 4 फीसदी हो गई, जबकि अमेरिकी तेल की हिस्सेदारी 2.8 प्रतिशत से बढ़कर 3.2 फीसदी हो गई। मध्य पूर्वी देशों की हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी से घटकर 44 फीसदी हो गई। भारत का अप्रैल-सितंबर तेल आयात एक साल पहले से 1.6 फीसदी कम होकर लगभग 45 लाख बीपीडी हो गया है। रूस ने कहा कि प्रमुख तेल उत्पादकों के समूह ओपेक प्लस ने तेल बाजारों को स्थिर करने में मदद की है। रूसी तेल पर मूल्य सीमा के रूप में पश्चिमी हेरफेर के बावजूद बाहरी दबाव का विरोध किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एलेक्सी जैतसेव ने साप्ताहिक बैठक में कहा कि रूस वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए एक जिम्मेदार आपूर्तिकर्ता है और ओपेक प्लस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है। कईहफ्ते की गिरावट के बाद 1.15 अरब डॉलर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कईसप्ताह तक गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 1.153 अरब डॉलर बढ़कर 585.895 अरब डॉलर पहुंच गया।इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 2.166 अरब डॉलर की गिरावट आई थी।अक्तूबर, 2021 में देश के पास रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था।आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक, 13 अक्तूबर वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 17.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ519.351 अरब डॉलर रह गई।इस दौरान देश का स्वर्णभंडार 1.26 अरब डॉलर बढ़कर 43.57 अरब डॉलर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का रिजर्व भंडार 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.97 अरब डॉलर पार पहुंच गया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.15 अरब डॉलर बढ़कर 585.89 अरब डॉलर हुआ, आरबीआई ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.153 अरब डॉलर बढ़कर 585.895 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.166 अरब डॉलर घटकर 584.742 अरब डॉलर रह गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों के कारण बढ़े दबाव के बीच रुपये को बचाने के लिए मुद्रा भंडार का इस्तेमाल किया, जिससे इसमें कमी दर्ज की गई। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 17.8 करोड़ डॉलर घटकर 519.351 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी के प्रभावों को भी शामिल करती हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण का आरक्षित भंडार 1.268 अरब डॉलर बढ़कर 43.575 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 7.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.995 अरब डॉलर हो गया।

2000 के 10 हजार करोड़ रुपये के नोट अब भी सिस्टम में, आरबीआई गवर्नर बोले- जल्द ही वापस आने की उम्मीद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के नोट वापस आ रहे हैं और केवल 10,000 करोड़ रुपये के नोट ही लोगों के पास बचे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि ये नोट भी वापस कर दिए जाएंगे या वापस जमा कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, 2000 रुपये के नोट वापस आ रहे हैं और सिस्टम में केवल 10,000 करोड़ रुपये के नोट बचे हैं। उम्मीद है कि राशि भी वापस आ जाएगी। इस महीने की शुरुआत में दास ने कहा था कि वापस लिए जा रहे 2000 रुपये के नोटों में से 87 प्रतिशत बैंकों में जमा के रूप में वापस आ गए हैं, जबकि बाकी काउंटरों पर बदल दिए गए हैं।

आरबीआई ने जारी किया एमपीसी मिनट्स

गवर्नर बोले- महंगाई को चार फीसदी पर लाने के लिए उठाएंगे हर जरूरी कदम

नई दिल्ली।

इजराइल-हमास के बीच जारी संघर्ष से महंगाई पर जोखिम बना हुआ है। उच्च ब्याज दरों से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, ब्याज दर फिलहाल ऊंची बनी रहेगी। समय और वैश्विक स्तर पर अभरती स्थिति ही बताएगी कि यह कितने समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। कीमतों पर उन्होंने कहा, महंगाई में निरंतर कमी लाने के लिए आरबीआई अर्जुन की तरह नजर रखेगा। हमारा उद्देश्य खुदरा महंगाई को 4 फीसदी पर लाना है। इसके लिए हम हर जरूरी प्रयास करेंगे।

कौटिल्य इकनॉमिक कॉन्क्लेव-2023 में दास ने इस बात पर जोर दिया कि मौद्रिक नीति महंगाई घटाने वाली होनी चाहिए। इसके ऐसा होने से ही जुलाई, 2023 में 7.44 फीसदी के उच्चतम स्तर से खुदरा महंगाई में गिरावट जारी है। सितंबर में यह तीन माह के निचले स्तर 5.02 फीसदी पर आ गई। हालांकि, मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है।

गवर्नर ने कहा, मौजूदा भू-राजनीतिक संकट को देखते हुए दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने प्रमुख नीतिगत दरें बढ़ा दी हैं। हालांकि, महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने इस साल फरवरी से नीतिगत दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। यह 6.5 फीसदी पर स्थिर है। भारतीय मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर दास ने कहा, एक जनवरी, 2023 से अब तक रुपये में 0.6 फीसदी गिरावट आई है। इसी अवधि में अमेरिकी डॉलर 3 फीसदी टूटा है। इसलिए रुपया स्थिर है।

सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपये मूल्य के 2,000 के नोट ही चलन में

दास ने कहा, 2,000 रुपये के नोट वापस आ रहे हैं। अब सिर्फ 10,000 करोड़ रुपये मूल्य के नोट ही लोगों के पास हैं। ये नोट भी वापस आ जाएंगे या जमा करा दिए जाएंगे। गवर्नर बोले, फिर से 1,000 रुपये के नोट नहीं आएंगे। हालांकि, कोई आधिकारिक सूचना नहीं आई है।

भारत वैश्विक वृद्धि का नया इंजन बनने के लिए तैयार

शक्तिकांत दास, गवर्नर, आरबीआई ने कहा कि हमारे आर्थिक बुनियादी सिद्धांत व वित्तीय क्षेत्र दोनों मजबूत हैं। भारत वैश्विक वृद्धि का नया इंजन बनने को तैयार है। चालू वित्त वर्ष में हमारी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक जीडीपी में महंगाई, धीमी वृद्धि और वित्तीय स्थिरता के मोर्चे पर जोखिम है।

पश्चिम एशिया संकट व क्रूड में तेजी का होगा असर

पश्चिम एशिया में संकट के प्रभाव पर गवर्नर ने कहा, पिछले एक पखवाड़े में अमेरिकी बॉन्ड के रिटर्न में वृद्धि हुई है। इसका अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक असर पड़ता है। क्रूड की कीमतें भी बढ़ी हैं। ये कुछ अनिश्चितताएं हैं, लेकिन वे कुछ मामलों में और अधिक स्पष्ट हुई हैं। हर जगह जो भी हो रहा है, उसका असर हम पर पड़ता है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

अब जानें एमपीसी के बारे में

मौद्रिक नीति समिति में कुल छह सदस्य हैं। इसमें, तीन आरबीआई अधिकारी तो तीन सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य होते हैं। एमपीसी में तीन सरकारी नामांकित व्यक्ति हैं, जिसमें शशांक भिड़े, आशिमा गोयल और जयंत आर वर्मा। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन भी एमपीसी में शामिल हैं।

सोना 750 रुपये महंगा होकर 61500 पार, चांदी भी 500 रुपये उछली

मुंबई।

विदेशी बाजारों में मजबूत संकेतों के बीच दिल्ली सराफा बाजार में सोना 750 रुपये महंगा होकर 61,500 रुपये के पार पहुंच गया और 61,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ।चांदी भी 500 रुपये महंगी होकर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई।पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में उछाल से घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में तेजी आई।

उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में संकट को देखते हुएनिवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं और सोने जैसे सुरक्षित विकल्पों में निवेश कर रहे हैं।इसलिए, कॉमेक्स पर सोना उछलकर करीब चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

वैश्विक बाजार में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमश: 1,980 डॉलर प्रति औंस और 23.20 डॉलर प्रति औंस पर चल रहे थे। गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अशांति की चिंताओं के कारण कॉमेक्स स्पॉट सोना लगभग चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

बाजार तीसरे सत्र भी टूटा 2.06 लाख करोड़ डूबे

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख व कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही। सेंसेक्स 231 अंक से अधिक टूट गया।अमेरिकी बॉन्ड रिटर्न में मजबूती व विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर असर पड़ा।इससे सेंसेक्स 231.62 अंक गिरकर 65,397.62 पर बंद हुआ। दिन में यह 320.63 अंक तक लुढ़क गया था।

निफ्टी 82.05 अंक टूटकर 19,542.65 पर बंद हुआ। निवेशकों की पूंजी 2.06 लाख करोड़ घटकर 318.89 लाख करोड़ रुपये रह गई।सेंसेक्स की 30 में 20 कंपनियों के शेयर नुकसान में बंद हुए।

हम पायलटों के नौकरी छोड़ने से उत्पन्न संकट से बाहर आ गए हैं : अकासा एयर

नई दिल्ली।

अकासा एयर ने कहा कि कंपनी धीरे-धीरे पायलटों के अचानक नौकरी छोड़ने से उत्पन्न हुई उथल-पुथल से बाहर आ रही है। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी एयरलाइनों के बीच सीमित आपसी भर्ती (नो-पोचिंग) समझौते के एकदम खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सही नहीं होगा। गौरतलब है कि अकासा एयर को उड़ान भरते हुए एक वर्ष से थोड़ा अधिक समय हुआ है। उसके पास 450 से अधिक पायलट हैं और विस्तार योजनाओं को देखते हुए यह संख्या बढ़ेगी। अप्रैल में हमारे पास लगभग 330 पायलट थे। इसके बाद लगभग 40 पायलट नोटिस अवधि को पूरा किए बिना चले गए। आज हमारे पास 450 से कुछ अधिक पायलट हैं। अप्रैल से आज तक हमने करीब एक तिहाई अतिरिक्त पायलट जोड़े हैं। एयरलाइन ने संबंधित पायलटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की है। दुबे ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एयरलाइन उद्योग के स्तर पर कुछ भी करने की जरूरत है।

आरबीएल बैंक गो सेविंग्स अकाउंट लांच करेगी, खाता खोलना होगा आसान, ग्राहकों को मलिंगा 7.5 प्रतिशत तक ब्याज

नई दिल्ली।

प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक ने अपने नवीनतम डिजिटल बैंकिंग प्रोडक्ट गो सेविंग्स अकाउंट के लॉन्च की घोषणा की है। यह अकाउंट खोलना आसान है और इसे आसानी से ऑपरेट किया जा सकता है। गो सेविंग्स अकाउंट एक जीरो बैलेंस अकाउंट है। यह प्रोडक्ट सभी आयु वर्ग के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। गो सेविंग्स अकाउंट एक सब्सक्रिप्शन-बेस्ड मॉडल है। यह सालाना 7.5 फीसदी तक की उच्च ब्याज दरों, एक प्रीमियम डेबिट कार्ड और प्रीमियर ब्रांड्स के 1,500 रुपये के वाउचर सहित कई कस्टमर-फ्रेंडली लाभ प्रदान करता है।

यह अकाउंट 1 करोड़ रुपये तक का कंप्रिहेंसिव साइबर इंश्योरेंस कवर, एक्सीडेंट और ट्रैवल इंश्योरेंस और मुफ्त सीआईबीआईएल रिपोर्ट भी प्रदान करता है। यह अकाउंट प्रीमियम बैंकिंग सर्विसेज की एक रेंज भी प्रदान करता है। इसमें पहले साल की सब्सक्रिप्शन फीस 1999 रुपये (प्लस टैक्स) है। इसके अलावा इस अकाउंट पर 599 रुपये (प्लस टैक्स) के एनुअल रिन्यूअल फीस लगती है। बता दें कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने आरबीएल बैंक पर 64 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। आरबीएल बैंक मार्च को समाप्त होने वाले तीन वित्तीय वर्ष 31 मार्च 2018, 31 मार्च 2019 और 31 मार्च 2020 के लिए अपने शेयर होल्डर्स से फॉर्म-बी से डिक्लेरेशन नहीं ले पाया। इन 3 वित्तीय वर्ष के सितंबर के अंत तक अपने प्रमुख शेयरधारकों में से एक की फिट और प्रॉपर स्टेटस को जारी रखने के संबंध में आरबीआई को सर्टिफिकेट नहीं दे पाया। आरबीआई ने कहा था कि बजाज फाइनेंस पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने और आरबीआई को कुछ धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में देरी करने के कारण जुर्माना लगाया गया है।

पेटीएम के दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित

कंपनी का रेवेन्यू 32 प्रतिशत बढ़ा, नेट लॉस घटकर 292 करोड़ रहा

मुंबई।

फिनटेक फर्म पेटीएम की पेरेंट कंपनी कम्युनिकेशंस ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। पेटीएम का नेट लॉस करीब आधा कम होकर 292 करोड़ रुपए रहा।

एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का नेट लॉस 571.5 करोड़ रुपए रहा था। ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू और लोन बिजनेस में बढ़ोतरी से कंपनी को अपना घाटा कम करने में मदद मिली है। रिजल्ट के पहले आज पेटीएम का शेयर 11.60 रुपए यानी 1.20 प्रतिशत बढ़कर 980.05 रुपए पर बंद हुआ।

सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 32 प्रतिशत बढ़कर 2,519 करोड़ रहा

पेटीएम का सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 32 प्रतिशत बढ़कर 2,519 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,914 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी का डायरेक्ट एक्सपेंस सितंबर तिमाही में 1,093 करोड़ रुपए रहा। तिमाही आधार पर पेटीएम का रेवेन्यू 7 प्रतिशत बढ़ा है। इसका जून तिमाही में रेवेन्यू 2,341 करोड़ रुपए रहा था। वहीं कंपनी का नेट लॉस जून तिमाही में 358 करोड़ रुपए रहा था। पेटीएम ने शेयर बाजारों को बताया, हमने सितंबर तिमाही में 32 प्रतिशत रेवेन्यू ग्रोथ की अपनी रफ्तार जारी रखी है। यहां ये बताना जरूरी है कि पिछले साल फेस्टिव सीजन में हुई ऑनलाइन बिक्री के आंकड़े तीसरी तिमाही में आएंगे। जबकि पिछले साल अधिकतर बिक्री दूसरी तिमाही में ही रही थी। पेमेंट बिजनेस से रेवेन्यू 28 प्रतिशत बढ़कर 1,524 करोड़ रहा पेटीएम का एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन प्रोग्राम पर खर्च सितंबर तिमाही में 385 करोड़ रुपए रहा। वहीं इसका टोटल खर्च 14 प्रतिशत बढ़कर 2,936 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का पेमेंट बिजनेस से रेवेन्यू 28 प्रतिशत बढ़कर 1,524 करोड़ रुपए रहा। वहीं नेट पेमेंट मार्जिन करीब 60 प्रतिशत बढ़कर 707 करोड़ रुपए हो गया।

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का एकीकृत मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 37 प्रतिशत बढ़कर 244 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में कंपनी का मुनाफा 178 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल बिक्री बढ़कर 2,002 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,675 करोड़ रुपये रही थी।

कंपनी का कैश बैलेंस बढ़कर 8,754 करोड़ रुपए हुआ

मर्चेंट सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू में बढ़ोतरी और लोन बिजनेस में उछाल के कारण न सिर्फ कंपनी का नेट इंटरेस्ट मार्जिन बढ़ा है, बल्कि सभी कारोबारी मोर्चों पर इसका प्रदर्शन भी बेहतर दिख रहा है। 30 सितंबर को समाप्त हुई तिमाही में कंपनी का कैश बैलेंस बढ़कर 8,754 करोड़ रुपए हो गया, जो जून तिमाही के आखिरी में 8,367 करोड़ रुपए रहा था।

राज कुंद्रा की एक पोस्ट ने बढ़ाई सरगर्मी, क्या पत्नी शिल्पा शेट्टी से हो रहे अलग

मुंबई (ईएमएस)। 2021 में पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तारी को लेकर सुर्खियां बटोरने के बाद अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा यूटी 69 से अपने अभिनय करियर की शुरूआत कर रहे हैं। हाल ही में राज कुंद्रा फिल्म का ट्रेलर भी सामने आया था। यह फिल्म 3 नवंबर को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होगी। इस बीच राज ने एक ऐसा पोस्ट शेयर कर दिया है, इस देखकर फैंस चौंक गए हैं। हालांकि उन्होंने पोस्ट में किसी को मेंशन नहीं किया है। फिर भी इसतरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि वह पत्नी शिल्पा शेट्टी से अलग हो रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि शिल्पा और राज अलग हो रहे हैं। दरअसल, देर रात, शिल्पा के पति राज कुंद्रा ने अलगाव के बारे में एक चौंकाने वाला पोस्ट साझा किया। पत्नी शिल्पा का नाम लिया बिना राज ने लिखा, हम अलग हो गए हैं, और आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस कठिन दौर में हमें समय दें। कई लोगों ने आश्चर्य व्यक्त किया है, तब वहीं तमाम ने इस सिरे से खारिज कर दिया है।राज कुंद्रा के पोस्ट को देखकर कुछ लोगों ने इस यूटी 69 के लिए एक मार्केटिंग हथकंडा बताया है। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा ने नवंबर 2009 में शादी की थी। उनकी शादी को 14 साल पूरे होने वाले हैं। हर मुश्किल समय में दोनों एक-दूसरे का साथ देते नजर आते हैं। अब ये पोस्ट देखकर फैंस को टेंशन हो गई है। राज की फिल्म यूटी69 की बात करें तब इसमें उनके ऑर्थर रोड जेल में बिताए दिनों की कहानी दिखाई गई है। राज को पॉर्नोग्राफी मामले में जुलाई 2021 में अरेस्ट किया गया था। वह दो महीने जेल में रहे थे।

वेब सीरीज पर्मानेंट रूममेट्स से मिली मुझे सफलता : निधि सिंह

मुंबई (ईएमएस)। रोमांटिक कॉमेडी वेब सीरीज पमार्नेंट रूममेट्स में काम करने वाली अभिनेत्री निधि सिंह को शो से काफी लोकप्रियता मिली। अभिनेत्री निधि ने अपना करियर थिएटर कलाकार के रूप में शुरू किया था। अब निधि सीरीज के तीसरे सीजन में नजर आएगी। निधि ने बताया कि इस शो के बाद ही लोगों ने उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में पहचानना शुरू किया। वेब सीरीज पमार्नेंट रूममेट्स (टीवीएफ) में तान्या का किरदार निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री को आज तक उनके इसी किरदार के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। शो का तीसरा सीजन आ-खरकार आ गया है और दर्शकों को एक बार फिर तान्या और मिकेश की केमिस्ट्री पसंद आई है। शो के बारे में निधि ने कहा, ऐसी दुनिया में आना हमेशा अच्छा लगता है, जो आपको खुश करती है। पमार्नेंट रूममेट्स परिचित लगता है। यह एक परिवार की तरह है।

जब मैंने पहले सीजन की शूटिंग शुरू की थी, उस समय मैं वास्तव में एक अभिनेत्री नहीं थी। मेरी एक क्लिप वायरल हो गई थी और लोग मुझे उसी के लिए जानते थे। अभिनेत्री ने कहा, पमार्नेंट रूममेट्स के बाद, लोगों ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में पहचानना शुरू कर दिया। मेरे लिए सब कुछ वहीं से शुरू हुआ और आज तक मुझे इसके लिए सबसे अधिक सराहना मिली है। इस बारे में बात करते हुए कि क्या लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर उसी किरदार में ढलना मुश्किल था, उन्होंने कहा, किरदार की नब्ज और सार लेखन में है। अगर लेखन अच्छा है, तो आपको बस समर्पण करना होगा और हमने बस यही किया। साथ ही बहुत कुछ आपके सह-अभिनेताओं पर भी निर्भर करता है।

3 माह का हुआ इशिता का बेटा वायु, फोटो शेयर कर दी जानकारी

मुंबई (ईएमएस)। मां ये सिर्फ एक शब्द नहीं है। जीवन की ये वे भावना होती जिसमें स्नेह, धैर्य, विश्वास कितना कुछ समाया होता है। दुनिया का कोई भी कोना हो, कोई भी देश हो, हर संतान के मन में सबसे अनमोल स्नेह मां के लिए होता है। मां बनना जीवन के सबसे खूबसूरत और सुखद अनुभवों में से एक है। इसतरह के खूबसूरत अनुभव से इनदिनों अभिनेत्री इशिता दत्ता गुजर रही हैं। इशिता इसी साल 19 जून को एक प्यारे से बेटे की मां बनीं जिसका नाम उन्होंने वायु रखा है। आए दिन इशिता बेटे संग प्यारी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं अब इशिता का लाड़ला 3 माह का हो गया है। इसके बाद उन्होंने बेटे वायु के साथ एक मनमोहक तस्वीर शेयर करके अपने फैंस को खुश किया। तस्वीर में मां और बेटे के बीच एक अच्छे पल को तस्वीर में कैद किया गया है। मां-बेटे की जोड़ी व्हाइट ड्रेस में ट्वनिंग किए नजर आ रहे हैं। जहां इशिता ने एक स्टाइलिश सूट पहना है और छोटे वायु ने प्रिंटेड आउटफिट पहना है। इशिता अपने बच्चे को प्यार से किस करती है और उसे अपनी बाहों में भर लेती है। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, हैप्पी 3 मंथ्स माय बेबी। बता दें कि इशिता और वत्सल शेठ लव स्टोरी तब शुरू हुई जब वे 2016 में रिश्तों का सौदागर-बाजीगर के सेट पर मिले। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री रियल लाइफ रोमांस में बदल गई। इशिता और वत्सल ने नवंबर 2017 में शादी रचा ली। वहीं इसी साल कपल एख प्यारे से बेटे का पेरेंट्स बना। इशिता और वत्सल दोनों ही फैंस के साथ अपनी हर एक अपडेट शेयर करते रहते हैं हालांकि इस कपल ने अभी तक अपने बेबी का चेहरा रिवील नहीं किया है।

अमांडा होल्डन क्रॉप स्वेटर पेसेंल स्कर्ट में दिखी स्टनिंग

हाल में एक्ट्रेस अमांडा होल्डन को लंदन में रेडियो सेंटर के बाहर स्पॉट किया गया। इस दौरान अमांडा होल्डन का स्टाइलिश अंदाज देखने को मिला। लुक की बात करें तो अमांडा होल्डन ऑफ व्हाइट क्रॉप स्वेटर और पेसेंल स्कर्ट में स्टनिग नजर आईं। इसके साथ मिनिमल मेकअप, शेड्स, ओपन हेयर्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। अमांडा होल्डन ने गम बूट्स पेयर किए हैं। लंदन की सड़कों पर अमांडा स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रही हैं।हसीना की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि अमांडा सोशल साइट पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन फैंस के साथ तस्वीरें शेयर करती हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अमांडा होल्डन अक्सर अपनी तस्वीरों की वजह से चर्चा में रहती हैं। उनकी तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा देती हैं।

एक्ट्रेस करिश्मा पर भी चढ़ा नवरात्रि का रंग

देश भर में आम जनता से लेकर बी-टाउन स्टार्स नवरात्रि के रंग में रंगे हुए हैं। टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस क-रश्मा तन्ना पर पर भी नवरात्रि का रंग चढ़ गया है। एक्ट्रेस ने गुजराती छोरी बन इंस्टा पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। लुक की बात करें तो करिश्मा मल्टीकलर घाघरा चोली में नजर आ रही हैं। करिश्मा ने बैकलेस चोली पेयर की है। मिनिमल मेकअप करिश्मा के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। एक्सेसरीज की बात करें तो करिश्मा ने स्लिवर झुमके और हाथ में एक ब्रेस्लेट पहना है। गुजराती छोरी बन करिश्मा कातलिना अंदाज में पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो करिश्मा को हाल ही में वेब सीरीज स्कूप में देखा गया था। सीरिज में उन्होंने क्राइम रिपोर्ट की भूमिका निभाई थी। इसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था।

पूजा बनर्जी की खुशी सातवें आसमान पर

छोटे परदे का धारावाहिक कुमकुम भाग्य फेम पूजा बनर्जी ने नई लग्जरी कार खरीदी है। यही वजह है कि पूजा बनर्जी की खुशी इस वक्त सातवें आसमान पर है। उन्होंने इस खुशी को सोशल मीडिया पर शेयर किया है और नई गाड़ी की झलक भी फैंस को दिखाई है। फैंस नई कार के लिए एक्ट्रेस को बधाइया दें रहे हैं। पूजा बनर्जी ने अपने कार कलेक्शन में लग्जरी जीप कंपास एड की है, जिस-की झलक उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर की है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर की तस्वीर में उनकी बेटी नई गाड़ी के बोनट पर बैठी पोज दे रही है। इस फोटो के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा-हमारी फैमिली में नया एडिशन। फैंस को यह तस्वीर और उनकी नई गाड़ी काफी पसंद आ रही है। काम की बात करें तो पूजा बनर्जी हिट शो कुमकुम भाग्य के अलावा बड़े अच्छे लगते हैं 2, कसौटी जिंदगी की, नच बलिए, रोडीज, दिल ही तो है, चंद्र-कांता, चंद्र नंदिनी, हल्ला बोल, घर आजा परदेसी, एक दूसरे से करते हैं प्यार हम जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं। बता दें कि ये पूजा की दूसरी कार है। इससे पहले उन्होंने 2021 में पहली लग्जरी कार खरीदी थी।

गीगी हदीद का बेहद ग्लैमरस लुक हो रहा वायरल

एक्ट्रेस गीगी हदीद को बीती रात एक्ट्रेस को न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया। इस दौरान उनका बेहद ग्लैमरस लुक देखने को मिला। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो गिगी येलो जंपसूट में स्टाइलिश दिखीं। मिनिमल मेकअप, शेड्स गिगी के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। उन्होंने अपने लुक को एक कैप से कंप्लीट किया है। फैंस गिगी की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस गीगी हदीद इन दिनों काफी खबरों में हैं। बीते दिन ही खबर आई थी कि फि लिस्तीन के समर्थन में आवाज उठाने के बाद उन्हें मौत की धमकियां मिल रही हैं।

आमिर खान फिर से एक्टिंग की दुनिया में होंगे सक्रिय

-एक्ट्रेस फातिमा संग कर सकते है फिल्म में काम

मुंबई (ईएमएस)। करीब डेढ़ साल तक आराम करने के बाद बालीवुड एक्टर आमिर खान फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। इसके साथ ही वह लगातार बतौर प्रोड्यूसर फिल्में प्रोड्यूसर करेंगे। आमिर एक बार फिर से एक्ट्रेस फातिमा सना शेख संग फिल्म करेंगे। हालांकि ये कंफर्म नहीं है कि फिल्म प्रोड्यूसर करने के साथ-साथ आमिर खान फातिमा संग स्क्रीन शेयर करेंगे या नहीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने अब अपने अगले प्रोडक्शन वेंचर के लिए दंगल गर्ल फातिमा सना शेख को चुना है। इस फिल्म का क्या नाम है इस बारे में कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है । हालांकि कहा जा रहा है कि आने वाली यह फिल्म एक हल्की-फुल्की कॉमेडी ड्रामा होगी। इसमें फातिमा के साथ को-स्टार्स की एक पूरी टीम होगी। इस फिल्म को अद्वैत चंदन निर्देशित करेंगे। इस महीने की श-ूरूआत में इसकी कहानी डायरेक्टर को सुनाई गई थी जो उन्हें पसंद आया। वह फिल्म के लिए आगे बढ़ चुके हैं। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू कर दी जाएगी। बता दें कि अद्वैत चंदन आमिर की सीक्रेट सुपरस्टार और लाल सिंह चड्ढा का निर्देशन के लिए फेमस हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आमिर ने पहले फातिमा को मलयालम फिल्म जया जया जया हे के हिंदी रीमेक के लिए साइन किया था। हालांकि वह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो पाई और कुछ समय बाद अद्वैत चंदन एक मजेदार स्क्रिप्ट के साथ आए। आमिर और फातिमा दोनों को यह पसंद आया और उन्होंने तुरंत निर्देशक को इसके लिए हरी झंडी दे दी। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि फातिमा नित्या मेहरा के साथ अपनी पहली वेब सीरीज खत्म करने के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। बता दें कि आमिर-फातिमा सना के लिंकअप की अटकलें अक्सर फैंस के बीच बनी रहती हैं। अटकलें लगाई जाती हैं कि आमिर-फातिमा एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि इस बारे में दोनों ने कभी कुछ नहीं कहा। लेकिन अब दो खबरें सामने आ रही हैं, उससे उनके अफेयर रूमर्ड को एक बार फिर से हवा देने की काम कर रही हैं।

जैकी ने की 42 साल बड़े डेव से शादी, हुई ट्रोल

वाशिंगटन/(ईएमएस)! हिंदी सिने जगत का मशहूर गाना याद आता है कि न उम्र की सीमा हो न जन्म का हो बंधन जब प्यार करे कोई तो देखे केवल मन! इसे फलीभूत होते तब देखा गया जब सोशल मीडिया पर एक 70 साल के बुजुर्ग के साथ 28 साला युवती ने शादी होने और अंतरंग संबंधों वाले फोटो पोस्ट कर रिश्ते को जग जाहिर किया! इसे लेकर अनमेल जोड़े को ट्रोल भी किया गया है! सोशल मीडिया पर अपनी प्रेम कहानी बताने वाले 70 साला डेव और कम उम्र जैकी को ट्रोल करने वाले गोल्ड डिगर कह कर निशाने पर ले रहे हैं! गौरतलब है कि इस अनोखे कपल की उम्र में 42 साल का अंतर है! सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म टिकटॉक पर खासे मशहूर जोड़े की कहानी के संबंध में खुद जैकी कहती हैं कि उनके पति और उसके बीच उम्र का अंतर काफी अधिक होने के कारण अनेक लोग उन्हें ट्रोल करते हैं और गोल्ड डिगर कहकर बुलाते हैं! यहां तक कि नाराज लोग उनके पति को उनका दादा तक कहते हैं! फिर भी यह तो सच्चा प्यार है! आरोप लगाने वाले तो यहां तक कहते हैं कि जैकी ने एक 70 साल के बुजुर्ग से शादी सिर्फ इसलिए कर ली है कि वो उसके पीछे एक बड़ी दौलत देखती है! लोग बोल रहे हैं कि वो डेव के साथ केवल उनके पैसों के लिए हैं! विवादों के बाद भी यह कपल सोशल मीडिया पर काफी मशहूर है! जैकी ने बताया है कि उनके और पति डेव के बीच 42 साल का अंतर है, लेकिन इससे हम दोनों को ही कोई फर्क नहीं पड़ता है! हम एक दूसरे से बेतहाशा प्यार करते हैं, यही जिंदगी जीने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी चीज है! जैकी डेव को उसके दादा करने पर आहत हैं और कहती हैं, कि डेव मेरे दादाजी नहीं हैं, उनके तो बच्चे भी नहीं हैं! ऐसे में ट्रोल करने वालों को कम से कम शब्दों का तो सही चयन करना चाहिए! उन्होंने कहा कि एक न एक दिन सभी को बूढ़ा होना है, ऐसे में यदि आपके पास औरों के लिए कुछ अच्छा कहने को नहीं है तो खामोश रहें और अपने काम से काम रखें! जैकी ने प्रेम कहानी के संबंध में बताया है कि उनकी मुलाकात करीब 7 साल पहले एक डेटिंग एप प्लेटफार्म पर हुई! इसके बाद डेव ने जैकी से मिलने के लिए उनके देश फिलीपींस पहुंच गये! कुछ समय बाद ही दोनों ने एक दूसरे को डेट करना भी शुरू कर दिया! एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर इस जोड़े को लेकर खासी बहस छिड़ी है और अनेक लोग तो जोड़े को ट्रोल करने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं!

सूडोकु नवताल- 6590

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6589 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्दजाल - 7337

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी	
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा	
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म	
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु	
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला	
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री	
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि	
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा	
र्जी	ड	ल	कु	मु	द	बे	न	जो	शी	आ	
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म	

शब्द जाल में 10 महिला राज्यपालों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, शारदा मुखर्जी, कुमुदबेन जोशी, सरला ग्रेवाल, रामदुलारी सिन्हा, चंद्रावती, शीला कौल, राजेंद्रकुमारी वाजपेयी, रजनी पाल.

शब्दजाल - 7336 का हल

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज	
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़	इं	द्र	ट	वा	
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह	
च	ज	ज	बि	पु	र	रा	प	मा	ली	र	
मि	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला	
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल	
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने	
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह	
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु	
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता	
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6290

		1		7	2	
6	35	5	30		25	
7		2		3		4
1	33		31		29	2
	6	4		5		7
	33	3	31		37	
5			4		6	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6289 का हल

1	7	3	4	5	6	2
6	37	6	29	2	29	1
2	7	5	1	3	4	6
4	32	4	29	4	35	4
3	6	1	4	7	2	5
7	33	2	32	6	37	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय दल पर कोराना का साया; एक भारतीय खिलाड़ी संक्रमित, खेल गांव में क्वारंटीन किया गया

नई दिल्ली ।
पैरा एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए हांगझोऊ पहुंचे भारतीय दल पर कोरोना का साया पड़ गया है। भारतीय दल की एक महिला खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाई गई है। इस खिलाड़ी को खेल गांव में ही क्वारंटीन कर दिया गया है। साथ ही आयोजकों ने भारतीय दल को तत्काल कोरोना संबंधित सावधानियां अपनाने की सलाह दी। इसके बाद भारतीय दल के डॉक्टर की ओर से संक्रमण से बचाव के सभी को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए।

निगेटिव रिपोर्ट पर निर्भर करेगा खेलों में भाग लेना

22 अक्तूबर से शुरू हो रहे पैरा एशियाई खेलों में शिरकत करने 303 खिलाड़ी और 143 प्रशिक्षकों, सपोर्ट स्टाफ का भारतीय दल टुकड़ों में हांगझोऊ पहुंचा है। संक्रमित पाई गई महिला खिलाड़ी कुछ दिन पूर्व हांगझोऊ पहुंच गई थी, जहां उसे सर्दी, जुकाम होने वाले कोरोना का एंटीजन टेस्ट कराना पड़ा, जिसमें उसके संक्रमण पाया गया। इस महिला खिलाड़ी का खेलों में भाग लेना उसकी निगेटिव रिपोर्ट पर निर्भर करेगा।

टीम डॉक्टर ने दल को बचाव के निर्देश जारी किए

टीम डॉक्टर अरुण मैथ्यु ने भारतीय दल को संक्रमित केस की जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि हमें इसे फैलने से बचाने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने छह फुट की दूरी, नियमित अंतराल पर हाथ धोने के अलावा बाहर निकलने पर मास्क पहनने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संक्रमण के लक्षण होने पर खुद को एकांतवास में डालकर खेल गांव की पॉली क्लीनिक में टेस्ट कराने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

झज्जर-पंचकुला में बनेगी दो निशानेबाजी रेंज, फरीदाबाद में तीरंदाजी अभ्यास केंद्र

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एलान किया कि झज्जर और पंचकूला में दो निशानेबाजी रेंज और यमुनानगर तथा फरीदाबाद में दो तीरंदाजी अभ्यास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। हांगझोउ एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए खट्टर ने यह बात कही। करनाल में आयोजित समारोह में पदक विजेताओं और प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिए गए। स्वर्ण पदक जीतने वाले को तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को डेढ करोड़ और कांस्य जीतने वाले को 75 लाख रुपये मिले। इसके साथ ही उन्हें नौकरी की पेशकश का पत्र भी मिला। खट्टर ने यह भी कहा कि छोटे और स्थानीय खेलों में विजेताओं को भी पुरस्कार दिए जाएंगे ताकि ऐसे खेलों को बढावा मिल सके।

अब मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच बने मलिंगा

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल (फ्रैंचाइजी) मुंबई इंडियन्स ने श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को अपना तेज गेंदबाजी कोच बनाने की घोषणा की है। कमिंगा न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की जगह लेंगे। बॉन्ड ने इससे पहले गेंदबाजी कोच के पद को छोड़ दिया था। मलिंगा ने मुंबई इंडियन्स की ओर से 11 सत्र खेलें हैं। इसके अलावा वह 2018 में टीम के गेंदबाजी मेंटोर भी रहे थे। मलिंगा आगामी सत्र से पहले कोचिंग दल से जुड़ेंगे। टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर जबकि कीरोन पोलार्ड टीम के बल्लेबाजी कोच हैं। फ्रेंचाइजी का मानना है कि तीन पूर्व क्रिकेटर 'डगआउट में एक मजबूत साझेदारी बनाएंगे। मलिंगा इस फ्रेंचाइजी की अन्य टीमों के गेंदबाजी कोच रहे है जिसमें मेजर लीग क्रिकेट में एमआई न्यूयॉर्क और एसए20 में एमआई केपटाउन की टीम शामिल है। वहीं इससे पहले राजस्थान रॉयल्स की कोचिंग टीम में शामिल रहे मलिंगा ने कहा, 'मैं बाउचर, पोलार्ड, कप्तान रोहित शर्मा व टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं विशेष रूप से गेंदबाजी इकाई के साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं जिसका रुख मुझे पिछले सत्र में पसंद आया था। मुंबई इंडियन्स की युवा प्रतिभाओं में उत्कृष्टता हासिल करने की जबरदस्त क्षमता है।

मेसी को मिलती है अन्य खिलाड़ियों के कुल वेतन से अधिक रकम

फ्लोरिडा । अर्जेंटीना के कप्तान लियोनन मेसी को अमेरिकी क्लब इंटर मियामी जाने से बेहद लाभ हुआ है। मेसी को इस क्लब में सबसे अधिक वेतन मिलता है। अपनी कप्तानी में टीम को विश्वकप जिताने वाले मेसी को मेजर लीग फुटबॉल क्लब इंटर मियामी से अनुबंध के तौर पर ही दो करोड़ 40 लाख डॉलर मिले हैं। फुटबॉल खिलाड़ी संघ के अनुसार मेसी को इंटर मियामी के साथ एमएलएस अनुबंध के तौर पर ये भारी भरकम राशि मिली है। मेजर लीग फुटबॉल खिलाड़ी संघ ने कहा कि मेसी को इंटर मियामी के साथ एमएलएस अनुबंध के सालाना अनुबंध के दो करोड़ 40 लाख डॉलर मिले हैं। मेसी को बाकी सभी खिलाड़ियों के कुल वेतन से कहीं ज्यादा मिलता है। उनका मूल वेतन एक करोड़ 20 लाख डॉलर है और कुल मिलने वाली रकम दो करोड़ 40 लाख डॉलर से ऊपर जाती है। लीग में सबसे नीचे वाली टीम ओरलैंडो सिटी का कुल वेतन ही 9.6 मिलियन डॉलर है ये मेसी को मिलने वाली रकाम से भी आधा है। विश्वकप के बाद मेसी की मांग में भी जबरदस्त तेजी आई है। इसी का लाभ उन्हें मिला है।

विश्वकप क्रिकेट : द. अफ्रीका ने इंग्लैंड को 229 रनों से हराया

मुम्बई।
विश्व कप क्रिकेट के 20वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 229 रनों से हरा दिया। 400 रनों के पहाड़ से लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की बल्लेबाजी इस मुकाबले में लड़खड़ा गई। डिफेंडिंग चैंपियन के बल्लेबाजों ने इस मैच में अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने सरेंडर कर दिया। इंग्लैंड को जॉनी बेयरस्टो के रुप में पहला झटका लगा। बेयरस्टो 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्रीज पर आए जो रुट सिर्फ दो रन बनाकर मार्को जानसन का शिकार बने। इंग्लैंड को डेविड मलान के रुप में तीसरा झटका लगा। मलान 6 रन बनाकर मार्को जानसन का शिकार बने। इंग्लैंड को चौथा झटका बेन स्टोक्स के रुप में लगा। मौजूदा टूर्नामेंट का पहला मैच खेल रहे बेन स्टोक्स सिर्फ 5 रन बना पाए और गेराल्ड कोएत्ज़ी का शिकार बने। इसके बाद इंग्लैंड को पांचवा झटका कप्तान जोस बटलर के रुप में लगा। बटलर सिर्फ 15 रन बना पाए और गेराल्ड कोएत्ज़ी का शिकार बने। इंग्लैंड को हैरी ब्रूक के रुप में 6वां झटका लगा। हैरी ब्रूक 17 रन बनाकर आउट हुए।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने हेनरिक क्लासेन ने तूफानी शतक के दम निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 399 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 400 रनों का लक्ष्य दिया है। हेनरिक क्लासेन ने 67 गेंदों पर 12 चौके और 4 छक्कों के दम पर 109 रनों की पारी खेली। इसके अलावा मार्को जानसन ने आखिरी में विस्फोटक पारी खेली। मार्को जानसन 42 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी को उतरी अफ्रीकी टीम ने मैच की दूसरी ही गेंद पर क्विंटन डी कॉक के रुप में पहला झटका लगा था, लेकिन इसके बाद रीजा हेंड्रिक्स और रासी वैन डेर डुसेन ने दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाला। आदिश राशिद ने रासी वैन डेर डुसेन को 60 और रीजा हेंड्रिक्स को 85 रनों के स्कोर पर पवेलियन की राह दिखाकर इंग्लैंड को मैच में वापसी करवाई। वहीं एडेन मार्करम ने 42 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए रीस टॉपले ने तीन, आदिल राशिद और गस एटकिंसन ने दो-दो विकेट झटके।

श्रीलंका की वर्ल्ड कप में पहली जीत, नीदरलैंड को 6 विकेट से हराया

लखनऊ। श्रीलंका ने वर्ल्ड कप 2023 में पहली जीत हासिल की है। टीम ने नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। बता दें कि टीम को पहले तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, लखनऊ के इकाना स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम 49.4 ओवर में 262 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में श्रीलंका ने 48.2 ओवर में 5 विकेट खो कर 263 रन बना कर टारगेट चेज कर लिया। पथुम निसांका ने 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, आखिरी में सदीरा समरविक्रमा ने 91 रन बना कर टीम को मैच में विजयी दिलाई। नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त ने 3 विकेट लिए। 52 के स्कोर पर 2 विकेट गिरने के बाद सदीरा समरविक्रमा क्रीज पर आए। उन्होंने एक छोर से पारी को संभाले रखा। समरविक्रमा ने असलंका और धनंजय डी सिल्वा के साथ 50+ पार्टनरशिप की और 91 रन बना कर आउट हुए। समरविक्रमा के शतक से पहले ही टीम ने टारगेट चेज कर लिया, लेकिन समरविक्रमा नाबाद लौटे। समरविक्रमा ने 3 बार अर्धशतकीय साझेदारी की। सबसे पहले समरविक्रमा ने पथुम निसांका के साथ 52 रन जोड़े। इसके बाद 104 रन के स्कोर पर श्रीलंका ने 3 विकेट गंवा दिए । यहां से चरिथ असलंका और सदीरा समरविक्रमा ने टीम को संभाला। दोनों ने 99 बॉल पर 77 रन की पार्टनरशिप की और श्रीलंका का स्कोर 180 के पार पहुंचा दिया। असलंका 44 रन बनाकर बोल्ड हुए और दोनों के बीच साझेदारी टूटी। इसके बाद समरविक्रमा ने धनंजय डी सिल्वा के साथ पार्टनरशिप की और 76 रन की पार्टनरशिप बनाई। श्रीलंका के ओपनर पथुम निसांका 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सदीरा समरविक्रमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 बॉल पर ही 52 रन की पार्टनरशिप भी की। निसांका लगातार तीसरे मैच में फिफ्टी लगाकर आउट हुए। नीदरलैंड से पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ भी फिफ्टी लगाई थी।

शाहीन अफरीदी ने मनवाया अपनी गेंद का लोहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिखाया दम

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने बेंगलुरु की सपॉट पिच पर एक बार फिर से अपनी गेंदबाजी का लोहा मनवाया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत खेले गए मुकाबले के दौरान शाहीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। शाहीन के यह 5 विकेट तब सामने आए जब खुलकर खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम 400 से ज्यादा स्कोर बनाते दिख रही थी। शाहीन के विकेट लेने के कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम 367 रन ही बना पाई। बहरहाल, शाहीन ने विश्व कप में दूसरी बार 5 विकेट लिए। अब उनके नाम पर विश्व कप इतिहास में 2 बार 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड हो गया है। बताया जा रहा है कि ऐसा कर उन्होंने अपने ही ससुर यानी शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। शाहिद ने भी विश्व कप में 2 बार एक पारी में 5 विकेट चटकाए हैं। इसी के साथ क्रिकेट विश्व कप के 9 मैचों में उनके नाम 25 विकेट हो गई हैं। इससे पहले वह 2019 क्रिकेट विश्व कप के दौरान लॉर्ड्स के मैदान पर 6 विकेट भी चटका चुके हैं।

अब तक के रिकॉर्ड की बात करें तो विश्व कप 2023 में सर्वाधिक विकेट 11 मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड, 10 जसप्रीत बुमराह, भारत, 9 मैट हैनरी, न्यूजीलैंड

9 शाहीन शाह अफरीदी, पाकिस्तान, 8 हैरिस राऊफ, पाकिस्तान के खिलाफ बनाए हैं। शाहीन विश्व कप के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ 1/37, श्रीलंका 1/66, भारत 2/36, ऑस्ट्रेलिया 5/54 के आंकड़े देने में सफल रहे। हालांकि पाकिस्तान की गेंदबाजी इस विश्व कप के दौरान अच्छी नहीं जा रही है। मैच में पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी की थी। शाहीन अफरीदी ने शुरू में कुछ मौके बनाए लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने रिकॉर्ड पार्टनरशिप बनाकर अपने अपने शतक भी पूरे किए।

पुलिस वाले ने स्टेडियम में फैन को पाकिस्तान जिंदाबाद नारा लगाने से रोका, सोशल मीडिया पर आग की तरह फैला वीडियो

नई दिल्ली।
पाकिस्तान को वर्ल्ड कप 2023 में लगातार दूसरी शिकस्त का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर ऑस्ट्रेलिया के हाथों पाकिस्तान को 62 रन की शिकस्त सहनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 367 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पारी 45.3 ओवर में 305 रन पर ऑलआउट हुई। बहरहाल, पाकिस्तान टीम तो हार ने निराश किया, लेकिन उसका एक फैन अलग कारणों से नाखुश हुआ।

वीडियो हुआ वायरल

एक पाकिस्तानी फैन ने निराशा जाहिर की कि उसे मैच के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने से रोका गया। यह घटना पाकिस्तान की पारी के समय की है। एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दिख रहा है कि पुलिस वाले ने फैन को पाकिस्तान जिंदाबाद नारा लगाने से रोका गया। इस दौरान फैन और पुलिस वाले के बीच गहमा-गहमी भी हुई। फैन ने ध्यान दिलाया कि उनके आस-पास खड़े भारतीय फैंस भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे तो फिर उन्हें क्यों रोका गया। फैन ने साथ ही बताया कि वो अपनी टीम का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान से आया है। कुछ समय के बाद पुलिस वाला वहां से चला गया।

प्रो कबड्डी लीग का दसवां सत्र 2 दिसंबर से, 12 शहरों में होंगे मुकाबले

नई दिल्ली ।
प्रो कबड्डी लीग का 10वां सत्र इस साल के अंत में शुरु होगा। पीकेएल के ये मुकाबले 2 दिसंबर से 21 फरवरी 2024 तक खेले जाएंगे। इस बार पीकेएल अपने पुराने प्रारुप के तहत ही 12 शहरों में आयोजित किया जाएगा। इस लीग के शुरुआती मुकाबले में गुजरात जायंट्स और तेलुगु टाइटंस आमने सामने होंगीं। पीकेएल के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने ऐतिहासिक दसवें सत्र के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए खुशी जतायी है। इस बार के मुकाबले 2 दिसंबर 2023 को अहमदाबाद के एरेना बाय ट्रांसस्टेडिया स्टेडियम में शुरू होंगे। इसके बाद हर फ्रेंचाइजी के गृह शहरों में ये खेले जाएंगे। इसके प्लेऑफ मुकाबलों के कार्यक्रम की घोषमा बाद में होगी।

इस सत्र में हर फ्रेंचाइजी स्टेडियम में वापस आने वाले कबड्डी प्रशंसकों का स्वागत करने को लेकर उत्साहित है। अहमदाबाद में मुकाबले 2 से 7 दिसंबर 2023 तक होंगे। इसके बाद लीग स्थानों के कई मुकाबले इस प्रकार होंगे। प्रो कबड्डी लीग का दसवां सीजन गुजरात जायंट्स और तेलुगु टाइटंस के बीच की प्रतिद्विंद्विता को और बढ़ाएगा।

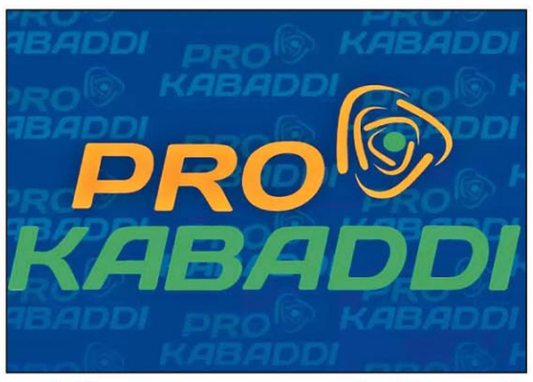

इस लीग में पवन सहरावत, फज़ल आतराचली, अजिंक्य पवार और नवीन कुमार जैसे शीर्ष खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी।

लीग का कार्यक्रम इस प्रकार है। बेंगलुरु में मुकाबले 8-13 दिसंबर के बीच होंगे। पुणे में 15-20 दिसंबर चेन्नई में 22-27 दिसंबर ओर नोएडा में 29 दिसंबर 2023- 3 जनवरी 2024 के बीच होंगे। मुंबई 5 जनवरी-10 जनवरी 2024 तक खेले जाएंगे। वहीं जयपुर 12-17 जनवरी 2024 तक होंगे। हैदराबाद 19-24 जनवरी 2024 तक और पटना 26-31 जनवरी 2024 तक मुकाबले होंगे। दिल्ली 2-7 फरवरी 2024, कोलकाता 9-14 फरवरी 2024 और पंचकुला में 16-21 फरवरी के बीच अंतिम चरण होगा।

एडम जंपा ने किए 150 वनडे विकेट पूरे, कप्तान पैट कमिंस ने की तारीफ

नई दिल्ली ।
ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने 150 वनडे विकेट पूरे कर लिए हैं, इस पर कप्तान पैट कमिंस ने जमकर तारीफ की है। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा 4 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इफितखार अहमद और मोहम्मद नवाज की विकेट चटकाई जिससे ऑस्ट्रेलिया की जीत यकीनी हो गई।

जंपा ने 4 विकेट लेने के साथ ही अपने वनडे करियर में 150 विकेट भी पूरे कर लिए। उनकी शानदार परफार्मेंस पर कप्तान पैट कमिंस ने कहा

कि वह बेहद ही शानदार रहे हैं, उन्होंने मैच में अपनी अच्छी क्लास दिखाई। वह हमारे बीच में असली विकेट लेने वाला गेंदबाज है। कमिंस ने कहा कि अब हमारा टारगेट इस बेंचमार्क को बनाए रखने पर है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ग्लेन मैकग्रा और ब्रैट ली के नाम पर हैं जिन्होंने क्रमश: 249 और 221 मैचों में 380-380 विकेट लिए हैं। शेन वार्न के 291 तो मिचेल जॉनसन के 239 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के एक्टिव क्रिकेटर माइकल स्टार्क 226 विकेट निकाल चुके हैं। वहीं, जंपा 151 विकेटों के साथ अभी इस लिस्ट में 11वें स्थान पर बने हुए हैं। उम्मीद है कि वह तेजी के साथ 200 विकेट क्लब में पहुंच जाएंगे। विश्व कप 2023 में टॉप विकेटेकर में 11 मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड, 10 जसप्रीत बुमराह, भारत, 9 मेट हेनरी, न्यूजीलैंड, 9 शाहीन अफरीदी, पाकिस्तान, 9 एडम जंपा, ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। मैच में स्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने रिकॉर्ड पार्टनरशिप बनाकर अपने-अपने शतक भी पूरे किए और टीम को 367 रन तक पहुंचा दिया। वार्नर ने 163 तो मार्श ने 121 रन बनाए। स्टोइनिस 21, जोश 13 रन बना सके। अफरीदी ने 5, हैरिस राऊफ ने 3 तो उसमा मीर ने एक विकेट लिया। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान ने अच्छी शुरूआत की और 20 से 30 ओवर के बीच उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए जिससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में आने का मौका मिल गया।

नौसेर पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा बायर्न म्यूनिख, सोशल मीडिया पर फिलिस्तीनियों का किया था समर्थन

म्यूनिख । जर्मनी के फुटबाल क्लब बायर्न म्यूनिख ने फैसला किया है कि वह मोरक्को के फुटबालर नौसेर मजराउई पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा जिन्होंने सोशल मीडिया पर फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन व्यक्त किया था। नौसेर क्लब टीम के लिए बायर्न म्यूनिख की ओर से भी खेलते हैं। बायर्न के मुख्य कार्यकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसन ने कहा कि नौसेर ने हमें आश्वासन दिया है कि वह एक शांतिप्रिय व्यक्ति हैं और आतंक व युद्ध के खिलाफ हैं और उनका इरादा कभी भी अपने पोस्ट से किसी को कोई दुख पहुंचाने का नहीं था। हमारा क्लब इजराइल पर हमास के हमले की निंदा करता है। वहीं, नौसेर ने कहा कि मैं सभी आतंकवाद और आतंकवादी संगठनों की निंदा करता हूं।

दुर्गा पूजा के दौरान हुआ हादसा

स्टेज से गिरीं अभिनेत्री काजोल

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल हर वर्ष की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा में नजर आईं। काजोल हर साल अपने दोस्तों और परिवार के साथ इस खूबसूरत त्योहार को बड़ी धूम-धाम से मनाती हैं। इस साल भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। सोशल मीडिया पर काजोल का ट्रेडिशनल लुक खूब छाया हुआ है, लेकिन दुर्गा पूजा में काजोल के साथ कुछ ऐसा हो गया, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दुर्गा पूजा के पंडाल में काजोल स्टेज पर थीं और उनका सारा ध्यान उनके फोन पर था। तभी वह स्टेज के किनारे पहुंचते ही वह अचानक से गिर गईं। हालांकि इस दौरान काजोल जैसे ही लड़खड़ाईं तो नीचे खड़े लोगों ने अभिनेत्री को संभाल लिया और उन्हें पूरी तरह गिरने से बचा लिया। काजोल के पैर में इस घटना से चोट लग गई है। साथ ही इस दौरान उनका फोन भी नीचे गिर गया। उनके बेटे युग भी अपनी मम्मी को संभालते नजर आए। अपनी हर बार की परंपरा को बरकरार रखते हुए, बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल जुहू में नॉर्थ बॉम्बे सर्बोजनिन दुर्गा पूजा पंडाल में मां का दिव्य आशीर्वाद लेने पहुंचीं। इस दौरान काजोल गुलाबी कलर की साड़ी में काजोल बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं, अभिनेत्री बीते दिन भी अपने परिवार के साथ दुर्गा पूजा पंडाल में सामिल हुईं, जिसकी तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। वायरल फोटोज में काजोल को पीले रंग की साड़ी पहने हुए देखा जा सकता है। उन्होंने अपने लुक को झुमके और चूड़ियों से कंप्लीट किया। हर साल अभिनेत्री नॉर्थ बॉम्बे सर्बोजनिन दुर्गा पूजा उत्सव में भाग लेती है। यह पश्चिमी उपनगरों में सबसे बड़ी पूजाओं में से एक है। इस पूजा का आयोजन अयान मुखर्जी के पिता और काजोल के चाचा देब मुखर्जी द्वारा किया जाता है। आपको बता दें, आज काजोल और शाहरुख खान की फिल्म *दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे* ने 25 साल पूरे किए हैं। इस खास मौके पर काजोल ने फिल्म के लिए एक खास पोस्ट साझा किया था।

नगांव में 11 लाख रुपए के सिक्कों से सजाया गया दुर्गा पंडाल

देश में दुर्गा पूजा को लेकर जबरदस्त माहौल है। देश भर में दुर्गा पंडाल सजाए गए हैं, लेकिन असम के नगांव का दुर्गा पंडाल अनोखा है। नगांव में 11 लाख रुपए के सिक्कों से दुर्गा पंडाल को सजाया है। यह देश भर में पहला ऐसा दुर्गा पंडाल है, जिसे सिक्कों से सजाया गया है। दुर्गा पंडाल को सजाने का काम शनि मंदिर दुर्गा पूजा संघ ने किया है। शनि मंदिर दुर्गा पूजा संघ ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक से 10 लाख रुपए के सिक्के लिए थे। उसके बाद 11 लाख रुपए के सिक्कों को प्लाई बोर्ड पर चिपकाया था। पंडाल के ऊपरी हिस्से में गोल्डन कलर के 10 रुपए के सिक्के का उपयोग किया है। उसके बाद निचले हिस्से में सिल्वर कलर के एक, दो और पांच रुपए के सिक्कों का उपयोग किया है, जिससे दुर्गा पंडाल काफी सुंदर लगने लगा। यह पंडाल लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।

बाजार गुलजार, दुर्गा पूजा पर 800 करोड़ तक के कारोबार की उम्मीद

दुर्गा पूजा के दौरान पटना का बाजार गुलजार होते दिख रहा है। उम्मीद है कि पूजा के दौरान 750 से 800 करोड़ रुपए तक का कारोबार होगा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पटनावासी नवरात्र में करीब 100 करोड़ के फल, पूजा और फलाहार सामग्री की खरीद करेंगे। पटना फ्रूट एवं वेजिटेबल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शशि कांत प्रसाद ने बताया कि व्रत को लेकर कारोबार बढ़ा है। कपड़ा करोबारी रंजीत सिंह के अनुसार, डेढ़ सौ से दो सौ करोड़ के कपड़ा से कारोबार की उम्मीद है। बर्तन, डाइफ्रूट सहित अन्य सभी पूजा उपयोगी चीजों का कारोबार इस वर्ष बेहतर होने की उम्मीद है। आभूषण कारोबारी मोहित खेमका, उमेश टेकरीवाल ने बताया कि इस सेगमेंट में बेहतर कारोबार होने का अनुमान है। पूजन व अन्य आवश्यक सामग्री का भी लगभग 40-50 करोड़ के कारोबार होने की उम्मीद जताई गई है। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने मूर्ति विसर्जन से पूर्व, विसर्जन के दौरान एवं उसके बाद जल की गुणवत्ता की जांच कराने का निर्णय लिया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**